Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Saturday, 26 April 2025 ● Year : 03 ● Issue : 101 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

जब दुनिया आपको अपने घुटनों पर धकेलती है, तो आप प्रार्थना करने की सही स्थिति में होते हैं।

–रूमी

Nushrratt Bharuccha Was Told She's...

SHARE

सेंसेक्स	:	79,212.53
निफ्टी	:	24,039.35

SARAFA

सोना	:	9,180
चांदी	:	111.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सिक्किम में भारी बारिश से लैंडस्लाइड, फंसे पर्यटक

SIKKIM : सिक्किम में लगातार हो रही है। बारिश के कारण शुक्रवार को लैंडस्लाइड हुआ। इसके कारण करीब 1,000 पर्यटक फंस गए हैं। फंसे हुए पर्यटकों का रेस्क्यू किया जा रहा है। राजधानी गंगटोक से करीब 100 किलोमीटर दूर लाचेनचुंगथांग रोड पर मुंशीथांग और लेमा/बॉब में पर्यटकों की करीब 200 गाड़ियां फंसी हुई हैं। उनमें सवार पर्यटक एक गुरुद्वारे में ठहरे हुए हैं। लाचुंग और लाचेन तक पहुंचने वाले रास्ते बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जिससे पर्यटकों का निकला मुश्किल हो गया है। लाचुंग और लाचेन हिल स्टेशन हैं, जो गुरुडोंगमार झील और युमथांग घाटी के कारण अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाने जाते हैं। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण स्थिति और खराब हो गई है।

बहराइच में राइस मिल का ड्रायर फटा, पांच की मौत

BAHRAICH : शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के जनपद बहराइच में एक राइस मिल का ड्रायर फटने से हुए हादसे में पांच मजदूरों की जान चली गई। यह मजदूर बिहार और उत्तर प्रदेश के बताए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर शोक संवेदना प्रकट की है। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य और घायलों को बेहतर इलाज कराने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि, जिस समय यह हादसा हुआ, उस समय मिल में 8-10 मजदूर काम कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शी मजदूर लवकुश ने बताया कि दरगाह थाना इलाके के मोहल्ला गुलाम अलीपुरा स्थित राजगढ़िया राइस मिल में वह कम करता है। आज धान सुखाया जा रहा था, इसी दौरान ड्रायर फट गया। आग लग गई तो हम सब उसे बुझाने लगे। तभी धुआं भरने से एक-एक करके पांच मजदूर बेहोश होकर गिर पड़े।

दक्षिण कोरिया ने अमेरिका से टैरिफ पर मांगी छूट

NEW DELHI : दक्षिण कोरिया के उप प्रधानमंत्री और वित्तमंत्री चोई सांग-मोक और व्यापार, उद्योग एवं ऊर्जा मंत्री आह्न डुक-ग्यून टैरिफ पर चर्चा के लिए अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन पहुंचे हैं। दक्षिण कोरिया के व्यापार, उद्योग और ऊर्जा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका के पारस्परिक और क्षेत्र विशेष विशिष्ट टैरिफ उपायों से छूट देने का अनुरोध किया गया है। दक्षिण कोरिया इस मुद्दे पर जुलाई तक इंतजार करने पर सहमत हो गया है। द कोरिया टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, दोनों मंत्रियां ने वाशिंगटन में अमेरिकी वित्त और व्यापार अधिकारियों के बीच व्यापार वार्ता की। इस वार्ता में अमेरिकी वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीर ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के पारस्परिक टैरिफ लगाने के बाद व्यापार विचार-विमर्श किया।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से की अपील, कहा-

पाक नागरिकों की पहचान कर भेजें वापस

AGENCY NEW DELHI : शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ मीटिंग की। उन्होंने मुख्यमंत्रियों से अपील की कि वे अपने-अपने राज्यों में पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करें और उन्हें वापस भेजें। इस बीच आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी श्रीनगर पहुंचे, यहां उन्होंने एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की। इसके बाद जनरल द्विवेदी बैसरन घाटी पहुंचे हैं, जहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने हमला किया था। हमले के 3 दिन बाद सेना ने बड़ा एक्शन लिया। जम्मू-कश्मीर के त्राल और अनंतनाग के बिजबेहरा में दो लश्कर आतंकियों के यहां सर्च ऑपरेशन चलाया। ऑपरेशन के दौरान दोनों के घरों में रखा एक्सप्लोसिव ब्लास्ट हो गया। धमाके में आसिफ शेख और आदिल ठोकेर के घर पूरी तरह तबाह हो गए। इधर, बांदीपोरा में सर्च ऑपरेशन के दौरान शुरू हुए एनकांटर में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया है। दो जवान भी घायल हैं। बता दें कि पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल की दोपहर आतंकवादियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे।

हमले के तीन दिन बाद सेना ने लिया बड़ा एक्शन, चलाया सर्च ऑपरेशन

मारे गए टूरिस्ट्स को दी गई श्रद्धांजलि : पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद तीसरे दिन देशभर में आतंकियों के खिलाफ प्रदर्शन जारी रहा। जगह-जगह पर पाकिस्तान और आतंकियों का पुतला जलाया गया। वहीं, शुक्रवार को हमले के बाद पहली जुमे की नमाज है। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जुमे की नमाज के समय काली पट्टी बांधी। फिर आतंकी घटना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने हिन्दुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। वहीं, हमले में मारे गए टूरिस्ट्स को श्रद्धांजलि दी।

बैसरन घाटी पहुंचे आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी

- त्राल और अनंतनाग में विस्फोट कर ढहाए गए दो लश्कर आतंकियों के घर
- बांदीपुरा मुठभेड़ में मारा गया लश्कर-ए-तैयबा का शीर्ष कमांडर अल्ताफ लाली

खुफिया एजेंसियों की रडार पर कोलकाता में रह रहे 30 पाकिस्तानी नागरिक, गतिविधियों पर विशेष नजर

KOLKATA : पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार और खुफिया एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं। इसी क्रम में कोलकाता में लॉन्ग टर्म वीजा (एलटीवी) पर रह रहे 30 पाकिस्तानी नागरिकों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। इनमें से अधिकतर महिलाएं हैं, जो कोलकाता के स्थानीय वासियों से विवाह कर चुकी हैं। खुफिया विभाग के सूत्रों के मुताबिक वर्तमान में 30 पाकिस्तानी नागरिक कोलकाता में एलटीवी के तहत रह रहे हैं। यह वीजा उन पाकिस्तानी नागरिकों को दिया जाता है, जो भारत में विवाह के उपरांत यहां बसते हैं। शुरुआत में पांच वर्ष का वीजा दिया जाता है, जिसके बाद उसे एक या दो वर्षों की अवधि में नवीनीकृत कराना होता है। हर बार वीजा नवीनीकरण से पहले खुफिया जांच अनिवार्य होती है।

संदिग्ध आतंकी मददगारों की पहचान में जुटी पुलिस

अनंतनाग पुलिस ने बताया कि पहलगाम हमले के बाद अनंतनाग में बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सिक्योरिटी फोर्सेस दक्षिण कश्मीर में संदिग्ध आतंकी मददगारों की पहचान में जुटी हैं। शांति-सुरक्षा कायम रखने में लोगों का सहयोग अहम रोल निभाएगा। पहलगाम हमले के बाद पुलवामा के अवंतीपोरा में स्थानीय आतंकवादियों और उनसे जुड़े लोगों के घरों और ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

पाक ने एलओसी पर की फायरिंग

पाकिस्तानी सेना ने शुक्रवार की सुबह लाइन आफ कंट्रोल (एलओसी) के कुछ इलाकों में हल्के हथियारों से फायरिंग की। भारतीय सेना ने तुरंत और मजबूती से इसका जवाब दिया। सेना के अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। भारतीय सेना ने कहा कि वह पूरी तरह सतर्क है और पाकिस्तान की किसी भी हरकत का जवाब देने के लिए तैयार है।

कुलनार में दो दिनों में चौथा एनकाउंटर

शुक्रवार को बांदीपुरा में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच जारी मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर अल्ताफ लाली को मार गिराया गया है। विशेष खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बांदीपुरा में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान आतंकवादियों से संपर्क स्थापित किया गया, जिसके बाद गोलीबारी हुई। बता दें कि हमले के बाद या चौथा एनकाउंटर हैं।

सिंधु जल संधि तत्काल प्रभाव से स्थगित

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला लिया था। गुरुवार देर रात भारत की तरफ से पाकिस्तान को चिट्ठी भेजकर इसकी आधिकारिक जानकारी दे दी गई। भारत में जल शक्ति मंत्री सचिव देवश्री मुखर्जी ने पाकिस्तानी जल संसाधन मंत्रालय के सचिव मुर्तजा को पत्र लिखा है।

आतंकी कुछ भी कर लें, हम उन्हें हरा देंगे : राहुल

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से श्रीनगर में उनके आवास पर मुलाकात की। उन्होंने हमले में घायल हुए व्यक्ति से श्रीनगर के एक अस्पताल में मुलाकात की। उन्होंने कहा कि इस हमले के जरिए आतंकी समाज को बांटना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकी कितनी भी कोशिश कर लें, हम उन्हें हरा देंगे।

छिपकर रह रहा था एक फ्लैट में, 11 माह से खोज रही थी पुलिस

पुलिस के हत्थे चढ़ा नीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड संजीव

PHOTON NEWS TEAM : गुरुवार की देर रात में नीट पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया को पटना के दानापुर से आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की टीम ने दबोच लिया। शुक्रवार को गिरफ्तारी की जानकारी सार्वजनिक हुई। संजीव 5 मई 2024 को हुए नीट पेपर लीक के बाद से फरार था। पुलिस का कहना है कि संजीव मुखिया पेपर लीक की मुख्य कड़ी है। इसका मतलब है कि वह इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति है। पुलिस को उम्मीद है कि उससे पूछताछ के बाद कई राज खुलेंगे। एडीजी एडव नैयर हसनैन ने बताया कि गुरुवार को संजीव के पटना आने की सूचना मिली थी। टीम मौके पर गई। वेरिफिकेशन किया तो संजीव ही निकला। इसके बाद टीम ने उसे गिरफ्तार किया। दानापुर के सगुना मोड़ के एक अपार्टमेंट से उसे अरेस्ट किया है। ईओयू की टीम संजीव मुखिया से पूछताछ कर रही है। पुलिस मानती है कि वह पेपर लीक की मुख्य कड़ी है। उससे पूछताछ के बाद कई अहम खुलासे हो सकते हैं। बिहार पुलिस की ईओयू ने इस मामले की जांच शुरू की थी। जांच में कई सॉल्वर और बिचौलियों को गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि संजीव मुखिया नीट पेपर लीक का मुख्य साजिशकर्ता है। मामला सामने आने के बाद वह फरार हो गया था।

अब हो सकते है कई महत्वपूर्ण खुलासे

- आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने पटना के दानापुर से किया गिरफ्तार
- कई प्रतियोगिता परीक्षाओं में पेपर लीक कराने का आरोपी है मुखिया

तीन लाख रुपये का था इनाम, पुलिस मानती है मुख्य कड़ी

11 मई 2024 को झारखंड से 6 लोगों की हुई थी गिरफ्तारी

कई पेपर लीक में हाथ

संजीव मुखिया पर तीन लाख का इनाम भी था। नीट के साथ-साथ कई प्रतियोगिता परीक्षाओं के पेपर लीक में वह आरोपी रह चुका है। जांच एजेंसी को शक है कि नीट पेपर लीक में संजीव मुखिया का अहम रोल है। 11 मई 2024 को झारखंड के देवघर से 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। इनमें चिंटू भी शामिल था। चिंटू इस लीक कांड के मुख्य सरगना संजीव मुखिया का रिश्तेदार है।

नालंदा का है संजीव मुखिया

51 साल का संजीव मुखिया बिहार के नालंदा जिले के नगरनौसा गांव का है। उसे लोग लूटन मुखिया के नाम से भी बुलाते हैं। पहली बार उसका नाम साल 2010 में ब्लूटूथ डिवाइस का इस्तेमाल करके छात्रों को नकल कराने में आया था। संजीव मुखिया का नाम साल 2016 में बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा लीक मामले में भी आया था। इसके बाद कई पेपर लीक में उसका नाम जुड़ चुका है। संजीव मुखिया का नाम बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा -3 (बीपीएससी) के पेपर लीक मामले में आ चुका है।

काल बैसाखी का रहेगा प्रभाव, बारिश और वज्रपात होने की भी आशंका

झारखंड में मई के दूसरे हफ्ते में पड़ेगी भीषण गर्मी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के सभी जिलों में मई महीने के दूसरे हफ्ते में इस बार रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ेगी। इसका असर राज्य के आम जनजीवन पर भी पड़ेगा। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, मई माह के दूसरे हफ्ते में प्रचंड गर्मी पड़ने की आशंका है। दो-तीन मई तक काल बैसाखी का प्रभाव रहेगा। इससे बारिश और वज्रपात होने की आशंका है। उन्होंने यह भी बताया कि जब-जब बंगाल की खाड़ी से नमी झारखंड में प्रवेश करेगी, उसके प्रभाव से काल बैसाखी के चलते गर्जन वज्रपात और हल्की बारिश होगी। इससे राज्य के आम लोगों को प्रचंड गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी।

जमशेदपुर और डाल्टेनगंज में 43 डिग्री के पार पहुंचा तापमान, लोग परेशान

राजधानी में थोड़ी राहत

अभी भी पूरा झारखंड प्रचंड गर्मी की चपेट में है। शुक्रवार को जमशेदपुर और डाल्टेनगंज में तापमान 43 डिग्री को पार चुका है। भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। इधर, राजधानी रांची में अभी भी राहत है। यहां का तापमान शुक्रवार को 38.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जबकि एक-दो दिन पूर्व तापमान 39 डिग्री था।

हीट वेव को लेकर अलर्ट

भीषण गर्मी को देखते हुए शुक्रवार को केंद्र सरकार ने राज्यों को हीटवेव को लेकर अलर्ट जारी किया है। इससे बचाव और निपटने के लिए कई निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने सभी राज्यों को अस्पतालों में चिकित्सा प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम करने को कहा है। जारी पत्र में कहा गया है कि अगले कुछ दिनों में देश के अधिकतर हिस्से अत्यधिक गर्मी की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में सभी अस्पतालों में हीट स्ट्रोक चिकित्सा प्रबंधन के इंतजाम पूरा करने और अग्निशमन सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है।

सावरकर पर टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी को लगी फटकार

NEW DELHI : शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने वीर सावरकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि हम स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ किसी को अनाप-शनाप बोलने की इजाजत नहीं दे सकते। उन्होंने हमें आजादी दिलाई और हम उनके साथ क्या व्यवहार कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आप आगे से ऐसा कोई बयान देंगे तो हम स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करेंगे। स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में गैर-जिम्मेदाराना बयान मत दीजिए। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने सावरकर पर टिप्पणी के मामले में राहुल के खिलाफ ट्रायल कोर्ट के समन पर रोक लगा दी।

वक्फ संशोधन कानून पर सरकार ने दाखिल किया हलफनामा

धार्मिक अधिकार में कोई हस्तक्षेप नहीं सभी याचिकाएं खारिज की जाएं : केंद्र

AGENCY NEW DELHI : शुक्रवार को वक्फ संशोधन कानून पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया। केंद्र ने कहा, वक्फ मुसलमानों की कोई धार्मिक संस्था नहीं बल्कि वैधानिक निकाय है। केंद्र ने वक्फ की वैधता के खिलाफ दायर सभी याचिकाएं खारिज करने की मांग की। इस संशोधन कानून से किसी भी व्यक्ति के वक्फ बनाने के धार्मिक अधिकार में कोई हस्तक्षेप नहीं होता। केंद्र ने कहा, अदालतें वैधानिक प्रावधान पर रोक नहीं लगा सकती, संवैधानिक वैधता की समीक्षा कर सकती हैं। संसद में बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू होती है। विधायिका द्वारा लागू की गई विधायी व्यवस्था को बदलना स्वीकार नहीं है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 17 अप्रैल को 7 दिन के अंदर केंद्र से वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने को कहा था।

- 5 मई को होगी इस मामले की अगली सुनवाई
- केंद्र सरकार ने कहा- अदालतें वैधानिक प्रावधान पर रोक नहीं लगा सकतीं
- संसद में बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा होती है लागू

उपलब्धि केंद्र के जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने की स्वदेशी जांच तकनीक की घोषणा

अब सर्वाइकल कैंसर को पहचानेगी कोरोना जांच करने वाली मशीन

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर और स्वदेशी विकास विजन को सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने का अभियान तेजी से नए-नए मुकाम हासिल कर रहा है। याद कीजिए, जब कुछ साल पहले ही कोराना वायरस के संक्रमण ने पूरी दुनिया को तबाही के हद तक प्रभावित किया था। करोड़ों लोगों की जान चली गई थी। वैज्ञानिकों ने इस संक्रमण की जांच के लिए विशेष मशीन तैयार की थी। कोरोना वायरस के इंफेक्शन का केस अब यदाकदा ही सुनने को मिलता है, लेकिन इसकी जांच के लिए बनी मशीन का अब दूसरी बीमारी को पहचानने में प्रयोग का रास्ता खुल गया है। यह उपलब्धि भारतीय वैज्ञानिकों के लगातार प्रयास से संभव हो सकी है। वैज्ञानिकों के अनुसार, कोरोना संक्रमण की जांच करने वाली मशीन के जरिए अब देश में सर्वाइकल यानी गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच होगी। चंद दिन पहले ही केंद्र सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने इस स्वदेशी जांच तकनीक की घोषणा की। इसे ट्यूनेट एचपीवी- एचआर प्लस नाम दिया गया है। कोरोना के अलावा इस मशीन का उपयोग टीबी रोगियों की पहचान करने में भी किया जाता है।

सभी जिला अस्पतालों में इस मशीन के जरिए महज एक घंटे में मिल जाएगी जांच रिपोर्ट

समय पर जांच के माध्यम से सर्वाइकल कैंसर के मामलों पर किया जा सकता है नियंत्रण

- इस स्वदेशी जांच तकनीक को ट्यूनेट एचपीवी- एचआर प्लस दिया गया है नाम
- टीबी रोगियों की पहचान करने में भी इस मशीन का किया जाता है इस्तेमाल
- भारत में हर साल सर्वाइकल कैंसर के आते हैं एक लाख 23 हजार से अधिक मामले

भारतीय वैज्ञानिकों के लगातार प्रयास के बाद मिली बड़ी सफलता

चिप आधारित है जांच की प्रक्रिया

भारतीय वैज्ञानिकों ने बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंट काउंसिल (बीआईआरएसी) के ग्रैंड चैलेंज इंडिया के तहत इस तकनीक को विकसित किया है। यह चिप आधारित आरटी-पीसीआर जांच है। यह मानव पेपिलोमावायरस (एचपीवी) वायरस के आठ उच्च-जोखिम वाले जीनोटाइप की पहचान कर सकती है।

सालाना 77 हजार महिलाओं की मौत

स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में सर्वाइकल कैंसर का बोझ बहुत ज्यादा है। यह वैश्विक मामलों का लगभग 25 प्रतिशत है। हर साल एक लाख 23 हजार से ज्यादा नए मामलों और लगभग 77 हजार मौतों के साथ यह बीमारी भारतीय महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर बना हुआ है। डॉक्टरों का मानना है कि समय पर जांच के जरिए इस बीमारी को रोका जा सकता है।

नक्सलियों ने चल रहे अभियान को रोकने के लिए जारी किया पर्चा

BIJAPUR : नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर-तेलंगाना सीमा पर चल रहे बड़े नक्सली विरोधी अभियान को तत्काल रोकने की मांग की है। नक्सल संगठन की उत्तर-पश्चिम बस्तर डिविजन के प्रभारी रूपेश ने प्रेस नोट जारी कर यह अपील की है। नक्सलियों के जारी इस पर्चे में कहा गया है कि सरकार के इस ऑपरेशन से आदिवासी क्षेत्रों में भय और अशांति का माहौल है। नक्सलियों ने अपने बयान में सरकार से शांति वार्ता के लिए आगे आने की बात भी कही है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार गंभीरता दिखाए और बातचीत की पहल करे, तो वे भी समाधान की दिशा में कदम बढ़ाने को तैयार हैं। नक्सलियों के जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि हम सरकार से अनुरोध कर रहे हैं कि वार्ता के जरिए समस्या के समाधान का रास्ता अपनायें, अनुकूल माहौल बनाएं ताकि सकारात्मक नतीजा निकले।

दुखद : 84 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

नहीं रहे इसरो के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन, बेंगलुरू में निधन

AGENCY NEW DELHI : शुक्रवार को अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष और प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन का निधन हो गया है। उन्होंने 84 वर्ष की आयु में बेंगलुरू में अंतिम सांस ली। वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। डॉ. कस्तूरीरंगन का योगदान भारत की अंतरिक्ष वैज्ञानिक उपलब्धियों में बेहद अहम रहा है। वे 1994 से 2003 तक इसरो के अध्यक्ष रहे। इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण उपग्रह प्रक्षेपण कार्यक्रमों का नेतृत्व किया। डॉ. कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन योजना आयोग के सदस्य भी रहे।

- भारत की अंतरिक्ष वैज्ञानिक उपलब्धियों में रहा बेहद अहम योगदान
- 1994 से 2003 तक थे इसरो के अध्यक्ष, कई उपग्रह प्रक्षेपण कार्यक्रमों का किया नेतृत्व
- पीएम मोदी सहित कई नेताओं ने जताया शोक

BRIEF NEWS

टिमकेन वर्कर्स यूनियन का चुनाव आज

JAMSHEDPUR : टिमकेन वर्कर्स यूनियन के चुनाव में शनिवार को मतदान होगा। यूनियन के 15 कमेटी मेंबरों में से 11 कमेटी मेंबर निर्विरोध हो चुके हैं। वहीं यूनियन के पदाधिकारियों में से अध्यक्ष आस्तिक महतो निर्विरोध हो चुके हैं। ऐसे में शनिवार को रेल सेल विभाग और क्वालिटी विभाग के 2-2 कमेटी मेंबर के लिए और 13 ऑफिस बियरर के पदों में से 12 पदों पर चुनाव होगा। ऑफिस बियरर के पदों पर भी प्रत्याशियों के बीच मुकाबला दिख रहा है। सबसे रोचक मुकाबला जनरल सेक्रेटरी पद के लिए वर्तमान महामंत्री विजय यादव और आरके प्रसाद के बीच होगा। सुबह 8.30 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक मतदान होगा। इसके बाद शाम 4.30 बजे से मतगणना होगी। 28 अप्रैल को विजेताओं की आधिकारिक घोषणा होगी। मालूम हो कि निर्विरोध होने वाले 11 कमेटी मेंबर में संजीव कुमार, इंद्रदेव मंडल, कन्हैया यादव, दिनेश कुमार महतो, दीपक कुमार शर्मा, गुरुचरण मांझी, राणा लहरी, श्रीनिवास प्रसाद यादव, सुरेश रविदास, दिनेश प्रसाद व के.राजू राव शामिल हैं।

लोकतंत्र की नींव हैं बाबा साहब के विचार : रघुवर

JAMSHEDPUR : भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पखवाड़ा के उपलक्ष्य में शुक्रवार को भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, जमशेदपुर महानगर द्वारा शीतला भवन, भालूबासा में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल संविधान निमार्ता ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों की लड़ाई के सशक्त प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार ने बाबा साहब को भारत रत्न दिया। उनकी दीक्षा भूमि पर संग्रहालय का निर्माण कराया तथा उनकी जयंती पर राजकीय अवकाश की घोषणा की। ऐसे अनेकों कार्य बाबा साहब के प्रति भाजपा की श्रद्धा और प्रतिबद्धता के प्रतीक हैं। दास ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने वंचित, शोषित और उपेक्षित वर्गों को न्याय दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनके विचार आज भी सामाजिक समरसता एवं सशक्त लोकतंत्र की नींव हैं।

त्रिदेव मंदिर का वर्षगांठ समारोह कल से

KHUNTI : मुरहू प्रखंड के राजा कुंजला गांव स्थित त्रिदेव मंदिर का दो दिवसीय वर्षगांठ समारोह 27 और 28 अप्रैल को मनाया जाएगा। इस संबंध में राजा कंजला के ग्राम अध्यक्ष काशीनाथ महतो ने बताया कि 27 अप्रैल को सुबह 7.30 बजें त्रिदेव मंदिर प्रांगण से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसे में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि उसी दिन अपराह्न एक बजे से मंदिर परिसर में 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन शुरू होगा, जिसका समापन 28 अप्रैल को दोपहर 1.30 बजे हवन और पूणार्हुति के साथ होगा। काशीनाथ महतो ने कुंजला ग्रामसभा की और से अपील की है कि कुजला सहित आसपास कें नागरिक अधिक से अधिक संख्या में धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनायें। उन्होंने बताया कि 28 अप्रैल की रात आठ बजे से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यकम का आयोजन किया जाएगा। राजा कंजला के ग्रामीण वर्षगांठ समारोह को सफल बनाने में लगे हुए है।

पलामू : जमीन विवाद में पीढ़ा से पीट पीट कर महिला की कर दी गई हत्या

छतरपुर थाना क्षेत्र के कउअल गांव की घटना, हत्या में शामिल तीनों आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत देवताही गांव में दिनादाग टोला की महिला की पीढ़ा से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। घटना गुरुवार शाम चार बजे की है। मदन यादव की पत्नी शांति देवी 45 वर्ष अपनी बेटी के साथ लकड़ी का खूंटा गाड़ने के बाद उसमें बकरी को बांध रही थी। इसी दौरान शांति देवी के गोतिया लखन यादव की पत्नी कुलमनिया देवी 42 वर्ष, उसकी बेटी रंजू कुमारी 22 वर्ष व अंजू कुमारी 19 वर्ष से विवाद हुआ। इसमें उपरोक्त तीनों ने पीढ़ा से पीट- पीटकर शांति देवी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद परिजन शांति देवी को इलाज के लिए छतरपुर स्थित

प्रतीकात्मक तस्वीर

अनुमंडल अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके आलोक में मृतक के पुत्र मुन्ना कुमार के आवेदन पर तीनों आरोपी के खिलाफ छतरपुर थाना में गुरुवार को ही मामला दर्ज किया गया। इसके आलोक में पुलिस ने दिनादाग टोला में छापेमारी कर कुलमनिया देवी, रंजू कुमारी व अंजू कुमारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने बताया कि पूछताछ में तीनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। तीनों ने पुलिस को बताया कि उन लोगों का शांति देवी के साथ जमीन का विवाद सालों से चल रहा है। गुरुवार को शांति देवी ने बकरी को बांधने के लिए उनलोगों की जमीन पर खूंटा गाड़ दिया था। ऐसा करने से उसे रोका गया, लेकिन वह नहीं मानी और झगड़ा करने लगी। इससे आवेश में आकर तीनों ने मिलकर उसकी पीढ़ा से जमकर पिटाई कर दी, जिससे बाद में उसकी मौत हो गई। छापेमारी अभियान में अनुसंधानकर्ता सह एसआई घनश्याम मिश्रा व सुशील उरांव के अलावा महिला आरक्षी गुंजा कुमारी व पूनम कुंवर भी शामिल थीं।

डिवाइडर से टकराई बाइक, दो की मौत

PALAMU : रांची से सतबरवा आने के क्रम में शुक्रवार को अनियंत्रित होकर एक बाइक डिवाइडर से टकराने के बाद पेड़ से टकरा गई, जिससे उस पर सवार सतबरवा और मनातू के एक-एक युवक की मौत हो गई। दोनों युवक सगाई में शामिल होने के लिए आ रहे थे। घटना चान्हो थाना से 500 मीटर पूरब की ओर तीखे चटवल मोड़ पर हुई। युवकों की पहचान सतबरवा के मुक्ता गांव के विकास विश्वकर्मा (17) और उसके साथी मनातू के रहेया के उपेंद्र कुमार (22) के रूप में हुई है। विकास के बड़े भाई संदीप उर्फ संधू का शुक्रवार को लेस्लीगंज के महरजा में सगाई होनी थी। संदीप उर्फ संधू ने बताया कि उसके छेका में शामिल होने के लिए उसका छोटा भाई विकास विश्वकर्मा अपने साथी उपेंद्र कुमार के साथ बाइक से रांची से मुक्ता घर आ रहा था। चान्हो थाना से 500 मीटर पूरब की ओर तीखे चटवल मोड़ पर बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा कर पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों कई मीटर दूर सड़क पर गिरकर बेहोश हो गए। चान्हो थाना पुलिस ने तत्काल दोनों इलाज के लिए भर्ती कराया। जांच के बाद चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बाइक को कब्जे में ले लिया। रांची रिम्स में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस पदाधिकारी संजय सिंह ने घटना की पुष्टि है।

शोक संतप्त परिजन

बरामद दो शवों की हुई पहचान

HAZARIBAG : विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के जमनीजारा स्थित कोनार डैम के जंगल से शुक्रवार की अहले सुबह एक महिला और एक पुरुष का शव विष्णुगढ़ पुलिस ने बरामद की थी। शव की पहचान बोकारो निवासी विजय कुमार महतो और तिलैया देवी के रूप में की गई है। सूत्रों के मुताबिक मामला प्रेम-प्रसंग का बताया जा रहा है। तिलैया देवी विष्णुगढ़ के कुसुंभा की रहने वाली थी, जिसकी शादी जरीडीह में हुई थी और वह दो बच्चों की मां भी थी। मृतक विजय कुमार महतो रिश्ते में मृतिका का देवर लगता था। इस बाबत विष्णुगढ़ थाना प्रभारी सपन कुमार महथा ने जानकारी देते हुए बताया गया कि महिला की मां की ओर से थाने में आवेदन दिया गया है। उक्त आवेदन के आधार पर विष्णुगढ़ थाने में मामला दर्ज किया गया है। इसमें विभिन्न धराओं के तहत मुकेश कुमार महतो सहित अन्य के विरुद्ध दर्ज किया गया।

बोकारो रेलवे स्टेशन के पास भीषण अगलगी, 17 दुकानें जलकर राख

PHOTON NEWS BOKARO : रेलवे स्टेशन के समीप झोपड़ीनुमा दुकानों में गुरुवार की देर रात करीब 1 बजे भीषण आग लग गई, जिसमें 17 दुकानें जलकर पूरी तरह राख हो गईं। घटना में हालांकि किसी प्रकार की जानमाल की क्षति नहीं हुई, लेकिन दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने की शुरूआत एक गुमटी से हुई, जिसमें संभवतः शॉर्ट सर्किट कारण बताया जा रहा है। देखते ही देखते आग ने आसपास की सभी दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को कॉल किया, लेकिन लगभग एक घंटे के विलंब से दमकल की गाड़ी मौके

जली हुई दुकानों से उठता धुआं, मलबा देखते लोग ● फोटोन न्यूज

पर पहुंची। तब तक दुकानों को बचाना संभव नहीं हो सका। जली हुई दुकानों में अमित होटल, मनोज जनरल स्टोर, राशन दुकानें व अन्य दैनिक जरूरत की दुकानें शामिल थीं। अमित होटल के मालिक अमित कुमार ने बताया कि रोज की तरह उन्होंने रात 11.30 बजे दुकान बंद की थी और कर्मचारी दुकान पर ही सो रहे थे। अचानक आग लगने की खबर मिली और बुझाने का प्रयास किया गया, पर आग की लपटें तेज थीं। मनोज कुमार, जिनकी राशन दुकान जल गई, ने बताया कि यह उनकी आजीविका का एकमात्र साधन था।

वहीं दुकानदार भीम प्रसाद का कहना है कि उनके पूरे परिवार की आजीविका इसी दुकान पर निर्भर थी, अब सब कुछ खाक हो गया है। स्थानीय मंटू दीक्षित ने बताया कि लगभग दो बजे अपने बेटी को लेने के लिए स्टेशन आए थे, तो देखा कि आग लगी हुई। सभी दुकानें एक दूसरे से सटी होने के कारण एक दुकान से दूसरी दुकान में आग फैलती गई। फिलहाल प्रशासन द्वारा आग लगने के सटीक कारण की जांच की जा रही है। प्रभावित दुकानदारों ने मुआवजे की मांग की है।

चलती कार में लग गई आग, बाल-बाल बचे लोग

AGENCY PALAMU : पलामू जिले के तरहसी से शादी समारोह में शामिल होने आ रही एक जाइलो कार में शुक्रवार दोपहर रेडमा चौक के पास अचानक आग लग गई। कार में महिलाएं और बच्चों सहित 10 लोग सवार थे। आग लगता देख आस के लोगों के बताने पर चालक ने गाड़ी रोक दी। यातायात प्रभारी शमाल अहमद ने सतर्कता दिखायी और सभी कार सवारों को बाहर निकाल कर आस पास की दुकानों से पानी लाकर आग बुझाई। जैसे ही जाइलो कार रेडमा चौक पहुंची, वहां मौजूद लोगों ने देखा कि कार के पिछले हिस्से से धुआं निकल रहा है। देखते ही देखते कार में आग की लपटें उठने लगीं थी। मौके पर मौजूद ट्रैफिक प्रभारी तुरंत गाड़ी को सड़क किनारे रुकवाया। पहले सभी

घटनास्थल पर खड़ी कार

महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और पास के दुकानदारों की मदद से पानी डालकर आग पर काबू पाया। कार सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। बाद में बच्चों और महिलाओं को ऑटो की व्यवस्था कर उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया, जबकि कार को नजदीकी गैराज भिजवाया गया। उल्लेखनीय है कि पलामू जिले का अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री के आस पास चला गया है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की भतीजी से जन्म प्रमाणपत्र बनाने में मांगी रिश्वत, एसडीएम ने लिया संज्ञान

अधिवक्ता पर लगा आरोप, अनुमंडल अधिकारी ने बार एसोसिएशन को लिखा पत्र

AGENCY GIRIDIH : प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की भतीजी ज्योति मरांडी से जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के नाम पर रिश्वत मांगे जाने का मामला शुक्रवार को प्रकाश में आया है। मामले को खोरी महुआ अनुमंडल पदाधिकारी एनिमेष रंजन ने काफी गंभीरता से लिया है। जिस अधिवक्ता पर पैसा मांगने का आरोप है। उसके खिलाफ खोरी महुआ के एसडीएम ने कार्रवाई के लिए बार एसोसिएशन को पत्र लिखा है। इस बाबत एसडीएम ने कहा कि सूचना मिली कि तिसरी निवासी राधे श्याम मरांडी नामक व्यक्ति से जन्म प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर पांच हजार की मांग की गई। यह मांग अनुमंडल न्यायालय में अभ्यास करने वाले अधिवक्ता

प्रतीकात्मक तस्वीर

उदित कुमार अम्बष्ट की ओर से की गई है । जो गंभीर मामला है। ऐसे में अधिवक्ता उदित कुमार अम्बष्ट के खिलाफ झारखंड राज्य बार काउंसिल को पत्राचार कर अधिवक्ता पर गैर-विधिक कार्यों में संलिप्त होने और आम नागरिकों से अनुचित और मनमाने तरीके से धन की मांग किये जाने संबंधी अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए सूचित किया गया है।

बताया गया कि बाबूलाल मरांडी के भाई राधेश्याम मरांडी की बेटी ज्योति मरांडी को जन्म प्रमाण पत्र बनवाना था। लेकिन उन्होंने जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन नहीं किया। ऐसे में वह अनुमंडल कार्यालय पहुंची जहां शपथ पत्र बनवाने के लिए परिसर में बैठे अधिवक्ता उदित कुमार अम्बष्ट से बात की। राधेश्याम मरांडी और उनकी बेटी ज्योति मरांडी ने बताया कि जब अधिवक्ता से कहा कि जन्म प्रमाण पत्र ऑनलाइन करवाना है तो उन्होंने पांच हजार की मांग की। और कहा की केवल पांच हजार रुपये और कागजात दें । सारा काम हो जायेगा । किन्तु पीड़ित ज्योति मरांडी ने जब अधिवक्ता से कहा कि वह सिर्फ शपथपत्र बनाकर दें बाकी का काम वह खुद ही कर लेगी । इस पर अधिवक्ता ने सरकारी व्यवस्था बताते हुए -कहां दौड़ियेगा, पैसा दे दीजिये बाकी काम होने के बाद कुछ और लगेगा।

बाबूलाल मरांडी की भतीजी ने कहा कि इस तरह से प्रदेश में भ्रष्टाचार हावी है।

शादी का झांसा देकर युवती का यौन शोषण आरोपी गिरफ्तार

SERAIKELA : जिले के चांडिल थाना के कपाली ओपी क्षेत्र में एक युवती को शादी का झांसा देकर वर्षों तक यौन शोषण करने वाले आरोपित को पुलिस ने शुकवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपित की पहचान जमशेदपुर के मानगो चेपा पुल के पास रहने वाले 29 वर्षीय मोहम्मद जहांगीर उर्फ जुगनू के रूप में हुई है। युवती ने 23 अप्रैल को दर्ज कराई गई शिकायत में बताया गया कि मोहम्मद जहांगीर उर्फ जुगनू ने कई वर्षों तक उसे शादी का झांसा देकर संबंध बनाए। जब युवती ने उससे विवाह की बात की तो आरोपित ने साफ तौर पर इनकार कर दिया और अब वह किसी अन्य लड़की से शादी करने की योजना बना रहा है। कपाली ओपी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित मोहम्मद जहांगीर उर्फ जुगनू को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

ड्रॉपआउट बच्चों के लिए 10 मई तक चलेगा विशेष अभियान

AGENCY PALAMU : उपायुक्त शशि रंजन ने शुक्रवार को 'स्कूल रुआर 2025' अभियान का शुभारंभ किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति भवन में आयोजित एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला में उपायुक्त ने अभियान की शुरूआत की। यह अभियान ड्रॉपआउट बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए चलाया जा रहा है। जो आगामी 10 मई तक चलेगा। उपायुक्त ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा, ह्यबचपन में शिक्षा की अनदेखी केवल एक बच्चे का नुकसान नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की क्षति है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए। कार्यशाला में जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग, बाल संरक्षण इकाइयां, गैर-सरकारी

कार्यक्रम का उद्घाटन करते उपायुक्त शशि रंजन ● फोटोन न्यूज

संगठन, जनप्रतिनिधि, आंगनबाड़ी सेविकाएं और मीडिया प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस अभियान के तहत 10 स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में उच्च गुणवत्ता वाले प्री-रिकॉर्डेड लेक्चर की शुरूआत की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि आने वाले दो-तीन वर्षों में जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्र आदर्श केंद्रों के रूप में परिवर्तित किए जाएंगे। बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रेरित करने के लिए 'सीटी बजाओ, स्कूल चलो' अभियान निरंतर चलाया जाएगा। उपायुक्त ने ड्रॉपआउट दर के कारणों को जानने के लिए जनप्रतिनिधियों, मीडिया प्रतिनिधियों, शिक्षकों, आंगनबाड़ी सेविकाओं और अन्य पदाधिकारियों से संवाद किया। उपस्थित लोगों ने शिक्षा के प्रति जागरूकता की कमी, प्रवासी मजदूरी, घरेलू कार्यों में बच्चों का लगना और प्रेरणा की कमी को प्रमुख कारण के रूप में बताया।

30 तक ई-केवाईसी नहीं कराने वाले को नहीं मिलेगा राशन

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त अनन्य मित्तल ने शुक्रवार को जिले में खाद्यान्न वितरण की अद्यतन स्थिति एवं खाद्य आपूर्ति विभाग से संबंधित सरकार की अन्य कल्याणकारी योजनाओं में प्रगति की वर्चुअल समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि 30 अप्रैल तक ई-केवाईसी नहीं कराने वाले लाभुकों को आगे राशन नहीं मिल पाएगा। इसके साथ ही सोना सोबरन धोती- साड़ी लुंगी योजना के लाभुकों को भी 30 अप्रैल तक लाभ लेने की बात कही गई, अन्यथा उक्त तिथि के पश्चात उन्हें धोती- साड़ी लुंगी नहीं मिल पाएगा। खाद्यान्न वितरण में पोटका, पटमदा, बोड़ाम एवं शहरी क्षेत्र में अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने निर्देश दिया कि अयोग्य लाभुकों तथा पिछले एक वर्ष या छह महीने से राशन

ऑनलाइन बैठक करते डीसी

का उठाव नहीं करने वालों का नाम हटाते हुए शत प्रतिशत योग्य लाभुकों के बीच राशन वितरण करें। छह माह से राशन नहीं उठाने वाले 2147 लाभुकों का नाम हटाया गया है, इसे और गति प्रदान करें। बैठक में विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी राहुलजी आनंदजी ने जानकारी दी कि पिछले एक माह में 1627 नया राशन कार्ड निर्गत किया गया वहीं 1800 लाभुकों के नाम जोड़े गए। जनवरी से अब तक अभियान चलाते हुए कुल 7687 कार्ड डिलिट किए गए, जिसमें 19174 लाभुकों का नाम हटाया गया है।

एनईपी कमेटी की बैठक में लिया गया निर्णय, स्नातक सेमेस्टर-4 में होगी यह व्यवस्था

भारतीय लेखकों की कृतियां पढ़ेंगे स्नातक के छात्र

PHOTON NEWS DHANBAD : बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के अधीन धनबाद और बोकारो के कालेजों में स्नातक शैक्षणिक सत्र 2025-29 के दौरान नामांकन लेने वाले विद्यार्थियों को भारतीय लेखकों द्वारा लिखित पाठ्य पुस्तकों को पढ़ने का मौका मिलेगा। यह निर्णय शुक्रवार को नई शिक्षा नीति-2020 को लेकर विश्वविद्यालय स्तर पर गठित कमेटी की बैठक में लिया गया। बैठक में यह माना गया कि विभिन्न विषयों में भारतीय ज्ञान का अपना महत्व है। ऐसे में जरूरी है कि भारतीय ज्ञान के माध्यम से छात्र-छात्राएं पढ़ाई करें। बैठक में लिए गए निर्णय के संबंध में बीबीएमकेयू के एनईपी समन्वयक डॉ. हिमांशु शेखर चौधरी ने बताया कि एनईपी नियमों के तहत क्रेडिट फ्रेमवर्क में

बदलाव किया जा रहा है। इसी को लेकर पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया निर्धारित की जा रही है। बैठक में डीन छात्र कल्याण डॉ. पुष्पा कुमारी के नेतृत्व में विज्ञान संकाय के प्राध्यापकों एवं विभागाध्यक्षों की एक बैठक आयोजित की गई। इसमें एनईपी के नए प्रावधानों के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करने पर चर्चा हुई और निर्णय लिया गया। इसके तहत मेजर पेपर, एसोसिएटेड कोर कोर्स, इलेक्टिव पेपर और एडवांस पपेर पर विचार-विमर्श किया गया। विशेष रूप से यह निर्णय लिया गया कि स्नातक सेमेस्टर चार में पूरा पेपर भारतीय ज्ञान पर आधारित होगा। यह 100 अंक का मेजर पेपर रहेगा, ताकि विभिन्न विषयों में भारतीय ज्ञान को पढ़ाया जा सके। डॉ. चौधरी ने बताया कि स्नातक सेमेस्टर-4 के मेजर पेपर में हर विषय में भारतीय लेखकों की रचनाओं को पाठ्य पुस्तकों में शामिल किया जाएगा। यह नया पाठ्यक्रम इस साल स्नातक में नामांकन लेने वाले छात्र-छात्राओं पर लागू हो रहा है। जो पुराना शैक्षणिक सत्र चल रहा है, उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

गैलेरिया मॉल के फायरिंग मामले में बिल्डर से हुई पूछताछ

DHANBAD : सरायढेला के ओजोन गैलेरिया मॉल में चली गोली के मामले में पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है। इस कड़ी में शुक्रवार को बिल्डर चंदन सिंह को सरायढेला थाना बुलाया गया था, जहां थाना प्रभारी नूतन मोदी और पुलिस की तकनीकी टीम के सदस्यों ने पूछताछ की। पूछताछ के दौरान चंदन सिंह के पिस्टल के लाइसेंस से संबंधित कागजातों की भी जांच शुरू की गई है। इसके साथ ही तकनीकी टीम ने पिस्टल जब्ती की कागजी कार्रवाई भी पूरी की। इस संबंध में थाना प्रभारी नूतन मोदी ने बताया कि पिलहाल पूछताछ की जा रही है। पूछताछ पूरी होने पर ही पूरे मामले से अवगत कराया जा सकता है। सरायढेला थाना में पूछताछ से पहले चंदन सिंह को पहले डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम ने अपने कार्यालय में बुलाकर घटना की जानकारी

बिल्डर चंदन सिंह

यह हुई थी घटना

गुरुवार की शाम करीब सात बजे ओजोन गैलेरिया के चौथे तल पर स्थित बाथरूम में गोली चलने से गोविंदपुर के लाल बाजार निवासी सुनील कुमार वर्णवाल नामक एक व्यक्ति घायल हो गया था। गोली मनोरम नगर धनबाद के रहने वाले बिल्डर चंदन सिंह के पिस्टल से चली थी। मॉल के बाथरूम और कॉरिडोर से दो कारतूस भी बरामद हुआ था। घटना के बाद चंदन सिंह ने ही सुनील वर्णवाल को असर्फी अस्पताल में भर्ती कराया था। घटना के बाद से मॉल में अफरातफरी का माहौल बन गया था।

ली, फिर धनबाद थाना में उन्हें बुलाया गया।

BRIEF NEWS

मेन रोड समेत कई इलाकों में आज तीन घंटे नहीं रहेगी बिजली

RANCHI : राजधानी रांची के मेन रोड, कोकर, चुटिया, कोकर ग्रामीण, कोकर शहरी, नामकुम विकास, खेलगांव और रिम्स के इलाकों में शनिवार को तीन घंटे तक बिजली नहीं रहेगी। यह जानकारी जेवीबीएनएल के वरीय प्रबंधक सुनील कुमार ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि शनिवार को सुबह आठ बजे से सुबह 11 बजे तक बिजली नहीं रहेगी। उन्होंने बताया कि जेवीबीएनएल की ओर से शनिवार को 132/33 केवी ग्रिड सब स्टेबशन, नामकुम के 132 केवी मेन बस की मरम्मति का कार्य किया जाएगा। इसलिए इन इलाकों में तीन घंटों तक बिजली सेवा बाधित रहेगी। उल्लेखनीय है कि बिजली विभाग समय-समय पर पावर ग्रिड और पावर सब स्टेशनों में जर्जर केबल और अन्य मशीनों की मरम्मति का काम करता है। इससे विभाग की ओर से संबंधित इलाकों में बिजली सेवा को रोकना पडता है।

सांसद ने हुटुप गौशाला के लिए दी गौहाल व बोरिंग की स्वीकृति

RANCHI : एकादशी के शुभ अवसर पर शुक्रवार को हुटुप गौशाला धाम में राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा पहुंचे। इस अवसर पर प्रदीप वर्मा ने अपने सांसद निधि से गौशाला में एक गौहाल और एक बोरिंग कराने की स्वीकृति दी। इस अवसर पर गौशाला न्यास समिति की ओर से प्रदीप वर्मा के प्रति आभार प्रकट किया गया। उल्लेखनीय है कि हुटुप गौशाला धाम में लाचार और बिना दूध देने वाली गायों को रखा जाता है। ताकि कमजोर और असहाय गौवंश को संरक्षण मिल सके। यह गौशाला ओरमांझी प्रखंड के हुटूप गांव में स्थित है और अपने आप में अद्भुत है। यह गौशाला रांची गौशाला न्यास समिति की तीन इकाइयों में से एक है, जिसमें पहला हरमू रोड गौशाला, दूसरा सुकुरहुटू गौशाला तथा तीसरा ओरमांझी स्थित हुटुप गौशाला हैं। वहीं हुटूप गौशाला पहुंचने पर प्रदीप वर्मा का स्वागत गौशाला के मुकेश काबरा और वासुदेव भाला ने किया।

मंत्री सुदिव्य का बयान अहंकार को दर्शाता है: बाबूलाल

RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को आड़े हाथ लिया है। मरांडी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि झारखंड के मंत्री सुदिव्य का व्यंग्य उनके भीतर कूट कूटकर भरे अहंकार को दशार्ता है। जब पूरा देश और दुनिया पहलगाम हमले को लेकर सदमे में है, ऐसे समय में किसी मंत्री का फूहड़ व्यवहार शर्मनाक है और उनके इस आचरण की जितनी भी निंदा की जाए, कम है। बाबूलाल ने दूसरे पोस्ट में लिखा है कि मनुष्य का असली चरित्र तब सामने आता है, जब वो नशे में होता है। फिर नशा चाहे धन का हो, पद का हो, रूप का हो या शराब का। मेरे इस पोस्ट का पहलगाम घटना के संदर्भ में झारखंड के मंत्री सुदिव्य के बचकाना बयान वाले हरकत से कोई संबंध नहीं है।

इलाज के लिए आने वाले मरीजों को परेशानी से बचाने की हो रही तैयारी

मिलेंगी बेहतर सुविधाएं, रिम्स की व्यवस्था संभालेंगे हॉस्पिटल मैनेजर

- इमरजेंसी में आने से लेकर वार्डों की व्यवस्था पर रखेंगे नजर
- साफ-सफाई के अलावा जरूरतों का भी रखेंगे हिसाब
- इनडोर में एडमिट होते हैं 1500 से अधिक मरीज

PHOTON NEWS RANCHI : रिम्स में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अब अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी हॉस्पिटल मैनेजरों को देने की तैयारी है। इस निर्णय के तहत अब अस्पताल की व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित और जवाबदेह बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। रिम्स में प्रतिदिन ओपीडी और इमरजेंसी मिलाकर करीब 2500 मरीज आते हैं, वहीं इनडोर वार्ड में प्रतिदिन 1500 से अधिक मरीज भर्ती रहते हैं। इतनी बड़ी संख्या में मरीजों की देखरेख और इलाज की व्यवस्था एक बड़ी चुनौती होती है। से में हॉस्पिटल मैनेजर के आने से जहां मरीजों की परेशानी कम होगी। वहीं परिजनों को भी राहत मिल सकेगी।

जरूरतों का रखेंगे ध्यान

हॉस्पिटल मैनेजर अब न केवल इमरजेंसी विभाग में आने वाले मरीजों की त्वरित व्यवस्था पर नजर रखेंगे, बल्कि वार्डों की साफ-सफाई, बेड की उपलब्धता, दवाओं की आपूर्ति, स्टाफ की उपस्थिति और मरीजों की मूलभूत जरूरतों पर भी ध्यान देंगे। साथ ही मरीजों और उनके परिजनों को हो रही समस्याओं को सुलझाने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। पिछले दिनों रिम्स की जीबी मीटिंग में इस प्रस्ताव को भी सहमति दी गई है। ऐसा माना जा रहा है कि यह कदम अस्पताल की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने में कारगर साबित होगा। हॉस्पिटल मैनेजरों की नियुक्ति से अस्पताल के संचालन में पारदर्शिता आएगी। मरीजों को समय पर इलाज, दवाइयां, साफ-सफाई और वार्ड में बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

ओपीडी व इमरजेंसी मिलाकर हर दिन आते हैं 2500 मरीज

विभागों के बीच कड़ी का रोल

ओपीडी, इमरजेंसी, ऑपरेशन थिएटर और इनडोर वार्डों के बीच समन्वय बनाना, डॉक्टरों और नर्सों के साथ तालमेल रखने के अलावा जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना हॉस्पिटल मैनेजर की जिम्मेदारी होगी। वे अस्पताल में किसी भी प्रकार की शिकायत को जल्द सुलझाने में भी मदद करेंगे। सभी विभागों के बीच वे कड़ी की तरह काम करेंगे। बता दें कि जीबी मीटिंग में स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा था कि मरीजों को रिम्स में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। ऐसे में मरीजों को बड़ी राहत मिलने वाली है।

निगरानी से सुधरेगा सिस्टम

हॉस्पिटल में मरीजों को बेड, खाना व दवाएं उपलब्ध कराई जाती है। हॉस्पिटल मैनेजर इन सबकी निगरानी करेंगे। वहीं समय-समय पर सीनियर अधिकारियों को अपडेट भी करेंगे। जिससे कि हॉस्पिटल की व्यवस्था सुधारने में मदद मिलेगी। नियमित रूप से निरीक्षण और व्यवस्थाओं की निगरानी से काम करने वाले कर्मियों में भी थोड़ा भय बना रहेगा। ऐसे में वे अपना काम बेहतर ढंग से करेंगे। मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देने की दिशा में यह कदम एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। उम्मीद जती जा रही है कि इससे अस्पताल में अव्यवस्था, शिकायतें और इंतजार की लंबी कतारें कम होंगी।

सरकारी अस्पतालों में कर्मियों की नहीं होगी कमी : अपर मुख्य सचिव

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त और सुचारु बनाया जाएगा। इस दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी सिविल सर्जनों और अस्पताल उपाधीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक की। जिसमें सदर अस्पतालों सहित राज्य के अन्य स्वास्थ्य केंद्रों की संचालन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव ने सभी जिलों को निर्देश दिया कि वे शीघ्र ही अस्पतालों में आवश्यक चिकित्सा कर्मियों की कमी को पूरा करें। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन हेतु मार्गदर्शिका (संकल्प संख्या 58/21, दिनांक 11.04.2025) के अनुसार कार्य करने का निर्देश दिया। मौके पर विभागीय अधिकारी ललित मोहन शुक्ला, विद्यानंद शर्मा पंकज समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मेडिकल उपकरण व मशीनें हों उपलब्ध

उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी अस्पतालों में आवश्यक मेडिकल उपकरण और मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए यदि अतिरिक्त राशि की आवश्यकता हो, तो संबंधित जिला विभाग को स्वास्थ्य विभाग से अनुरोध करना चाहिए। साथ ही कहा कि सभी सदर अस्पतालों के ऑपरेशन थियेटर (ओटी) को मॉड्यूलर ओटी में बदला जाए, जिससे मरीजों को आधुनिक सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना की प्रगति, बीते छह माह में किए गए नवाचार और आगामी तीन महीनों की योजनाओं की भी समीक्षा की।

विशेषज्ञ डॉक्टरों का तैयार करें पैनल

सभी जिलों को इस माह के अंत तक विशेषज्ञ एवं अति-विशेषज्ञ डॉक्टरों का पैनल तैयार करने का भी निर्देश दिया गया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों एवं उपकेंद्रों की मरम्मत, रंगाई-पुताई के अलावा रखरखाव कार्यों को मुख्यमंत्री रखरखाव योजना के तहत जल्द पूरा करने को कहा और कार्यों की तस्वीरें विभाग को भेजने का निर्देश दिया।

मुस्लिम समाज ने आतंकी हमले में मारे गए लोगों के लिए निकाला कैंडल मार्च

PHOTON NEWS RANCHI : मुस्लिम समाज के लोगों ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के लिए आज दिनांक 25 अप्रैल 2025 को मस्जिद जाफरिया से लेकर अलबर्ट एक्का चौक तक कैंडल मार्च निकाला। जिसका नेतृत्व हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी कर रहे थे। इनके साथ विभिन्न मुस्लिम संगठनो के ओहदेदार शामिल थे। लोगों ने हाथों में तख्ती और मोमबत्ती लेकर मार्च किया। कैंडल मार्च में लोगों ने कहा कि हमारे लिए देश पहले है धर्म बाद में आता है। आतंकवादियों ने जिस तरह से निर्दोष पर्यटकों की हत्या की है वह इंसानियत के खिलाफ है। मौलाना तहजीबुल हसन ने कहा कि भारत हिंदू-

मुस्लिम एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने धर्म के नाम पर यह काम किया वह इंसान नहीं हैवान हैं। एक संवर में लोगों ने कहा कि आतंकवादियों को मौत की सजा दी जाए, उन्हें खोजकर सजा मिलनी चाहिए। भारत का मसलमान पहले हिंदुस्तानी है, फिर मुसलमान है। उन्होंने इस कायराना हरकत की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि, जिस प्रकार से हमले की वीडियो और रोते बिलखते उन बच्चों और महिलाओं की जो वीडियो सामने आई है उसे देखकर उनकी रूह भी कांप गई।

वक्फ एक्ट 2025 किसी भी हाल में मंजूर नहीं : जाकिर अंसारी

RANCHI : वक्फ संशोधन कानून 2025 के खिलाफ मुस्लिम समाज के लोगों ने नेशनल मोमिन कॉन्फ्रेंस रांची जिला अध्यक्ष-सह-वरिष्ठ समाजसेवी जाकिर अंसारी के नेतृत्व में मानव श्रृंखला बनाकर विरोध-प्रदर्शन किया। जाकिर अंसारी ने कहा कि संविधान के दायरे में रहकर हम आखरी दम तक इस काले कानून का विरोध करते हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आह्वान पर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को ओरमांझी क्षेत्र के नेवरी गोल चक्कर से मंदरा मुंडा रिंग रोड तक कई दर्जनों गांवों के सैकड़ों महिला-पुरुषों ने मानव श्रृंखला बनाकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन किया।

सदर अस्पताल से निकली जागरूकता रैली, मलेरिया से बचाव का दिया गया संदेश

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल की ओर से मलेरिया से बचाव और उसकी रोकथाम के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के लिए एक भव्य रैली का आयोजन किया गया। रैली में सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शाहिद करीम, स्वास्थ्यकर्मी के अलावा एएनएम स्कूल की स्टूडेंट्स बड़ी संख्या में शामिल हुईं। रैली का उद्देश्य आम जन को मलेरिया से सुरक्षा एवं उसके बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना था। इस वर्ष विश्व मलेरिया दिवस का थीम मलेरिया का अंत हमारे साथः पुनर्निर्देश, पुनर्कल्पना, पुनर्जीवन रखा गया है, जो जनभागीदारी के माध्यम से इस रोग के उन्मूलन की दिशा में एक सशक्त संदेश देता है।

सुरक्षा के लिए किए जा रहे उपाय

स्वास्थ्य विभाग द्वारा मलेरिया से बचाव हेतु कई प्रभावी उपाय किए जा रहे हैं। जिनमें कीटनाशक युक्त मच्छरदानी का वितरण, चयनित क्षेत्रों में कीटनाशकों का छिड़काव, मास फीवर सर्वे तथा जन जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, सभी सरकारी विद्यालयों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भी मलेरिया जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

लंबे समय के बाद बना बलसोकरा का खराब ट्रांसफार्मर, लोगों में खुशी

RANCHI : विगत कई दिनों से ट्रांसफार्मर खराब होने की वजह से बलसोकरा वासियों को बिजली की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों ने अलग-अलग माध्यमों से ट्रांसफार्मर ठीक कर लगवाने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन, तमाम प्रयासों के बावजूद गांव में बिजली की समस्या दूर नहीं हो रही थी। बलसोकरा ग्राम वासियों द्वारा बिजली समस्या की जानकारी जिला परिषद सदस्य आदिल अजीम को दी। आदिल ने रात में ही संबंधित विभाग के अधिकारियों को फोन कर के तत्काल ट्रांसफार्मर की व्यवस्था करने को कहा और ट्रांसफार्मर लग गया।

झारखंड मुस्लिम युवा मंच ने किया आतंकवाद का पुतला दहन

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को झारखंड मुस्लिम युवा मंच एवं सामाजिक कार्यकताओं ने रांची के रतन टॉकीज चौक पर कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में आतंकवाद का पुतला दहन किया। लोगों ने कहा कि इस हमले में कई निर्दोष लोगों की मौत हुई और दर्जनों घायल हुए। मुस्लिम समाज ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे भारत की एकता और भाईचारे को तोड़ने की साजिश बताया। युवाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की और कहा कि अब बर्दाश्त करने का वक्त नहीं, बल्कि पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक का समय है। युवाओं ने मांग की कि उन्हें इजाजत दी जाए, ताकि मुस्लिम रेजिमेंट बनाकर पाकिस्तान पर चढ़ाई की जा सके। मौके पर समीम अली, इमरान राजा अंसारी, डॉ. दानिश, अफरोज खान, साजिद उमर सहित कई अन्य मौजूद थे।

हम अपने मुल्क की हिफाजत के लिए हमेशा खड़े रहेंगे : शिबली कादरी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची के डोरंडा जैप 1 मे स्थित ऐतिहासिक जामा मस्जिद के बाहर जुमे की नमाज के बाद मस्जिद के इमाम खतीब जनाब सैय्यद शाह अलकमा शिबली कादरी साहब ने पहलगाम आतंकी हमले पर कहा कि दर्शातगर्दो द्वारा पर्यटकों पर कायराना हमले की हम कड़ी मजम्मत करते हैं। इस्लाम में दहशतगर्दों के लिए कोई जगह नहीं है। इस्लाम में अपने और पराए सभी से मुहब्बत की बाते बताई गई है। हम हिंदुस्तान में रहने वाले सभी लोगों से अपील करते हैं कि अमन और शांति बनाए रखें। किसी के बहकावे में न आएं। आपसी सौहार्द और मोहब्बत हमेशा कायम रहे। हम सभी अपने मुल्क की हिफाजत के लिए हमेशा खड़े रहेंगे। मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता बब्बर, नवाब चिश्ती, मो बिलाल, मो. शाहनवाज आदि मौजूद थे।

सिरमटोली फ्लाईओवर रैंप बनाने का काम शुरू, बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के सिरमटोली फ्लाईओवर रैंप का काम शुक्रवार को शुरू कर दिया गया है। बड़ी संख्या में एलएंडटी के वर्कर रैंप निर्माण कार्य में जुटे हुए हैं। रैंप निर्माण कार्य का विगत दिनों विरोध देखते हुए स्थानीय प्रशासन की सहायता ली जा रही है। सिरमटोली चौक पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गयी है। सिटी एसपी, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर व कई डीएसपी थानेदार मौजूद हैं। उल्लेखनीय है कि गुरुवार देर रात जैसे ही कंस्ट्रक्शन कंपनी के जरिये रैंप निर्माण का काम शुरू किया गया, निर्माण का विरोध करने के लिए देर रात कई लोग सिरम टोली पहुंच गए। इस दौरान पूरे सिरम टोली चौक को पुलिस छावनी में तब्दील करना पड़ा। आधी रात तक रैंप का विरोध कर रहे लोगों के साथ रांची पुलिस जूझती रही। इस दौरान जमकर हंगामा हुआ। आदिवासी संगठन के विरोध को देखते हुए पूरे सिरमटोली चौक को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। आनन -फानन में रांची के सिटी एसपी, डीएसपी सहित कई थानेदार मौके पर पहुंचे। इस दौरान पुलिस और रैंप विरोधी लोगों के बीच जमकर कहासुनी हुई। डोरंडा थाना प्रभारी दीपिका प्रसाद के साथ विरोध कर रही कई महिलाओं ने धक्का-मुक्की की। आदिवासी संगठनों का आरोप है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से आदिवासियों को धोखा दिया जा रहा है।

सिरमटोली चौक पर तैनात पुलिस बल ● फोटोन न्यूज

कस्तूरबा गांधी व झारखंड बालिका विद्यालयों में नामांकन का रास्ता साफ

चालू सत्र में चयनित छात्राओं का ही किया जाएगा एडमिशन

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को रांची के समाहरणालय में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में बैठक हुई है। इसमें कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय और झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में कक्षा 6 से 9 तक के नामांकन को लेकर जिला स्तरीय समिति की बैठक में चर्चा की गई। बैठक में छात्राओं के नामांकन प्रक्रिया, विद्यालयों की आधारभूत सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस बैठक में सांसद व विधायक प्रतिनिधि, जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज, सभी बीईईओ, वार्डन तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में उपस्थित उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री व अन्य ● फोटोन न्यूज

इतने बच्चों के नामांकन की स्वीकृति : बैठक में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कक्षा 6 के लिए 950, कक्षा 7 के लिए 34, कक्षा 8 के लिए 65 और कक्षा 9 के लिए 87 नामांकनों की स्वीकृति दी गई। वहीं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में कक्षा 6 में 250, कक्षा 7 में 17, कक्षा 8 में 4 और कक्षा 9 में 6 नामांकन की मंजूरी दी गई।

सर्वसम्मति से की गई अनुशंसा

उपायुक्त ने छात्राओं के चयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु सभी चयन आधारों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रक्रिया नियमानुसार एवं निष्पक्ष रूप से पूरी की जाए। बैठक में समिति द्वारा चयनित छात्राओं की अनुशंसा सर्वसम्मति से की गई। उपायुक्त ने बालिका विद्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी अनधिकृत व्यक्ति का विद्यालय परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए। छात्रावासों की चारदीवारी कराई जाए तथा समय-समय पर मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन भी सुनिश्चित हो।

अर्धनग्न अवस्था में युवक का शव बरामद

RANCHI : पुलिस ने रांची के नामकुम थाना क्षेत्र स्थित लदनापीढी स्कूल के समीप से शुक्रवार को एक युवक का अर्धनग्न अवस्था में शव पेड़ से लटकता हुआ बरामद किया है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। स्थानीय लोगों आशंका जता रहे है कि हत्या कर आत्महत्या का रुप देने की कोशिश की गई है। युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि पेड़ से लटका हुआ अर्धनग्न अवस्था में एक युवक का शव बरामद हुआ है। आसपास के लोगों से पहचान करने पर किसी ने उसकी शिनाख्त नहीं की। शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है।

एस्कॉट इंटरनेशनल में इंटर डिस्ट्रिक्ट स्कूल कैरम टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI : भारत माता चौक स्थित एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल में जिला कैरम एसोसिएशन के तत्वावधान में इंटर स्कूल कैरम टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट की मेजबानी एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल ने की। प्रतियोगिता में डीएवी गांधीनगर, जेवीएम श्यामली, कैब्रियन पब्लिक स्कूल, क्लूनी कान्वेंट, लाला लाजपत राय स्कूल और एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने भाग लिया। अंडर-18 गर्ल्स कैटेगरी में अरुणा क्रिसली मिंडा प्रथम, कुमारी पायल द्वितीय और सांभवी अग्रवाल तृतीय स्थान पर रहीं। अंडर-18 बॉयज में नैतिक कुमार, आयुष कुमार और आयुष राज विजेता रहे। वहीं अंडर-14 बॉयज में आदित्य उरांव, ऋषभ राज और अभिनव राज तथा

अंडर-14 गर्ल्स में जेसिका यादव, अराध्या सिन्हा और साक्षी कुमारी ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रिंसिपल शादान आलम ने कहा कि इंडोर गेम्स मानसिक और शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं। डायरेक्टर कुणाल कश्यप ने विजेताओं को बधाई दी और सभी प्रतिभागियों की सराहना की। कार्यक्रम में स्कूल के डायरेक्टर कुणाल कश्यप, सेक्रेटरी अनुज हेंब्रम, हिमांशु दुबे, मुख्य अतिथि राकेश कुमार डे, सुभाशीष चटर्जी और अशोक कुमार डे उपस्थित रहे।

समाचार सार

पहलगाम में मृत लोगों के लिए पंडितों ने किया गीता पाठ

JAMSHEDPUR : कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को मारे गए हिंदू सैलानियों के लिए शहर के पुरोहितों ने गीता पाठ किया। धर्म रक्षिणी पौरोहित्य महासंघ की ओर से साकची स्थित स्वर्णरेखा नदी तट पर आनंदेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में सबसे पहले निरपराध हिंदू आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इसके साथ ही साथ सामूहिक गीता पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें जमशेदपुर के विभिन्न स्थानों के आचार्य-पुरोहित शामिल हुए। गीतापाठ का श्रीगणेश सामूहिक शांति पाठ से प्रारंभ हुआ। महासंघ के अध्यक्ष पं. विपिन कुमार झा ने अपने संवोधन में कहा कि पौरोहित्य महासंघ ने संकल्प लिया है कि अब से विश्व का कल्याण हो की कामना जरूर करेंगे, लेकिन पाकिस्तान को छोड़कर। सामुहिक गीता पाठ में पं. शिव प्रसन्न पांडेय, पं. राजू मुखर्जी, पं. सचिन, पं. मुन्ना पांडेय, पं. रुपेश बनर्जी, पं. ब्रजकिशोर शास्त्री, पं. रुपेश बनर्जी, पं. संजय उपाध्याय, पं. भरत उपाध्याय, पं. संतोष पांडेय, पं. शंकर मिश्रा, पं. परशुराम पांडेय, पं. मदन कुमार झा, पं. चंद्रमौलेश्वर झा, पं. आनन्द मिश्रा, पं. संदीप शर्मा, पं. रमेश पांडेय, पं. चंद्रकांत झा आदि शामिल थे।

मजदूर नेता कमल सोरेन की मनाई गई पुण्यतिथि

GHATSILA : मजदूर नेता कामरेड कमल सोरेन की 21वीं पुण्यतिथि शुक्रवार को मऊभंडार स्थित आवास पर मनाई गई। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने कहा कि कमल बाबू आईसीसी वर्कर्स यूनियन के उपाध्यक्ष व धालभूम ठेकेदार वर्कर्स यूनियन के महासचिव थे। वे क्षेत्र के क्रांतिकारी मजदूर नेता के रूप में जाने जाते थे। मजदूर के हक के लिए 12 वर्षों तक मऊभंडार कारखाना से निलंबित रहे। न्यूनतम मजदूरी के लिए क्षेत्र में विशाल आंदोलन किया था। आज उनकी पुत्री कल्पना सोरेन उनकी धरोहर को संभाल रही हैं। इस अवसर पर मुखिया कल्पना सोरेन, पंचायत समिति सदस्य कृष्णा सोरेन, काजल डॉन, सागर पाणि, गोपाल महतो, विकास मजूमदार, प्रताप दास, आजाद बेहरा, कृष्णा मुखी, सब्यसाची चौधरी, राजेश्वरी करुवा, कंचन करुवा, सीता मुखी आदि भी उपस्थित थीं।

कारखानों में सेफ्टी एंड सस्टेनेबिलिटी पर हुआ मंथन

JAMSHEDPUR : सीआईआई, झारखंड ने शुक्रवार को सेफ्टी एंड सस्टेनेबिलिटी पर कार्यशाला आयोजित की। बिष्टुपुर स्थित रूसी मोदी सेंटर फॉर एक्सीलेंस में हुई कार्यशाला का उद्देश्य पांच प्रमुख सेफ्टी रिस्क को संबोधित करके और विभिन्न क्षेत्रों में सस्टेनेबिलिटी 4.0 के व्यावहारिक अनुप्रयोगों का प्रदर्शन करके औद्योगिक प्रथाओं को मजबूत करना था। इसने प्रतिभागियों को सेफ्टी प्रदर्शन को बढ़ाने, सतत विकास को बढ़ावा देने और वैश्विक मानकों के साथ संरेखित करने के लिए कार्रवाई योग्य रणनीतियों की पेशकश की। कार्यक्रम ने यह पता लगाने के लिए एक रणनीतिक मंच के रूप में कार्य किया कि कैसे डिजिटल इनोवेशन और एक्टिव रिस्क मैनेजमेंट दीर्घकालिक परिचालन उत्कृष्टता को बढ़ावा देते हैं। सीआईआई झारखंड राज्य परिषद के पूर्व अध्यक्ष और हाईको इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक तापस साहू ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस दौरान सीआईआई झारखंड सेफ्टी पैनल के संयोजक और टाटा स्टील लिमिटेड के सेफ्टी चीफ नीरज कुमार सिन्हा, सीआईआई जमशेदपुर जोनल काउंसिल के अध्यक्ष और जमशेदपुर कंटीन्यूअस एनीलिंग एंड प्रोसेसिंग लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अभिजीत ए नानोती ने अपने विचार साझा किए।

रविवार को खुली रहेगी टाटा कमिंस

JAMSHEDPUR : टाटा कमिंस में साप्ताहिक अवकाश रविवार के दिन कामकाज होगा। इस सबंध में प्लांट हेड अभिजीत मोंगा के हस्ताक्षर से सर्कुलर जारी कर दिया गया है। वहीं रविवार के बदले मिलने वाली छुट्टी बाद में घोषित की जाएगी।

कल रद्द रहेंगी 4 ट्रेनें

JAMSHEDPUR : टाटानगर से होकर चलने वाली हटिया-टाटा मेमू , झारखंड-धनबाद-झारखंड मेमू, टाटानगर-आसनसोल-टाटा मेमू 27 अप्रैल को रद्द रहेगी। वहीं 28 अप्रैल को टाटा-हटिया मेमू रद्द रहेगी। इन ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों को परेशानी होगी।

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के चुनाव में डटे 5 प्रत्याशी

JAMSHEDPUR : टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के फाउंड्री डिविजन में रिक्त हुए कमेटी मेंबर की एक सीट पर शुक्रवार को नाम वापसी का दिन था। नामांकन करने वाले 5 उम्मीदवारों अतरेश कुमार कपाही, अरविंद कुमार तिवारी, अमृत, नीरज कुमार झा व अजय कुमार में से किसी ने भी नाम वापस नहीं लिया। ऐसे में अब मुकाबला पांचों उम्मीदवारों के बीच होगा। शनिवार को चुनाव में मतपत्र पर क्रम संख्या का निर्धारण होगा। वहीं प्रत्याशियों को सीरियल नंबर पता चल जाएगा। इसके बाद 28 अप्रैल को मतदान होगा। मतदान के बाद शाम 5 बजे से मतगणना और निर्वाचित सदस्यों के नामों की घोषणा होगी। इस सीट पर कुल 138 कर्मचारी मतदान करेंगे।

सुबह घना कोहरा, तो दोपहर में प्रचंड धूप

ठंडी सतह पर नम हवा पड़ने से बनता है कोहरा

RAJESH CHOUBEY @ GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला प्रखंड में मौसम का मिजाज अजीब तरीके से दिख रहा है। शुक्रवार को दोपहर 2 बजे तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि सुबह में घना कोहरा छाया रहा। सुबह के समय धुंध के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई और चालक हेडलाइट जलाकर वाहन चलाते देखे गए। हालांकि धूप निकलने के बाद कोहरा छंट गया। सुबह 10 बजे के बाद तो तेज गर्मी महसूस होने लगी। मौसम विभाग के अनुसार, यह गर्मी और उमस भरा मौसम अगले दो चार दिन तक बना रह सकता है, इसलिए सावधानी बरतना अति आवश्यक है। दिन में तो तेज गर्मी के कारण लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी है।

सुबह-सुबह सड़क पर दिख रहा कोहरा ● फोटोन न्यूज

अनुमंडल अस्पताल और निजी क्लिनिक में इलाज के लिए भीड़ बढ़ने लगी है। विशेषकर बुखार और डायरिया के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। अनुमंडल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आरएन सोरेन ने बताया कि अभी बेहद सावधानी बरतने की जरूरत है।

दारीसाई अनुसंधान केंद्र, मौसम विभाग के पूर्व टेक्नीशियन विनोद कुमार ने बताया कि गर्मी के दिनों में सुबह कोहरा छाया रहना कोई नई बात नहीं है। गर्मी के दिनों में कोहरा छाए रहने का मुख्य कारण गर्म व नम हवा का ठंडी सतह से संपर्क होना है। यह हवा ठंडी होकर संघनित हो जाती है, जिससे कोहरा बनता है। कोहरे के लिए नम हवा का होना जरूरी है। यह हवा में नमी की मात्रा को दशार्ती है, जो हवा में जलवाष्प के रूप में होती है। जब गर्म और नम हवा ठंडी सतह, जैसे ही पानी या जमीन के ऊपर से गुजरती है, तो हवा ठंडी होने लगती है, तब कोहरा बनता है।

220 सीएफटी बालू सहित जब्त किए गए 3 वाहन

JAMSHEDPUR : उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देश पर सिदगोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत स्वर्णरेखा नदी के बागुनहातु में बिहारी घाट पर खनन टास्क फोर्स ने औचक छापेमारी की। इस दौरान बालू लदे तीन वाहन समेत 220 सीएफटी बालू जब्त किए गए। डीएमओ ने बताया कि इन वाहनों में लदे बालू का कोई ई-परिवहन चालान नहीं पाया गया। अब अवैध परिवहन में संलिप्त वाहनों के मालिकों व चालकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

टाटानगर में पकड़ाया दिल्ली का शातिर चोर

देशभर की ट्रेनों में करता था चोरी, 15 बार जा चुका जेल

PHOTON NEWS JSR : टाटानगर रेल पुलिस ने चोरी के मामले में एक चोर को पकड़ा है, जो दिल्ली का रहने वाला है। उसके पास से फर्जी आधार कार्ड, यात्रियों को बेहोश करने वाली दवा और चोरी की मोबाइल जब्त की गई है। युवक का नाम अजमेर ऊर्फ कालिया (37 वर्ष) है। आरोपी दिल्ली के सुल्तानपुरी के शनि बाजार रोड का रहने वाला है। अजमेर ट्रेनों में यात्रियों को शिकार बनाता था, वह लगातार मोबाइल फोन की चोरी करता था। इसके अलावा लोगों को बेहोश करके चोरी की घटना को अंजाम देता था। पुलिस को काफी दिनों से तलाश थी।

पुलिस गिरफ्त में चोर

- यात्रियों को बेहोश करके लूट लेता था सामान
- महंगे मोबाइल फोन की करता था चोरी, सीसीटीवी फुटेज से धराया

टाटानगर रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी में उसे संदिग्ध हरकत करते पाया गया था। इसके बाद आरपीएफ ने उसे पकड़ा और पूछताछ की। पूछताछ में सामने आया कि वह देश के कई हिस्सों में 15 से ज्यादा बार जेल भेजा जा चुका है। वह ट्रेनों में घूम-घूमकर इसी तरह यात्रियों के सामानों की चोरी करता था।

चेन स्नैचिंग की कोशिश करते एक पकड़ाया, साथी हुआ फरार

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम के कदमा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह दो युवकों ने एक महिला के गले से चेन छीनने की कोशिश की। हालांकि उनकी यह कोशिश नाकाम रही। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और उनमें से एक युवक को पकड़ लिया, जबकि उसका साथी स्कूटी छोड़ कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने पकड़े गए युवक की जमकर पिटाई की और बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मौके से स्कूटी को जब्त कर लिया है और फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पकड़े गए युवक से पूछताछ की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों आरोपी स्कूटी पर सवार होकर आए थे और ब्रह्मर्षि समाज आश्रम के पास एक महिला के गले की चेन छीनने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग सक्रिय हो गए और दौड़ाकर एक युवक को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार घायल आरोपी का एमजीएम अस्पताल में इलाज कराकर उससे पूछताछ की जा रही है।

घटनास्थल पर भीड़ व गिरफ्त में आरोपी

दिशा की बैठक को संबोधित करतीं सांसद जोबा मांझी ● फोटोन न्यूज

हर घर नल से जल पहुंचाने का शत-प्रतिशत करेंगे कार्य : सांसद

- जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक में हुई विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के जिला समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति(दिशा) की बैठक हुई। इसमें सांसद जोबा मांझी ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए हर घर नल से जल पहुंचाने का कार्य शत प्रतिशत सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी मांगी कि अब तक जिले के कितने घरों में नल से जल पहुचाया जा चुका है। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिले में खराब पड़े हैंडपंप को चिह्नित करते हुए उसकी मरम्मत शीघ्र कराएं। इस बैठक में जिला अंतर्गत विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित विकास व जनकल्याण की योजनाओं के अद्यतन प्रतिवेदन का संलग्न जिलास्तरीय पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता की उपस्थिति में बिंदुबार समीक्षा कर योजना तहत अधिकाधिक जनों को आच्छादित करने के तदर्थ बैठक में प्राप्त विभिन्न सुझावों पर विस्तार पूर्वक चर्चा और विचार-विमर्श किया गया। राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरूवा की मौजूदगी एवं अध्यक्ष-दिशा -सह- सांसद जोबा मांझी की अध्यक्षता में हुई बैठक में मझगांव के विधायक निरल पुरती, खरसावां के विधायक दशरथ गागराई, चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव, जगन्नाथपुर के विधायक सोनाराम सिंकु, व मनोहरपुर के विधायक जगत माझी भी उपस्थित थे।

बिष्टुपुर में नाट्य कार्यशाला के प्रशिक्षु व अतिथि ● फोटोन न्यूज

भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष को कलाकार करेंगे जीवंत

JAMSHEDPUR : सांस्कृतिक कार्य निदेशालय तथा पथ (पीपुल्स एसोसिएशन फॉर थियेटर) के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे 21 दिवसीय निःशुल्क नाट्य कार्यशाला उत्साहपूर्वक बढ़ रही है। कार्यशाला में भाग ले रहे युवा कलाकारों को न केवल अभिनय के विविध पहलुओं की बारीकियां सिखाई जा रही हैं, बल्कि रंगमंच के तकनीकी पक्षों से भी परिचित कराया जा रहा है। कार्यशाला के 12वें दिन दो सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को रंगमंच की व्यावहारिक समझ और उसके सौंदर्यशास्त्र से जुड़ी अहम जानकारियां दी गईं। दूसरे सत्र में मो. निजाम ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित एक नाट्य रचना का गहन पाठ और विश्लेषण किया। पहले सत्र में शहर के प्रख्यात रंगकर्मी विजय शर्मा ने किया। अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि एक सफल रंगकर्मी केवल अभिनय तक सीमित नहीं होता, बल्कि उसमें विषयवस्तु की गहराई को समझने, मंचीय तकनीक, भाव-भंगिमा, आवाज के उतार-चढ़ाव, शरीर की भाषा और समूचे प्रदर्शन को समग्र रूप से प्रस्तुत करने की क्षमता होनी चाहिए।

बैक टू स्कूल कैंपेन का शिक्षा मंत्री ने किया उद्घाटन

दिल्ली में प्रतिभा दिखाने वाली केजीबीवी पटमदा के बैंड को किया गया सम्मानित

PHOTON NEWS JSR : सिदगोड़ा स्थित बिरसा मुंडा टाउन हॉल में शुक्रवार को जिलास्तरीय बैक टू स्कूल कैंपेन का उद्घाटन शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने किया। इस मौके पर जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू, जिला परिषद की अध्यक्ष बारी मुर्मू, उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, उपायुक्त अनन्य मित्तल व अन्य अतिथियों ने अभियान का दीप प्रज्वलित किया। सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों के ड्रॉपआउट को कम करने के उद्देश्य से 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों की विद्यालय में शत प्रतिशत उपस्थिति, नामांकन, ठहराव, उच्च कक्षाओं में ट्रांजिशन को लेकर 10 मई तक यह अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव, जिला शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष पांडेय, सभी बीडीओ व अन्य उपस्थित रहे। इस मौके पर गणतंत्र दिवस 2025 के राष्ट्रीय समारोह में बैंड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली केजीबीवी पटमदा की छात्राओं को मंच पर सम्मानित किया गया। वहीं सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले जिन बच्चों का नामांकन इस वर्ष जवाहर नवोदय विद्यालय में हुआ, उन्हें भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जागरूकता रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

जागरूकता रथ को रवाना करते मंत्री रामदास सोरेन ● फोटोन न्यूज

राज्य को पूर्ण साक्षर बनाने की सोच : रामदास सोरेन

मंत्री, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग रामदास सोरेन ने कहा कि स्कूल रूआर -25 अभियान पूरे राज्य में चलाया जा रहा है। नामांकन से वंचित अथवा ड्रॉपआउट बच्चों को पुन: स्कूल तक लाने के लिए सरकार गंभीर प्रयास कर रही है। अभियान की सफलता में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी समेत बुद्धिजीवी, ग्रामीण सभी वर्गों की भूमिका अहम होगी।

सिदगोड़ा के बिरसा मुंडा टाउन हॉल में प्रोजेक्ट गर्ल्स हाईस्कूल, माचा-पटमदा की प्रधानाध्यापक प्रियंका झा की पुस्तक का विमोचन करते शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, विधायक पूर्णिमा साहू, जिला परिषद की अध्यक्ष बारी मुर्मू व डीसी अनन्य मित्तल।

यातायात एवं सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में बिना हेलमेट बाइक चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई का निर्देश

मार्च में 30 सड़क दुर्घटनाओं ने ले ली 22 लोगों की जान

PHOTON NEWS JSR : समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देशानुसार यातायात एवं सड़क सुरक्षा की बैठक हुई। इसमें बताया गया कि मार्च में 30 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिसमें 22 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि 14 लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

वल्नरेबल एक्सीडेंटल प्वाइंट्स एवं सड़कों के कर्व (घुमावदार सड़क) स्थलों को चिह्नित करते हुए आवश्यकतानुसार सुधार करने, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने, ओवर लोडिंग, ओवर स्पीड, बिना सीट बेल्ट व यातायात नियमों के अन्य प्रकार के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया गया।

सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा में यातायात सुरक्षा नियमों का अनुपालन कराने पर बल दिया गया। जिला के वरीय पदाधिकारियों ने सड़क का अतिक्रमण अथवा अवैध पार्किंग पर ठोस कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। यातायात नियमों की अवहेलना पर जुमार्ना वसूलने का निर्देश दिया गया। वहीं ब्लैक स्पॉट अथवा दुर्घटना संभावित स्थलों पर साइनेज लगाकर लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया।

समाहरणालय सभागार में बैठक में एडीसी भगीरथ प्रसाद, एसडीओ शताब्दी मजूमदार व अन्य ● फोटोन न्यूज

सड़क हादसों को कम करने पर हुई चर्चा

बैठक में एडीसी भगीरथ प्रसाद, धालभूम की अनुमंडल पदाधिकारी शताब्दी मजूमदार, डीटीओ धनंजय, कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल दीपक सहाय समेत संबंधित विभागीय पदाधिकारी शामिल थे। इन्होंने सड़क हादसों को नियंत्रित करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रावधानों को प्रभावी तरीके से अमल में लाने समेत अन्य संबंधित विषयों को लेकर चर्चा की।

533 ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड, 31 लाख रुपये वसूला गया जुर्माना

मार्च में सड़क सुरक्षा नियमों की अवहेलना पर 533 वाहन चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड किया गया। वाहन जांच अभियान में बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चालक और बिना सीटबेल्ट के चारपहिया वाहन चालकों समेत यातायात नियमों के उल्लंघन के अन्य मामलों में 31 लाख 51 हजार रुपये जुमार्ना वसूला गया। 2055 नया ड्राइविंग लाइसेंस बनाया गया, जिनमें 1762 पुरुष एवं 293 महिलाएं हैं।

मायुमं स्टील सिटी का 'चलित अमृतधारा' अभियान शुरू

JAMSHEDPUR : भीषण गर्मी में राहगीरों को राहत देने के उद्देश्य से मारवाड़ी युवा मंच, स्टील सिटी शाखा द्वारा 'चलित अमृतधारा' सेवा अभियान की शुरूआत की गई। इसका उद्घाटन पूर्वी सिंहभूम के वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल ने किया। अभियान के तहत मोबाइल पेयजल वाहन के माध्यम से राह चलते लोगों को ठंडा और स्वच्छ जल उपलब्ध कराया जाएगा। शहर के प्रमुख स्थलों पर 10 जलसेवा स्टैंड भी लगाए गए हैं, जो प्रतिदिन हजारों लोगों को निःशुल्क जल सेवा प्रदान करेंगे। इस दौरान शाखा अध्यक्ष अनंत मोहनका, सचिव कौशिक चौधरी, उपाध्यक्ष अंकुर मोदी, संयुक्त सचिव ऋषव चेतानी, पूर्व अध्यक्ष अजय चेतानी, विष्णु गोयल, सार्थक अग्रवाल, मोहित मूनका, प्रवीण अग्रवाल, मुकेश गुप्ता, शुभम अग्रवाल, मनीष चौधरी आदि उपस्थित थे।

टीचर नीड असेसमेंट (टीएनए) परीक्षा में शामिल हुए शिक्षक

ऑनलाइन परीक्षा देते शिक्षक ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : मारवाड़ी हिंदी प्लस टू स्कूल घाटशिला प्रखंड के फूलडुंगरी में शुक्रवार को टीचर नीड असेसमेंट (टीएनए) परीक्षा हुई, जिसमें घाटशिला प्रखंड के 70 शिक्षक शामिल हुए। परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक एक पाली में संपन्न हुई। सभी शिक्षकों ने मोबाइल या टैब के जरिए ऑनलाइन परीक्षा दी। झारखंड सरकार द्वारा आयोजित इस परीक्षा में मोबाइल से सेंटा एप के जरिए प्रखंड के प्राइमरी, मिडिल, हाई और प्लस टू के कुल 383 शिक्षकों की परीक्षा होनी है। परीक्षा 24 अप्रैल से 29 अप्रैल तक इसी केंद्र में आयोजित की जाएगी। इसमें प्रखंड के सभी शिक्षक अपने बारी के अनुरूप शामिल हो कर परीक्षा देंगे। सरकार द्वारा शिक्षकों के स्तर के मूल्यांकन के लिए हर 6 माह में अगले 5 वर्ष तक इस तरह की परीक्षा होगी। परीक्षा में कुल 100 प्रश्न के लिए 200 अंक निर्धारित हैं। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए केंद्र में वीक्षक के रूप के प्रखंड शिक्षा विभाग के बीपीओ मुरली मोहन मुंडा, बीआरपी संजीत मुंडा, सीआरपी पिनु सरकार, विश्वजीत बारीक, नसीमा बानो आदि तैनात थे।

BRIEF NEWS

बेतिया के मझवलिया में बोरे में बंद मिला महिला का शव

BETTIAH : बेतिया पुलिस जिला के मझौलिया थानाब इलाका के रागी टोला में एक महिला की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। मृतका चंपा देवी है, जो महज एक दिन पहले ही अपने मायके से ससुराल लौटी थीं। शुक्रवार की सुबह नहर किनारे एक बोरे में उसका शव बरामद हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, चंपा देवी के ससुराल लौटने के बाद अचानक वह लापता हो गईं। परिजन को जब सूचना मिली तो उन्होंने खोजबीन शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार, उन्होंने रात में 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रातभर सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

मकई के खेत में मिला युवती का शव

ARARIA : अररिया नगर थाना क्षेत्र के बांसवाड़ी गांव में मकई के खेत में एक युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान बांसवाड़ी गांव के वार्ड संख्या नौ निवासी 18 वषीर्या रेहाना पिता मो. अबुबकर के रूप में की गई है। शव आज शाम करीबन साढ़े चार बजे मकई के खेत में मिला। रेहाना सुबह से ही घर से गायब थी। परिजनों के द्वारा काफी खोजबीन किया गया। जिसके बाद शाम को मकई के खेत में युवती के शव को स्थानीय लोगों ने देखकर परिजनों और पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर नगर थानाध्यक्ष मनीष कुमार रजक पुलिस अधिकारियों और बलों के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल भिजवाया।
पोस्टमार्टम के बाद नगर थाना पुलिस ने शव को परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया है।

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या मामले में आरोपी पति गिरफ्तार

ARARIA : अररिया आरएस थाना क्षेत्र के हडियाबारा वार्ड संख्या 10 में कल गुरुवार को 20 वषीर्या विवाहित महिला हमीदा की हत्या दहेज के लिए गला दबाकर कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के भीतर आरोपी पति 23 वर्षीय अली हसन पिता सबूल को गिरफ्तार कर लिया है।जानकारी एसपी अंजनी कुमार ने शुक्रवार को दी।एसपी ने बताया कि दहेज की मांग को लेकर ससुराल वालों द्वारा हमीदा की गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। घटना के संबंध में आरएस थाना में काण्ड संख्या-69/25 दिनांक 24.04.25 धारा-80 भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत दर्ज किया गया था।एसपी ने बताया कि अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस के द्वारा छापेमारी की जा रही है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का बड़ा फैसला

बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) नियमावली 2025 सहित 34 एजेंडों पर लगी मुहर

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार संपन्न मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। मौखिक सहमति के आधार पर पूर्व में किए गए बदलैन को भी अब आधार माना जायेगा। इसके लिए बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) नियमावली 2025 की स्वीकृति के साथ कुल 34 एजेंडों पर मुहर लगाई है।
बिहार कैबिनेट ने आज 25 अप्रैल की बैठक में बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) नियमावली 2025 की स्वीकृति दी है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के एजेंडा में बताया गया है कि बिहार में रैयती एवं अन्य प्रकार की भूमि का नया अधिकार अभिलेख (खतियान) एवं भू मानचित्र (नक्शा) निर्मित किया जा रहा है। भूमि के सर्वेक्षण एवं बंदोबस्ती के क्रम में यह महसूस किया गया है कि सर्वेक्षण में 100 फीसदी शुद्धता, पारदर्शिता एवं गतिशीलता सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिए बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त संशोधन नियमावली 2012 के अंतर्गत खानापूरी दल को अन्य तथ्यों के साथ-साथ मौखिक सहमति के आधार पर पूर्व से क्रियान्वित बदलैन को भी आधार मानने संबंधी प्रावधान किया जाना उचित है। ऐसे में बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त संशोधन नियमावली 2025 की स्वीकृति दी जाती है।

फइल फोटो

नीतीश कैबिनेट की बैठक मे पर्यटन विभाग के अंतर्गत में मां सीता का मंदिर से जुड़ा महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। सीतामढ़ी जिले में अवस्थित मां सीता की जन्मस्थली, पुनौराधाम के श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या के अनुरूप समग्र विकास हेतु डिजाईन कन्सलटेंट के रूप में मेसर्स डिजाईन एसोसिएट्स इन्कॉरपोरेटेड, नोएडा का मनोनयन के आधार पर चयन किये जाने की स्वीकृति कैबिनेट ने प्रदान की है। बैठक में कई विभागों में सरकार ने नए पद सृजित किए हैं। नगर विकास विभाग में एकीकृत शहरी अभियंत्रण संगठन के 71 कार्यालयों के सुचारू रूप से संचालन के लिए 663 विभिन्न कोटि के गैर तकनीकी पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। इस पर प्रतिवर्ष 35 करोड़ 27 लाख 48 344 रू खर्च होंगे।

नीतीश कैबिनेट के मंत्रियों को सौंपा गया जिलों का प्रभार

PATNA : *मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों को जिला का प्रभारी मंत्री बनाया है। जिसमें उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी को पटना, वहीं दूसरे उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा को मुजफ्फरपुर का प्रभारी मंत्री बनाया है। इस संबंध में मंत्रिमंडलीय सचिवालय की तरफ से अधिसूचना जारी कर दी गई है। भाजपा कोटे के जिन मंत्रियों के पास अभी तक दो जिलों का प्रभार था, उनसे एक जिला ले लिया गया है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी पटना जिले के प्रभारी मंत्री बने रहेंगे। वहीं दूसरे डिप्टी सीएम विजय सिंह दो जिला भोजपुर और मुजफ्फरपुर के प्रभारी मंत्री थे ।अब सिर्फ मुजफ्फरपुर के प्रभारी मंत्री रहेंगे। जदयू कोटे के तीन मंत्री विजय चौधरी, अशोक चौधरी और श्रवण कुमार दो दो जिला के प्रभारी मंत्री बने रहेंगे।*

किस मंत्री को मिला किन जिलों का प्रभार

- सम्राट चौधरी - पटना
- विजय कुमार सिन्हा - मुजफ्फरपुर
- विजय कुमार चौधरी - पूर्णिया, नालंदा
- बिजेन्द्र प्रसाद यादव - वैशाली
- डॉ. प्रेम कुमार - कैमूर
- श्रवण कुमार - समस्तीपुर, मधेपुरा
- संतोष कुमार सुमन - औरंगाबाद
- सुमित कुमार सिंह - सारण
- रेणु देवी - सिवान
- मंगल पाण्डे - दरभंगा
- नीरज कुमार सिंह - कटिहार
- अशोक चौधरी - सीतामढ़ी, जहानाबाद
- लेशी सिंह - मधुबनी
- मदन सहनी - सुपौल
- नीतीश मिश्रा - अररिया
- नीतीन नवीन - बक्सर
- महेश्वर हजारी - खगड़िया
- शीला कुमारी - लखीसराय
- सुनील कुमार - पूर्वी चंपारण
- जनक राम - पश्चिम चंपारण
- हरी सहनी - अरवल
- कृष्णनंदन पासवान - गोपालगंज
- जयंत राज - रोहतास
- मो. जमा खान - किशनगंज
- रत्नेश सादा - जमुई
- केदार प्रसाद गुप्ता - भोजपुर
- सुरेन्द्र मेहता - बांका
- संतोष कुमार सिंह - भागलपुर
- संजय सरावगी - बेगूसराय
- डॉ. सुनील कुमार - गया
- जिवेश कुमार - नवादा
- राजू कुमार सिंह - शेखपुरा
- मोती लाल प्रसाद - शिवहर
- विजय कुमार गंडल - सहरसा
- कृष्ण कुमार मंटू - मुंगेर

दीक्षांत समारोह में शामिल हुए कुलाधिपति, छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल और स्मृति पदक देकर किया सम्मानित

AGENCY BHAGALPUR : तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के 48वें दीक्षांत समारोह में शामिल होने राज्यपाल सह कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खान शुक्रवार को भागलपुर पहुंचे। राज्यपाल के भागलपुर पहुंचते ही उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उसके बाद भागलपुरी अंग वस्त्र, पुष्प गुच्छ और प्रतीक चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया गया।
कुलाधिपति ने दीक्षांत समारोह में 2021-22-23 और 24 के छात्रों को पदक और उपाधि देकर सम्मानित किया। इस दीक्षांत समारोह में चार सत्रों के 182 छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल और स्मृति पदक से सम्मानित किया गया। कुलाधिपति के द्वारा इन सभी छात्रों सहित पीएचडी डिग्री धारकों को शपथ भी दिलाई गई। साथ ही 5117 छात्र-छात्राओं को डिग्री और सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए। इस मौके पर कुलपति प्रोफेसर जवाहरलाल ने कहा कि तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सबसे बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को डिग्री और सर्टिफिकेट देने का कार्यक्रम आयोजित हुआ।

एक छात्र ने मंच के पास पहुंचकर की नारेबाजी

BHAGALPUR : तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान राज्यपाल मोहम्मद आरिफ खान की सुरक्षा में बड़ी चूक देखने को मिली। कार्यक्रम के बीच एक छात्र अचानक सुरक्षा घेरा तोड़ते हुए मंच के बेहद करीब पहुंच गया और जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। उसने अपनी शिकायतों से जुड़ी पर्चियां भी हवा में उड़ा दीं। जिससे वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। यह पूरी घटना राज्यपाल की मौजूदगी में घटी। जो वीवीआईपी सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की गंभीर मिसाल है। कुछ पलों के लिए सुरक्षाकर्मी भी स्थिति को समझ नहीं पाए। जिससे राज्यपाल की सुरक्षा पर खतरे की आशंका उत्पन्न हो गई। छात्र द्वारा फेंकी गई पर्चियों में विश्वविद्यालय में व्याप्त अनियमितताओं, परीक्षा परिणामों में देरी और छात्र हितों की अनदेखी जैसे मुद्दे दर्ज थे।

उन्होंने बताया कि पीजी सामान्य कोर्स में 116 लोगों को, पीजी वोकेशनल और प्रोफेशनल कोर्स में 12, फैकल्टी टॉपर में 19, स्मृति पदक पीजी में 26, बेस्ट ग्रेजुएट में 3, स्मृति पदक स्नातक में 6 लोगों को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। वहीं इस दीक्षांत समारोह को लेकर तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के सीनियर सदस्य राजेश कुमार तिवारी ने कहा है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले को देखते हुए आज के इस दीक्षांत समारोह को सादे तरीके से मनाना चाहिए। उन्होंने कुलपति से भी आग्रह किया था कि आयोजन को सादगी से किया जाए। क्योंकि अभी पूरे देश के लिए यह दुख की घड़ी है।

मोतिहारी में किशोर की चाकू गोद कर हत्या

MOTIHARI : जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के अगरवा मोहल्ले में एक 15 साल के किशोर की चाकू गोद कर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। वहीं घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे नगर इंस्पेक्टर विजय कुमार व पुलिस बल मामले की जांच में जुटे है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक बेलीसराय मुहल्ला निवासी ननकी राम का पुत्र गोलू कुमार है। मृतक की मां ने बताया कि वह इधर कुछ दिनों से अगरवा के चिकनी घाट के समीप भाड़े पर कमरा लेकर रह रही थी। उसके बेटे ने शाम के 5:00 बजे फोन कर उसे बताया कि वह घर खाना खाने आ रहा है, थोड़ी ही देर बाद उसका कॉल आया कि तुम्हारे बेटे को चाकू मार दिया गया है। पुलिस मामले के सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है, वहीं मृतक गोलू के साथ एक लड़का अली था, जिससे पूछताछ की जा रही है।

रेलवे ट्रैक से खोले गए पेंड्रौल क्लिप के साथ मदरसा के दो छात्र गिरफ्तार

AGENCY EAST CHAMPARAN : जिला के नेपाल सीमा से सटे कुंडवा चैनपुर रेलवे स्टेशन के समीप एक संदिग्ध मामला सामने आया है। आरपीएफ ने रेलवे ट्रैक से खोले गए कई पेंड्रौल क्लिप के साथ मदरसे के दो छात्रों को हिरासत में लिया है। आशंका जतायी जा रही है कि ये लोग ट्रेन को बेपटरी करने की साजिश के तहत इस घटना को अंजाम दिया है। इसको लेकर पुलिस और आरपीएफ पकड़े गये दोनो मदरसा के छात्रो से गहन पूछताछ और जांच शुरू कर दी है। पुलिस को आशंका है,कि इस साजिश के पीछे अन्य व्यक्ति भी शामिल हो सकते है।आरपीएफ इंस्पेक्टर ए.के चौधरी ने बताया कि नियमित गश्ती टीम को रेलवे ट्रैक के निरीक्षण के दौरान कई पेंड्रौल क्लिप खोले हुए मिले। गश्ती दल ने इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी, जिसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया। तलाशी के दौरान आरपीएफ ने दो युवकों को घटनास्थल के पास ही संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। इनके पास से कुछ पेंड्रौल क्लिप और अन्य उपकरण भी बरामद किए गए। पूछताछ में पता चला कि दोनों युवक स्थानीय मदरसे में पढ़ाई करते हैं। उनकी गतिविधियां संदिग्ध पाए जाने के बाद उन्हें हिरासत में लेकर गहन पूछताछ की जा रही है, जिसके बाद ही इसका खुलासा हो सकेगा कि इन लोगो ने साजिश के तहत तो पैड्रौल क्लिप नही खोला था।

अंतरजिला ठग गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

AGENCY ARARIA : अररिया जिला पुलिस ने अंतरजिला ठग गिरोह के दो सदस्यों को सहरसा से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से दो मोबाईल, सफेद रंग का ऑल्टो कार, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक के एटीएम कार्ड आदि बरामद किए हैं। जानकारी शुक्रवार को एसपी अंजनी कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में दी।
एसपी ने बताया कि इसी साल 12 मार्च को पूर्णिया के जलालगढ़ थाना क्षेत्र के दनसार वार्ड संख्या 10 निवासी पूजा देवी पति-हरिनंदन पासवान ने नगर थाना में एक शिकायत दर्ज कराया था।जिसमें उन्होंने रिवर फाइनेंस लिमिटेड नामक प्राईवेट कंपनी के द्वारा 76 हजार रुपए लोन देने के नाम पर बहुत सारे लोगों से 25 -25 सौ रुपए की ठगी करते हुए लगभग 10 लाख रुपए की राशि की ठगी कर लेने की बात कही थी।आवेदन में पूर्णिया के जलालगढ़ एवं अररिया के विभिन्न गांवों के 25 ग्रुप के लगभग तीन सौ सदस्यों से ग्रुप लोन देने के नाम पर ठगी की बात कही गई थी। आवेदन में तीन को नामजद किया गया था।
मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी अंजनी कुमार ने अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी रामपुकार सिंह के नेतृत्व में डीआईयू एवं थानाध्यक्ष, अररिया के साथ एक छापामारी दल का गठन करते हुए ठगी का जल्द उद्भेदन करने का निर्देश दिया गया। वैज्ञानिक अनुसंधान एवं आसूचना संकलन करते हुए ठगी में शामिल गिरोह का पता लगाया तथा ठगी में शामिल दो अभियुक्तों को सहरसा जिला से पकड़ा गया।
गिरफ्तार ठग में मधेपुरा के ग्वालपाड़ा के 30 वर्षीय जयराम कुमार पिता सुरेश साह, मधेपुरा के शंकरपुर के 29 वर्षीय सुनिल कुमार पिता लक्ष्मण साह को गिरफ्तार किया गया।

115 ग्राम ब्राउन शुगर व नेपाली करेंसी के साथ कारोबारी गिरफ्तार

ARARIA : जिले की बसमतिया थाना पुलिस और एसएसबी की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बेला गांव में शत्रुघ्न चौपाल के घर छापेमारी कर 115 ग्राम ब्राउन शुगर और 7 हजार 700 नेपाली करेंसी के साथ मादक पदार्थ के कारोबारी शत्रुघ्न चौपाल के पुत्र रविन चौपाल को गिरफ्तार किया। पुलिस और एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई के दौरान रविन ब्राउन शुगर का पैकेट लेकर भागने लगा,जिस पर एसएसबी के जवानों और बसमतिया थाना पुलिस ने खदेडकर उन्हें पकड़ा और उनकी तलाशी के बाद उनके पास से ब्राउन शुगर और नेपाली करेंसी के साथ आधार कार्ड और पैन कार्ड बरामद किया गया। जानकारी शुक्रवार को एसपी अंजनी कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में दी।

भागलपुर में गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल एक हिंदू महिला कर रही पीर बाबा की सेवा

AGENCY BHAGALPUR : धर्म की दीवारें जब इंसानियत और भाईचारे के सामने झुक जाती हैं, तो ऐसे दृश्य उभरते हैं जो भारत देश की मिट्टी को और भी महान बना देते हैं। बिहार में भागलपुर जिले के घोघा क्षेत्र के पक्कीसराय बाजीरौजा, आमापुर गांव में एक ऐसा ही दृश्य देखने को मिलता है। जहां एक हिंदू महिला गिरिजा देवी पिछले कई वर्षों से वजीर बाबा पीर बाबा की दरगाह की सेवा कर रही हैं।
गिरिजा देवी इस मजार की देखभाल सिर्फ आज नहीं कर रहीं, बल्कि उनके पूर्वज भी इस दरगाह की सेवा करते आए हैं। उनका मानना है कि इस स्थान पर सच्चे दिल से मांगी गई हर मुराद पूरी होती है ।यही कारण है कि न सिर्फ भागलपुर, बल्कि देश के कोने कोने से लोग इस दरगाह पर चादरपोशी के लिए आते हैं। खास बात यह है कि गिरिजा देवी खुद पूजा-पाठ के साथ-साथ नमाज भी अदा करती हैं। हर शुक्रवार को लगने वाले मेले की व्यवस्था भी संभालती हैं। यह दरगाह धर्म नहीं, इंसानियत की बात करती है। गिरिजा देवी का संदेश भी उतना ही प्रेरक है। अगर हम एक हिंदू होकर इस दरगाह की सेवा कर सकते हैं, तो क्यों न मुस्लिम भाई भी मंदिरों की सेवा कर एकता की नई मिसाल कायम करें। जब हम मिलकर रहेंगे, तभी हिंदुस्तान आगे बढ़ेगा ।यह कहानी सिर्फ एक मजार की नहीं, भारत की उस आत्मा की है जो विविधताओं में एकता की सांस लेती है।

यह खाद वायुमंडलीय नाइट्रोजन को मिट्टी में करती है स्थिर, कार्बनिक पदार्थ की मात्रा बढ़ाने में भी सक्षम

हरी खाद से बढाएं मिट्टी की उर्वरा शक्ति : डॉ. आशीष राय

AGENCY EAST CHAMPARAN : बिना सड़े पौधों का वह भाग जिसे हम मिट्टी में मिलाकर हरी खाद के रूप में उपयोग कर सकते हैं हरी खाद जैविक खेती का एक महत्वपूर्ण अवयव है इसका मुख्य उद्देश्य वायुमंडलीय नाइट्रोजन को मिट्टी में स्थिर करना एवं मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा को बढ़ाना है। उक्त बाते जिला के परसौनी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डा.आशीष राय ने बातचीत के दौरान कही। उन्होने कहा कि असंतुलित रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग के कारण दिन प्रतिदिन मिट्टी की सेहत खराब हो रही है जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति का क्षरण हो रहा है। ऐसे में हरी खाद मिट्टी की सेहत के लिए बेहतर विकल्प है। हरी खाद मिट्टी को 17 पोषक तत्वों की आपूर्ति करने में सहायता करता है, साथ ही मिट्टी में हार्मोन तथा विटामिन की मात्रा भी बढ़ाता है। उन्होने बताया कि दलहनी फसलों को उनके वानस्पतिक वृद्धि काल में फूल आने के तुरंत बाद जुताई करके मिट्टी में अपघटन के लिए मिलाकर हरी खाद बनाया जा सकता है।

खाद के लिए इन दलहनी फसलों का करें चुनाव

हरी खाद के लिए दलहनी फसलें कृषि जलवायु प्रक्षेत्र के अनुसार ली जाती है। ये फसलें कम समय में ही बहुतायत मात्रा में कार्बनिक पदार्थ उपलब्ध कराती है। दलहनी फसलों की वृद्धि शीघ्र होती है जिसके कारण खरपतवार की वृद्धि नहीं हो पाती है तथा मिट्टी में शीघ्र ही सड़ने योग्य हो जाती है। जिसमे प्रमुख हरी खाद के लिए ढैंचा, सनई, लोबिया, ग्वार, उड़द और मूंग को शामिल किया जा सकता है। गन्ने की खेती में गन्ना एवं सनई की फसल को साथ लगाने से 40-50 दिन बाद गन्ने में मिट्टी में चढ़ाने के समय सनई को मिट्टी में मिला कर हरी खाद बनाया जा सकता है।

हरी खाद से होने वाले प्रमुख लाभ

इससे मिट्टी में भौतिक एवं रासायनिक संरचना अच्छी होती है जिससे पानी का संचयन होता है। हरी खाद वायुमंडल में उपस्थित नाइट्रोजन को स्थिर करता है जिससे रासायनिक उर्वरकों की निर्भरता कम होती है। हरी खाद मिट्टी में गहरी जरी विकसित करता है जिसके कारण मिट्टी में वायु संचार अच्छा होता है और फंगस की बीमारी कम लगती है। सूक्ष्मजीवों के लिए यह खाद्य पदार्थ का काम करता है जो इन्हें खाकर बहुत तेजी से अपनी संख्या को बढ़ाते हैं जिससे अपघटन तेजी से होती है। हल्की तथा भारी दोनों प्रकार की मिट्टियों में कार्बनिक पदार्थ की वृद्धि से उपज में वृद्धि के साथ-साथ मिट्टी में ह्यूमस की मात्रा बढ़ने के कारण जल धारण क्षमता में वृद्धि होती है और पोषक तत्व भरपूर मात्रा में मिलता है।

बिहार-नेपाल सीमा से अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार

EAST CHAMPARAN : बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के नेपाल सीमा से सटे रक्सौल से एक अमेरिकी नागरिक को आव्रजन (इमिग्रेशन) विभाग ने जांच के दौरान पकड़ा है। उक्त अमेरिकी नागरिक रक्सौल बॉर्डर के रास्ते भारत से नेपाल जा रहा था। गिरफ्तार अमेरिकी युवक की पहचान एटन बेन पिता याकूब बेन अब्राहम, 39,456, वर्जीनिया, अमेरिका के रूप में हुई है। आव्रजन विभाग के अनुसार उक्त अमेरिकी नागरिक नेपाल से भारत मे आने के दौरान अक्टूबर 2024 में रक्सौल इमिग्रेशन में इंट्री के लिए आया था। मगर, रक्सौल इमिग्रेशन ने टूरिस्ट वीजा की निर्धारित 180 दिन की समय सीमा समाप्त देखकर रिफियूजल स्टाम्प लगा कर वापस नेपाल भेज दिया था।

गायघाट में अनुदानित मूल्य पर किसानों को मिल रहा मूंग व उड़द बीज

AGENCY EAST CHAMPARAN : दलहन की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार किसानो को अनुदानित मूल्य पर मूंग व उड़द का बीज उपलब्ध करा रही है। हरसिद्धि मे राष्ट्रीय कृषि योजना दलहन क्षेत्र विस्तार के तहत 2.72 क्विंटल मूंग व खाद्य एवं पोषक योजना के तहत अनुदानित दर पर 13.92 क्विंटल उड़द बीज वितरण आवंटित है। किसानो का चयन किसान सलाहकार व कृषि समन्वयक द्वारा किया गया है। किसान बीज के लिए ऑनलाइन डिमांड किये है। चयनित किसान डिमांड नंबर के साथ गायघाट स्थित बीआरबीएन के डीलर शिव शक्ति खाद बीज भंडार से बीज ले सकते है। किसानो को बीज बायोमेट्रिक ढंग से दिया जायेगा। बीज वितरण मे हरसिद्धि प्रखंड के प्रशिक्षु प्रखंड कृषि पदाधिकारी विक्रम राज, कृषि समन्वयक रामा प्रसाद सिंह सहित अन्य कृषि कर्मियो को लगाया गया है।

गर्मी में परिंदों की प्यास बुझाना इंसानियत की पहचान

तेज होती गर्मी, घटते जलस्रोत और बढ़ती कंक्रीट संरचनाओं के कारण पक्षियों के लिए पानी और छांव जैसी बुनियादी जरूरतें भी दुर्लभ होती जा रही हैं। परिंदे हमारी प्रकृति का अभिन्न हिस्सा हैं और अगर वे गायब हो गए तो यह धरती और भी सूनी हो जाएगी। आधुनिक समाज वातनुकूलक (एसी) चलाने में सक्षम है, लेकिन पक्षियों के लिए एक कटोरा पानी रखने में असफल। हर व्यक्ति अपने स्तर पर छोटे-छोटे प्रयास करके इस स्थिति को बदल सकता है, जैसे छत या बालकनी में पानी रखना, पेड़ लगाना और बच्चों में करुणा की भावना जगाना। यह सिर्फ परिंदों के लिए नहीं, बल्कि इंसानियत के लिए भी एक परीक्षा है कि क्या हम वाकई इंसान हैं। गर्मी अब सिर्फ तापमान नहीं रही, यह अब एक त्रासदी बन गई है, खासकर उनके लिए जिनकी आवाज न अखबार में छपती है, न टीवी पर आती है और न ही सोशल मीडिया की ट्रेंडिंग लिस्ट में। बात हो रही है उन छोटे-छोटे परिंदों की जो इस तेज धूप, सूखी हवाओं और कंक्रीट के जंगल में चुपचाप प्यास से तड़प कर मर जाते हैं। कोई पानी डाल दे तो मैं भी चोंच भर पी लूं...यह पंक्ति अब किसी कविता की कोमल कल्पना नहीं रही, यह एक जीवित सच्चाई है। एक निरीह पुकार, जो हर दोपहर किसी छत पर, किसी सूखी डाल पर, किसी तपती खिड़की की जाली के पीछे से उठती है। हमने पेड़ काटे, तालाब पाटे, छज्जों को सीमेंट से बंद कर दिया और टीन की छतों से सूरज को और गर्म कर दिया। आधुनिकता के नाम पर हमने अपने घरों को एसी से ठंडा किया, लेकिन परिंदों के लिए एक घूंट पानी छोड़ना भूल गए। पक्षियों के घोंसले बनाने की जगहें कम होती जा रही हैं। अब उनके लिए न पेड़ बचे, न परछाईं, न ही वह परंपरागत संस्कृति, जिसमें हर घर की मुंडेर पर मिट्टी का एक कटोरा पानी से भरा होता था। कई पर्यावरण संस्थाएं बता रही हैं कि गर्मी में पक्षियों की मृत्यु दर में लगातार वृद्धि हो रही है। खासतौर पर गोरैया, कबूतर, मैना, बुलबुल जैसे छोटे पक्षी गर्मी की दोपहर में बेहोश होकर गिर जाते हैं। यदि उन्हें समय पर पानी न मिले, तो मर भी जाते हैं। पर क्या इनकी मौतें किसी समाचार का हिस्सा बनती हैं, क्या इन पर कोई सरकारी घोषणा होती है या फिर क्या इनका कोई एनजीओ सम्मेलन बुलाया जाता है। दरअसल परिंदे सिर्फ आसमान की शोभा नहीं हैं, वे हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के अभिन्न अंग हैं। वे कीट नियंत्रण करते हैं, परागण में मदद करते हैं, बीज फैलाते हैं और सबसे जरूरी कि वे जीवन के संगीत को बनाए रखते हैं। अगर पक्षी गायब हो गए तो यह धरती और अधिक वीरान हो जाएगी और हम भी। हमें यह समझना होगा कि ये नन्हे जीव प्रकृति की बड़ी चेतावनियां लेकर आते हैं। जब वे प्यास से मर रहे हैं तो समझिए कि पानी की कमी अब हमारी ओर भी बढ़ रही है। आज जरूरत इस बात की है कि हम बर्ड फ्रेंडली समाज बनें। यह कोई बड़ा आंदोलन नहीं, सिर्फ छोटी-छोटी चीजें हैं। छत या बालकनी में एक मिट्टी का पानी भरा कटोरा रखें। पेड़ लगाएं, खासतौर पर नीम, पीपल, अमरूद जैसे देशी वृक्ष। बच्चों को परिंदों के बारे में बताएं, दया, संवेदना और जुड़ाव सिखाएं। गर्मियों में पशु-पक्षियों के लिए छाया और पानी की व्यवस्था करें। मंदिरों-मस्जिदों-गुरुद्वारों जैसे स्थलों को भी प्रेरित करें कि वे पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था है करें। यह काम किसी सरकार का इंतजार नहीं करता। यह आपके हाथ में है। हम एसी चलाने के लिए हजारों की बिजली जला देंगे, लेकिन एक कटोरा पानी रखने में कंजूसी कर जाते हैं। हम स्मार्ट सिटी बनाने के लिए करोड़ों बहा देंगे, लेकिन स्मार्टनेस इतनी नहीं कि बेजुबानों के लिए भी कुछ छोड़ सकें। हमारे समाज में अब करुणा भी इंस्टाग्राम रील बन गई है सिर्फ दिखावा भर, पर असर नहीं। गांवों में भी अब पुराने तालाब सूख रहे हैं, बावड़ियां टूट चुकी हैं और पशु-पक्षियों के लिए पीने का पानी अब मुश्किल हो गया है। एक समय था जब गांव में हर कुएं की मेड़ पर परिंदे पानी पीने आते थे। आज वही कुएं सीमेंट से बंद कर दिए गए हैं। शहरों ने गांवों को विकास तो दिया, लेकिन वह विकास पक्षियों के लिए विनाश बन गया। जलवायु परिवर्तन का सबसे पहला और सीधा असर बेजुबानों पर पड़ता है। तापमान में जरा-सी वृद्धि भी इनके लिए प्राणघातक हो सकती है। इंसान तो पंखा चला लेता है, बर्फ खा लेता है, डॉक्टर के पास चला जाता है, पर चिड़िया कहां जाए, कबूतर किससे कहे कि वह प्यासा है। हम खुद को बुद्धिजीवी, संवेदनशील, शिक्षित और विकसित कहते हैं, लेकिन क्या कोई भी ऐसी सभ्यता वाकई विकसित कहलाने लायक है, जो अपने साथ रहने वाले जीवों को मरता देखे और फिर भी चुप रहे। हर गर्मी हमें यह सोचने का मौका देती है कि इस बार क्या हम अपने घर की छत, खिड़की, बालकनी या आंगन में एक कोना ऐसा बना सकते हैं, जहां कोई छोटा परिंदा अपनी चोंच भर पानी पी सके।

बहस में न्यायालय और उपराष्ट्रपति की चिंता

ANALYSIS

✍ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

उपराष्ट्रपति धनखड़ कानून के गहरे जानकार हैं। राजस्थान उच्च न्यायालय से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में प्रैक्टिस कर चुके हैं। उपराष्ट्रपति बनने से पहले प. बंगाल जैसे चुनौतीपूर्ण राज्य में राज्यपाल रह चुके हैं। उस दौरान उन्होंने संविधान का भी गहरा अध्ययन किया और राज्यपाल से लेकर राष्ट्रपति के अधिकारों को समझा और समझाया। ऐसे विद्वान उपराष्ट्रपति यदि न्यायपालिका पर ही कोई प्रश्न खड़ा कर रहे हैं, तो उसके निहितार्थ समझने होंगे। देश के संविधान के अनुसार राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग कार्य निर्धारित हैं। यदि नियमों की बात की जाए तो भारत में विधायिका का काम कानून बनाना है, कार्यपालिका उन कानूनों को लागू करती है और न्यायपालिका कानून की व्याख्या करती है और विवादों का निपटारा करती है। इन तीनों के ऊपर है भारत का राष्ट्रपति, इसलिए ही वह (राष्ट्रपति) संघ का प्रमुख है और विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियां राष्ट्रपति में ही निहित बताई गई हैं। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति का अधिकार राष्ट्रपति के पास है। वह न्यायालय के सम्मान में ही सुप्रीम कोर्ट के कोलेजियम की सिफारिश पर ही न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं।

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यह कहकर एक नई बहस को जन्म दिया है कि देश ने ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां जज कानून बनाएंगे, कार्यपालिका का काम भी खुद ही करेंगे और सुपर संसद की तरह काम करेंगे। अनुच्छेद142 न्यायपालिका के लिए न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को दरकिनार करने के लिए इसका उपयोग किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति धनखड़ कानून के गहरे जानकार हैं। राजस्थान उच्च न्यायालय से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में प्रैक्टिस कर चुके हैं। उपराष्ट्रपति बनने से पहले प. बंगाल जैसे चुनौतीपूर्ण राज्य में राज्यपाल रह चुके हैं। उस दौरान उन्होंने संविधान का भी गहरा अध्ययन किया और राज्यपाल से लेकर राष्ट्रपति के अधिकारों को समझा और समझाया। ऐसे विद्वान उपराष्ट्रपति यदि न्यायपालिका पर ही कोई प्रश्न खड़ा कर रहे हैं, तो उसके निहितार्थ समझने होंगे। देश के संविधान के अनुसार राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग कार्य निर्धारित हैं। यदि नियमों की बात की जाए तो भारत में विधायिका का काम कानून बनाना है, कार्यपालिका उन कानूनों को लागू करती है और न्यायपालिका कानून की व्याख्या करती है और विवादों का निपटारा करती है। इन तीनों के ऊपर है भारत का राष्ट्रपति, इसलिए ही वह (राष्ट्रपति) संघ का प्रमुख है और विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियां राष्ट्रपति में ही निहित बताई गई हैं। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति का अधिकार राष्ट्रपति के पास है। वह न्यायालय के सम्मान में ही सुप्रीम कोर्ट के कोलेजियम की सिफारिश पर ही न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। राष्ट्रपति के पास यह शक्ति भी

है कि वह किस न्यायाधीश को उसके पद से हटाएं अथवा नहीं यानी कि न्यायाधीशों को उनके पद से समय पूर्व या किसी भी अन्य कारण से हटाने का अधिकार भी राष्ट्रपति अपने पास रखते हैं। जब देश में किस भी मामले में कानून संबंधी सवाल खड़े होते हैं, तब भी राष्ट्रपति के पास यह अधिकार सुरक्षित हैं कि वह तय करेंगे कि देश को किस ओर ले जाना है, इसके लिए राष्ट्रपति अदालत को निर्देशित भी कर सकते हैं। इतना सब होने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए मृत्युदंड के फैसले में सिर्फ राष्ट्रपति अपनी शक्ति का उपयोग कर अपराधी को क्षमादान दे सकते हैं। फिर राष्ट्रपति के पास तीनों सेनाओं का सुप्रीम कमांडर होने की भी शक्ति है। इस तरह देखें तो भारत के राष्ट्रपति की अपार शक्तियां हैं, जिन्हें किसी भी न्यायालय की सीमा में नहीं बांधा जा सकता, क्योंकि वह उससे भी ऊपर है। भारतीय संविधान कहता है कि राष्ट्रपति देश का सबसे बड़ा पद है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट न्यायपालिका की सबसे बड़ी इकाई होने के नाते देश के राष्ट्रपति को सलाह दे सकता है, लेकिन राष्ट्रपति सुप्रीम कोर्ट की सलाह को मानेंगे अथवा नहीं, यह राष्ट्रपति के विवेक पर छोड़ दिया गया है यानी कि न्यायालय द्वारा दी गई किसी भी सलाह को मानना राष्ट्रपति के लिए स्पष्ट रूप से बाध्यकारी नहीं है। कुल मिलाकर राष्ट्रपति में संपूर्ण राष्ट्र की शक्ति निहित है अर्थात विधायिका, कार्यपालिका और न्यायालय तीनों की शक्ति राष्ट्रपति पद में निहित है, पर यहां व्यवहार में क्या हो रहा है, जिस राष्ट्रपति को विधायिका चुनती है और यह विधायिका किसी भी लोकतंत्र शासन प्रणाली में उस लोक के एक-एक चुने हुए जन प्रतिनिधि से बनती है, उस विधायिका की शक्ति को ही न्यायालय आज खुद से संचालित करते हुए देखा जा रहा है। जिस विधायिका और कार्यपालिका के माध्यम से चुने हुए जनता के प्रतिनिधि जनतंत्र को संचालित करने का काम करते हैं, आज न्यायालय उस पर ही कई तरह से अंकुश लगाने का काम कर रहा है। वास्तव में इसी का यह सबसे बड़ा उदाहरण है,जिसमें कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समयसीमा तय कर दी। वस्तुतः इसी पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नाराजगी जताई है। उन्हें कहना पड़ा है कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। हम ऐसे हालात नहीं बना सकते जहां अदालतें राष्ट्रपति को निर्देश दें। अब भले ही अनुच्छेद 142 भारत के सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार देता हो कि वह पूर्ण न्याय करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फैसला दे सकता है, चाहे वह किसी भी मामले में हो। उसे भी यह सदैव याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार सबसे अहम है और सभी संस्थाओं को अपनी-अपनी सीमाओं में रहकर काम करना चाहिए। कोई भी संस्था संविधान से ऊपर नहीं है। उपराष्ट्रपति धनखड़ आज जो राष्ट्रपति द्वारा विधेयकों पर निर्णय लिए जाने के वास्ते समय-सीमा निर्धारित करने संबंधी उच्चतम न्यायालय के फैसले पर चिंता जता रहे है, वह वाकई गंभीर है, क्योंकि भारत ने ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे। आश्चर्य है, राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से फैसला करने के लिए कहा जा रहा है और यदि ऐसा नहीं होता है, तो संबंधित विधेयक कानून बन जाता है। धनखड़ पूछ रहे हैं, हम कहां जा रहे हैं, देश में ये क्या हो रहा है। हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं, जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका का कार्य स्वयं संभालेंगे, जो सुपर संसद के रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता। वे सही कह रहे हैं कि भारत में राष्ट्रपति संविधान की रक्षा, संरक्षण एवं बचाव की शपथ लेते हैं, जबकि मंत्री, उपराष्ट्रपति, सांसदों और न्यायाधीशों सहित अन्य लोग संविधान का पालन करने की शपथ लेते हैं। हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते, जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें और वह भी किस आधार पर संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करने का है उसके आधार पर, फिर भी इसके लिए पांच या उससे अधिक न्यायाधीशों की आवश्यकता होती है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया है कि जब अनुच्छेद 145(3) तय हुआ था, तब सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या आठ थी, उसमें भी इस प्रकार के निर्णय के लिए पांच या उससे भी अधिक न्यायाधीशों की आवश्यकता होती है, पर अब तो 30 से ऊपर हैं, तब फिर समझ लीजिए कि यदि इस तरह का कोई निर्णय न्यायपालिका को लेना हो तो कितने जज होने चाहिए, पर जो फैसला तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने लिया है और उसमें जिस तरह से राष्ट्रपति की शक्तियों को छोटा कर दिखाने का प्रयास हुआ है, वह कहीं से भी उचित नहीं ठहराया जा सकेगा। यह भारतीय संविधानिक व्यवस्था में पहली बार हुआ है कि राज्यपाल के दस्तखत के बगैर सुप्रीम कोर्ट के आदेश से कोई विधेयक कानून बना और तमिलनाडु के सभी 10 लंबित विधेयकों को मंजूरी मिल गई।

चपरासी के लिए उच्च डिग्रीधारियों के आवेदन

अब इसके लिए शिक्षा व्यवस्था को ही दोष दिया जाए, बढ़ती बेरोजगारी या फिर सरकारी नौकरी का मोह माना जाए। राजस्थान के सरकारी दफ्तरों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पदों में भर्ती के लिए आवेदन मांगे गए। 20 अप्रेल तक 23 लाख 65 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। मजे की बात यह है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के 53,749 पदों के लिए आवेदन के लिए निर्धारित योग्यता दसवीं पास होना है, जबकि इस दसवीं पास के पद के लिए आवेदन करने वालों में बड़ी संख्या में पीएचडी, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट ही नहीं, तकनीकी शिक्षा प्राप्त बीटेक और बीएड जैसी योग्यताधारी शामिल हैं। इसका मतलब यह हुआ कि आईएएस, आईपीएस, प्रोफेसर, शिक्षक या प्रदेशों की सिविल सर्विस व अन्य इसी तरह के उच्च पदों की योग्यता को पूरी करने वाले युवक भी चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करने में किसी तरह का संकोच नहीं कर रहे। यह हालत हमारी संपूर्ण व्यवस्था को प्रश्नों के घेरों में खड़ा कर रही है। सवाल है कि आखिर हमारी व्यवस्था जा कहां रही है। इससे यह भी साफ हो जाता है कि उच्च शिक्षा प्राप्त चयनित नहीं होते हैं, तो सवाल यह उठेगा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भी चपरासी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सके। वहीं किसी कारण से शिक्षा पूरी नहीं कर सकने वाले युवक दसवीं की परीक्षा ही पास कर सके हैं। चपरासी के पद के लिए योग्य हैं, तो उच्च शिक्षितों, अनुभवियों के सामने उनके लिए तो चयन की संभावना लगभग शून्य की समझी जानी चाहिए। यदि समान योग्यता वाले आवेदन इतनी बड़ी संख्या में होते तो एक अनार सौ बीमार वाली बात तो हो जाती। फिर सीधा-सीधा यही कहा जाता कि रोजगार के अवसर कम हैं, पर उच्च अध्ययन प्राप्त युवाओं के चपरासी के पद के लिए आवेदन करना हमारी केवल शिक्षा व्यवस्था ही नहीं, अपितु पूरी व्यवस्था पर ही सवाल खड़े कर रहे हैं। आखिर ऐसा क्या कारण है कि युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरी नहीं मिल पा रही। इससे यह तो साफ हो जाता है कि कहीं ना कहीं पूरी व्यवस्था में ही दोष है। एक ओर तो सातवें वेतन आयोग के बाद से युवाओं में सरकारी नौकरी का मोह बढ़ा है। फिर रही- सही कसर हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था ने पूरी कर दी है। अब चुनावों में मुख्य मुद्दा रोजगार को लेकर उठाया जाता है। चुनावों में रोजगार या यों कहें कि बेरोजगारी एक प्रमुख मुद्दा होना चाहिए, इससे नकारा नहीं जा सकता है, पर केवल सरकारी नौकरी का ही चस्मा दिखाया जाता है, तो परिणाम फिर इसी तरह के आते हैं। आजादी के बाद निजी क्षेत्र ने काफी विस्तार किया है। एक समय ऐसा भी रहा है कि जब युवाओं का क्रेज निजी क्षेत्र के प्रति रहता था। निजी क्षेत्र में वेतन भत्तों के साथ ही सुविधाओं का भी विस्तार था। ऐसा नहीं है कि आज ऐसा नहीं है। आज भी निजी क्षेत्र की अनेक संस्थाओं में अच्छा पैकेज और सुविधाएं मिलती हैं। युवाओं को विदेश जाने तक के अवसर मिलते हैं। मेडीक्लेम व अन्य सुविधाएं भी आम है। हां, परफोरमेंस और टारगेट की बात अवश्य होती है। सरकारी नौकरी के पीछे भागने का कारण एक तो सर्विस को लेकर किसी तरह का तनाव नहीं होना है। यों कहा जा सकता है कि सरकारी नौकरी में जॉब सिक्योरिटी के साथ ही सुविधाओं का अंबार और पेंशन सुविधा के साथ ही जिम्मेदारी का कहीं ना कहीं बोझ नहीं दिखाई देता है। सरकारी नौकरी में तो एक तरह का समझौता हो जाता है कि जो काम के प्रति निष्ठावान है, उसे काम से लाद दिया जाता है और जो काम के प्रति अधिक गंभीर नहीं होते हैं उन्हें कहने को तो नाकारा कह दिया जाता है। दरअसल इतना कहने भर से उन्हें काम के बोझ की मुक्ति मिल जाती है। यह तस्वीर का एक पहलू है। दूसरा एक बार सरकारी नौकरी में प्रवेश हो गया तो कोई कहने वाला तो होगा नहीं, यदि ज्यादा दिक्कत भी आती हैं तो कहीं से भी सिफारिश कराकर अपना काम चला ही लेंगे। एक बार नौकरी में प्रवेश होने के बाद ओवरएज होने तक प्रतियोगी परीक्षा के नाम पर अप्रत्यक्ष रूप से लाभ उठाया जा सकता है। इससे दो तरह की समस्या उत्पन्न होती है। एक तो वास्तव में उस योग्यताधारी के सामने नौकरी की समस्या जस की तस रह जाती है, जो उस पद की योग्यता ही पूरी कर पाता है। दूसरा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी या फिर शैक्षणिक योग्यता के अनुसार पद नहीं मिलने के कारण सहानुभूति में अन्य कार्य ले लिया जाता है, जिससे दोहरा नुकसान होता है। एक तो उस पद के योग्य लोगों को नुकसान होता है तो दूसरा मूल पर का काम तो बाधित ही रहता है, क्योंकि जिस पद पर चयन हुआ है, वह काम तो करना ही नहीं है। अभी कुछ समय पुरानी ही बात है। लगभग सभी जगह हालत यह है कि नगर निगमों में सफाई कर्मियों की भर्ती में अधिकांश उच्च शिक्षा प्राप्त होने या उच्च वर्ग से जुड़े होने के कारण चयनित होने के बाद उन्हें सफाई कर्मी का काम तो करना ही नहीं था और किया भी नहीं। उनकी सेवाएं आफिस में क्लर्की के रूप में ली जाने लगीं। इससे अधिकांश नगर निकायों की सफाई व्यवस्था तो प्रभावित हुई ही, साथ ही असली दावेदार तो बेरोजगार ही रह गए। रोजगार के नाम पर ऐसी भर्तियां हुईं, जो बोझ बनकर रह गईं। यह वास्तविकता का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष तो उच्च योग्यता होने के बाद भी उसके अनुसार नौकरी नहीं मिलना है। इसके लिए किसे दोष दिया जाए। सवाल यह उठता है कि बीटेक करने वाले युवक को इंजीनियरिंग का काम नहीं मिलता है, तो फिर उसकी पढ़ाई का मतलब ही क्या है। सवाल यह भी है कि जिस तरह निजी क्षेत्र में नए-नए इंजीनियरिंग कॉलेज, एमबीए कालेज खोले गए और उनमें शिक्षकों की स्थिति, शैक्षणिक स्तर और गुणवत्ता पर ध्यान ही नहीं दिया गया तो केवल डिग्री से क्या होने वाला है। समस्या इतनी साधारण नहीं है, जितनी इसे समझा जा रहा है। यह बढ़ती बेरोजगारी की समस्या नहीं, अपितु कहीं ना कहीं हमारी संपूर्ण व्यवस्था का ही दोष है। हालात का समग्रता के साथ विश्लेषण करना होगा, नहीं तो चपरासी हो या सफाई कर्मी, इनसे भी ज्यादा आवेदन आएंगे और भर्ती भी होगी, नौकरी पर भी आएंगे।

Social Media Corner

सच के हक में...

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रारूपण के दौरान और भारत में शिक्षा को अधिक समग्र और दूरदर्शी बनाने के लिए डॉ. कस्तूरीरंगन के प्रयासों के लिए भारत हमेशा उनका आभारी रहेगा। वे कई युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए एक उत्कृष्ट मार्गदर्शक भी थे। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, छात्रों, वैज्ञानिकों और अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड के मंत्री सुदिव्य कुमार का यह व्यंग्य उनके भीतर कूट कूट भरे अहंकार एवं पागलपन को दर्शाता है। जब पूरा देश ही नहीं पूरा दुनिया के लोग पहलगाम हमले को लेकर सदमे में हैं, ऐसे समय में किसी मंत्री का यह फूहड़पन शर्मनाक है और उनके इस आचरण की जितनी भी निंदा की जाय वो कम है। मैं तो इन्हें अपेक्षाकृत एक गंभीर व्यक्ति समझता था लेकिन इनका यह आचरण देखकर झारखंड वासियों का सिर शर्म से झुक गया है।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

पश्चिम बंगाल में बढ़ती अराजकता को रोकना जरूरी

वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल का मुर्शिदाबाद जिला हिंसा की आग में झुलस रहा है। हिंसा को लेकर भाजपा-टीएमसी के बीच में आपसी आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर किए जा रहे अत्याचार काफी निंदनीय हैं। टीवी, सोशल मीडिया पर तस्वीरों और वीडियो में जो कुछ दिख रहा है, वह देख रूह कांप जाती है। हिंसा प्रभावित क्षेत्रों से हजारों की संख्या में हिंदू पलायन कर चुके हैं। वहां कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। हाथों में हथियार लिए लोग गाड़ियों को फूंक रहे हैं, दुकानों को जला रहे हैं, रेलवे ट्रैक को बाधित किया गया, पुलिस वालों तक को निशाना बनाया गया। वास?तव में यहां देखने में यही आ रहा है कि हिंदू लोगों की सुरक्षा की किसी को परवाह नहीं है। उनके पास दो ही विकल्प हैं- मौत या पलायन। इस पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री अपने एक्स पोस्ट में लिखती हैं कि याद रखें हमने वह कानून नहीं बनाया है, जिस पर लोग नाराज हैं। यह कानून केंद्र ने बनाया है, इसलिए आप जो जवाब चाहते हैं, केंद्र सरकार से मांगना चाहिए। दूसरी ओर भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि ममता बनर्जी बंगाल को दूसरा बांग्लादेश बनाना चाहती हैं। मुर्शिदाबाद में हिंसा सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने का नतीजा है। मुर्शिदाबाद में हिंदू परिवार को टारगेट कर हमला किया जा रहा है। कानून की आड़ में पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रही हिंसा में ममता सरकार सियासी रोटियां सेंक रही है। पश्चिम बंगाल में तुष्टीकरण की नीति के तहत सत्ता और वोट बैंक की खातिर हिंदुओं पर जघन्य अपराध किया जा रहे हैं और अराजकता की सारे सीमाएं पार हो गई है, पर विपक्ष से लेकरतथाकथित बौद्धिक वर्ग आंखों पर पट्टी बांधे बैठा है।इसके पूर्व बांग्लादेश में हिंदुओं पर जिस तरह के अत्याचार हुए और अब पश्चिम बंगाल मेंजो कुछ चल रहा है इन हालातों से मुंह फेर कर वैश्विक शक्तियां और हमारे देश के मानवधिकार के रक्षक बौद्धिक वर्ग का प्रतिकार ना करना बताता है कि असंवेदनशीलता और उदासीनता की स्थिति क्या है। हमारे देश का एक किस्म का बौद्धिक वर्ग हमारे समाज में अल्पसंख्यको के उत्पीड़न को लेकर हमेशा सजग रहता है। छोटी सी बात को को भी तूल देकर मानवाधिकार का हनन बताकर उग्र रूप से वैश्विक मंच पर फैला दिया जाता है। ये लोग धर्म, जाति और भाषा के नाम पर हमेशा समाज में दरार डालने में लगे रहते है, यह भूलकर कि वह भी इसी समाज का एक हिस्सा है और उसी समाज में रहते है। इस तरह के प्रगतिशील और मानवाधिकारके हिमायती बौद्धिक वर्ग को बांग्लादेश नहीं दिखता, पश्चिम बंगाल नहीं दिखता, हिंदुओं पर हो रहा अत्याचार नहीं दिखता, हिंदुओं के प्रति ये कट्टरता और नफरत नहीं दिखती। उन्हें सिर्फ भारत की हिंदू सरकार दिखती है, जो अल्पसंख्यकों के खिलाफ कार्य करती हैं, उनका उत्पीड़न करती है। जो लेखक, पत्रकार सत्य कहते हैं, उसे ये सरकार का अंधभक्त और घृणा फैलाना वाला मानते हैं। इन तथाकथित बौद्धिक वर्ग और मानवाधिकारों के रक्षको ने इस देश में जो एकतरफा विमर्श दिन रात हिंदुत्व के विरुद्ध तथ्यहीन बातों से खड़ा किया, उसने हमें बहुत कुछ सोचने पर मजबूर कर दिया है। कुछ वोट बैंक की राजनीति करने वाले लोगों द्वारा अल्पसंख्यकों को वफ्फ के विषय में झूठी,आधारहीन बातें कर एक टूल की तरह प्रयोग कर देश की शांति भंग करने का कार्य किया जा रहा रहा है। क्या प्रेम, सहिष्णुता, शांति,भाईचारे, धर्मनिरपेक्षता की बात करना बहुसंख्यक आबादी के लिए ही है। क्या बहुसंख्यक हिंदू आबादी को चैन से जीने का कोई अधिकार नहीं है। आज वह अपने ही देश में अपने ही लोगों के बीच अपने जीवन की रक्षा के लिए हाथ फैलाए खड़ी हैं। इससे बड़ी दयनीयता की स्थिति और क्या हो सकती हैं।इधर्म, जाति, जिहाद के नाम पर संपूर्ण विश्व में लाखों गैर मुस्लिम बुरी तरह से अत्याचारों का शिकार होकर मारे गए, लेकिन शिक्षण,शिक्षण संस्थानों के पाठ्यक्रम और मुख्य धारा में ये तथ्य गायब हैं।

अहम मामले

सरकार की विभिन्न शाखाओं के बीच शक्तियों के पृथक्करण और नियंत्रण एवं संतुलन (चेक्स एंड बैलेंसेज) के सिद्धांत के संबंध में, भारत के सुप्रीम कोर्ट को सत्तारूढ़ भाजपा के कुछ तबकों और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा बेबुनियाद आलोचना झेलनी पड़ी है। कोई हैरानी की बात नहीं कि सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने इस आरोप पर ध्यान दिया है कि वह कार्यकारी और विधायी कार्यों में घुसपैठ कर रहा है। एक याचिका में सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया गया कि वह पश्चिम बंगाल में हिंसा की स्थिति से निपटने के लिए अनुच्छेद 355 और 356 के तहत केंद्र को कार्रवाई करने का निर्देश दे। एक अन्य याचिका में ऑनलाइन मंचों पर अश्लील सामग्री रोकने के लिए उसके हस्तक्षेप की मांग की गई। इससे पहले कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा पर नियंत्रण के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया था। विधायी और कार्यकारी निर्णयों की न्यायिक समीक्षा भारत के संवैधानिक लोकतंत्र का एक अभिन्न अंग है। कार्यपालिका और विधायिका के निर्णयों को न्यायपालिका द्वारा जांचा जा सकता है, ताकि यह तय हो सके कि वे संविधान के साथ संगति में हैं या नहीं। इतना ही नहीं, संविधान संशोधन भी मूल ढांचा परीक्षण के अधीन हैं। कानून निर्माण और उन्हें लागू कराने में न्यायिक हस्तक्षेप के लिए कई संवैधानिक रास्ते मौजूद हैं। अनुच्छेद 13 न्यायपालिका को शक्ति देता है कि वह मूल अधिकारों का उल्लंघन करने वाले कानूनों को रद्द कर दे। अनुच्छेद 32 और 226 क्रमशः सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्टों को मूल अधिकारों को लागू कराने के लिए और इससे इतर भी, रिट (आदेश) जारी करने की शक्ति प्रदान करते हैं। न्यायपालिका को विधायिका से नीचे मानने की धारणा संवैधानिक योजना के अनुरूप नहीं है। वास्तव में, न्यायपालिका से उम्मीद की जाती है कि वह लोकमत- जिसकी नुमाइंदगी विधायिका के सदस्य करते हैं, के दबाव से कानून के शासन को बचा कर रखे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Pahalgam terror: Govt at strategic crossroads

The nation has been deeply angered and outraged by the dastardly terrorist attack on innocent tourists at Baisaran, Pahalgam, on April 22, which claimed at least 26 innocent lives of tourists belonging to different parts of India. It has been condemned by the country's entire political class, though some opposition parties are also seeking that responsibility be fixed on those concerned with the maintenance of security in the Union Territory of Jammu and Kashmir. The international community has also denounced the attack and leaders of important countries have said that they stand with India in its fight against terrorism.

However, such support notwithstanding and behind-the-scene appeals that will inevitably be made to Prime Minister Narendra Modi to exercise restraint, the fact is that this attack presents the Modi government with a very grave security and public relations challenge. Unlike Pulwama or Galwan, where defence personnel died, at Baisaran, the terrorist mercilessly targeted specific civilians.It would, therefore, be no exaggeration to state that the nation's eyes will be on Modi. It will expect that he will give a full and befitting response to the perpetrators of Baisaran and those who aided and sponsored them, especially after the claims of normalcy having returned to J&K after 2019.The attack has been claimed to have been undertaken by the Resistance Front, which is believed to be affiliated with the Lashkar-e-Taiba (LeT). Those who have had long experience in studying Pakistani terrorism against India would instinctively know that an attack of this nature can never be undertaken without the specific orders of the Pakistani generals.

Hence, the first assessment has to be the reason which led the Pakistani generals to order the attack. They have been unhappy at the progress in India's relations with the Afghan Taliban, though that has largely been under the radar. They also hold India responsible for assisting the Tehreek-e-Taliban-e-Pakistan and the Baloch Resistance Groups. All this fed into their intense anger with India for the Baloch Liberation Army's attack on the Jaffar Express on March 11. The Pakistan army held India directly responsible for that attack. Pakistan's political authorities and its Foreign Ministry were more circumspect.After studying all aspects of what had transpired in Pakistan after the Jaffar Express attack, this writer wrote an article in Firstpost, on March 21. Its concluding paragraphs are relevant to the Baisaran attack and are quoted below:"Soon after the BLA attack, the Pakistani army said that, with it, the 'rules of the game had changed'. Chaudhry (Lt Gen Ahmed Sharif Chaudhry, Director-General, Inter-Services Public Relations) was asked to clarify these words in the press conference. It is now that he said words that Indian analysts and policymakers should pay close attention to. He said that BLA and (terrorist groups) would be dealt with the way they 'deserve' and the same would apply to their facilitators and abettors whether inside or outside Pakistan.

The Pakistani army follows the tradition of 'badal' (badal in Pashto means revenge) for perceived grievances. It has done so against India even though, in the process, it has beggared the country. It knows no way other than that of confrontation. This is part of its ethos and each army chief has to show that he is up to giving a 'fitting' response, especially to an attack on the institution he leads, perceives or rather misperceives has come from India. As such, it is possible that the Pakistan army will attempt to sponsor a terrorist event in India within the foreseeable future," I wrote.

In the wake of the Baisaran attack, it is clear that Indian policy-makers must respond decisively. They should make it clear to all the major powers, especially those with influence over Pakistan, that public sentiment in India -- including in Jammu & Kashmir, which has witnessed unprecedented anger against the attack -- will demand an appropriate retaliation to the massacre of innocent civilians in Pahalgam. Moreover, India should have no hesitation in stating that the dangers associated with escalation will not be India's responsibility.

Lessons for Indian universities from the Harvard-Trump row

Harvard draws 45% of its revenue from donors. Indian universities should similarly engage alumni, corporates and philanthropic foundations to create endowments and support research.

The recent confrontation between Harvard University and US President Donald Trump was not merely a legal disagreement — it was a modern-day parable about the struggle between academic freedom and political control. The implications of this clash transcend borders and offer significant lessons for universities around the world, including India.At the centre of the controversy is Harvard's principled refusal to dismantle its diversity, equity and inclusion (DEI) programmes and submit to ideological audits demanded by the Trump administration. The Trump administration sought to monitor curriculum choices, faculty appointments and research directions — interventions that would undermine Harvard's academic sovereignty.In response, Harvard University filed a lawsuit against the US government, challenging the legality of freezing federal grants worth over $2.2 billion. The university contended that the funding freeze was an act of retaliation and warned that critical disease research and other key initiatives would be adversely impacted. Harvard's interim president, Prof Alan Garber, made it clear: the institution would not compromise its values, even if it meant losing federal support.

Harvard's strength lies in endowment, reputation and philanthropy and its capacity to resist government pressure was made possible by its deep financial foundations. The university operates on an annual budget of $6.5 billion, with $1.02 billion allocated to research, including $674 million from US federal agencies. More significantly, its $53.2 billion endowment provides a cushion of independence, contributing $2.4 billion annually to its operations. Nearly 45 per cent of Harvard's revenue comes from philanthropy, while 16 per cent comes from research grants.This diversified funding model gives the university the flexibility to stand by its values without succumbing to political or bureaucratic dictates.This philanthropic culture carries profound lessons for Indian higher education. In India, people generously contribute to temples, gurdwaras and religious institutions as acts of faith and service. It is time to extend this spirit of giving to our universities and educational institutions, which play a vital role in nation-building.Educational institutions should be seen as sacred sites of knowledge and social uplift and they must increasingly be funded by philanthropists. When institutions are supported by the community — through alumni, corporate CSR, individual donors and civil society — they gain not only financial autonomy but also become more accountable, transparent and socially relevant.

India's public universities face their own set of pressures — ranging from financial constraints and administrative interference to curriculum standardisation. While the context is different, the core issue remains the same: how to preserve the university as a space for independent inquiry and ethical leadership.Although the government is playing a critical and a crucial role in nation-building, it is important to recognise that institutions of higher learning must maintain a balanced distance from political influence. Autonomy is not just a privilege; it is a precondition for academic excellence.

The Harvard episode offers key lessons for Indian academia to secure its future. First, ethical and courageous leadership is crucial. University administrators must embody integrity and fearlessness, standing firm on academic values despite external pressures. Their leadership should inspire trust and set an example for students and faculty.Second, financial independence through philanthropy must be pursued. Harvard draws nearly 45 per cent of its revenue from donors. Indian universities should similarly engage alumni, corporate houses and philanthropic foundations to create endowments, support research and enhance infrastructure. This financial cushion ensures autonomy and resistance to external influence.Third, transparent and inclusive governance is the foundation of institutional excellence. Decision-making must be participatory and merit-based, with respect for all voices — faculty, students and staff.Fourth, fostering an environment of free dialogue is essential. Universities should be safe spaces for open debate, dissent and knowledge pursuit, where intellectual diversity is valued.

Lastly, reviving indigenous knowledge systems (IKS) is vital for a globally competitive yet locally rooted education. Re-integrating India's ancient wisdom, sciences, languages and philosophies into curricula will create a holistic education system. This fusion of global and local knowledge will help develop scholars who are deeply connected to their culture and prepared for the world.The teachings of Guru Nanak Dev offer a timeless guide rooted in truth (sach), fearlessness (nirbhau) and contemplation (vichar). He opposed ritualism, casteism and corruption, advocating instead for education based on justice, compassion and equality. His words — "Pothi Parmeshar ka thaan" (The book is the abode of the Divine) — remind us that knowledge is sacred when it upholds truth.Indian education must draw from such spiritual roots while also engaging global best practices. This is not about conflict, but meaningful collaboration with society, industry and alumni. Our universities must be seen as temples of knowledge, deserving of philanthropic support for research, innovation and inclusive growth.The Trump-Harvard conflict is a mirror reflecting the fragility of academic freedom when institutions become political battlegrounds. Indian universities must not wait for a crisis to define their character. We must act with foresight, integrity and courage — to not just teach, but also to lead.

Shame & solidarity

Terror attack unites a fractured land

The blood-soaked meadow of Pahalgam's Baisaran is now etched in memory for a painful reason. The killing of at least 26 tourists in the terror attack has jolted the nation, piercing the soul of Kashmir. Among those killed were people from across the country, including small towns like Shivamogga in Karnataka. They had come to Kashmir for peaceful leisure. Their deaths underline that this tragedy is not just about Jammu and Kashmir but a national wound.

Significantly, amidst this anguish, something profound has emerged — a united cry of condemnation from the people of the Valley. For the first time in 35 years, the Kashmir valley observed a shutdown against a terror attack. On Wednesday, most business establishments were closed in Srinagar following a call for bandh. Loudspeakers appealed for solidarity and streets filled with people, expressing grief and outrage. "Hanging head in shame," they echoed that this was a betrayal of Kashmir's spirit of hospitality and peace.

The attack aims to reignite fear and stall the Valley's hard-earned return to normalcy. With over 3.5 million tourists visiting J&K in 2024 and more than 70 per cent of livelihoods in places like Pahalgam linked to tourism, the region's fragile recovery is at risk. Many locals who had taken loans to invest in tourism-related businesses face devastating losses as cancellations pour in. The state machinery — from Prime Minister Modi cutting short his foreign trip to Home Minister Shah's immediate ground assessment — is rightly in overdrive. The immediate reaction has been to beef up security in the region. Even as Defence Minister Rajnath Singh has said that the attackers would soon see a "loud and clear response," the authorities must also amplify the voices of the Valley that have rejected violence and chosen humanity.

Clarion call for action against Pakistan

Pahalgam attack marks a calculated escalation in the ongoing proxy war

The shocking massacre in Pahalgam that claimed 26 lives — including visitors from the UAE and Nepal — is not merely another tragic incident; it marks a calculated escalation in Pakistan's ongoing proxy war against India, explicitly incited by that nation's military leadership.Executed by four heavily armed terrorists, including three operatives identified as Pakistani nationals, the assault was meticulously orchestrated to maximise casualties and attract global attention. The attackers employed advanced weaponry such as M4 carbines and AK-47 rifles, chillingly segregating victims on the basis of religious identity. Disturbingly, they documented their brutality using helmet-mounted body cameras, emphasising their intent to amplify terror and spread propaganda globally.

This attack notably follows provocative statements by Pakistan Army Chief Gen Asim Munir. Addressing a gathering at the Overseas Pakistanis Convention last week, Gen Munir reiterated Pakistan's claim over Kashmir, invoking Muhammad Ali Jinnah's controversial two-nation theory. His inflammatory rhetoric, explicitly designed to fuel religious animosity and incite extremist elements, served as a dog whistle, directly contributing to the heinous violence witnessed in Pahalgam.Pakistan's swift denial, delivered by Defence Minister Khawaja Asif, labelling the attack as merely "local resistance," starkly contrasts with intelligence data meticulously gathered by Indian security agencies. The incontrovertible evidence identifies the attackers as members of The Resistance Front (TRF), a terrorist outfit established in 2019 by Pakistan's Inter-Services Intelligence (ISI). TRF was created to evade international scrutiny, particularly from bodies like the Financial Action Task Force (FATF), by masquerading as a secular, indigenous resistance group in contrast to overt religious groups like Lashkar-e-Taiba (LeT).Such strategic rebranding is not unprecedented. Throughout my tenure commanding critical counter-terror operations in Kashmir, I have witnessed Pakistan's consistent deployment of proxy organisations to escape international accountability. From the LeT's involvement in the 2008 Mumbai attacks to Jaish-e-Mohammad's devastating strike in Pulwama, Pakistan repeatedly leverages terror groups to destabilise Jammu and Kashmir, aiming to internationalise the conflict and distract from its domestic crises. The 2016 terror attack on the Pathankot airbase, for instance, revealed how these groups, prepared and trained by the ISI and the Pakistan Army, operated and conducted their operations. There is nothing grey about Pak-sponsored attacks — it is all dark black.Operating under direct command from ISI handlers in Rawalpindi and Muzaffarabad, TRF's operational structure demonstrates the sophistication and extensive resources of Pakistan's intelligence apparatus. TRF militants undergo rigorous training in guerrilla warfare, evasion tactics and psychological operations. The use of helmet-mounted cameras during the Pahalgam massacre exposes ISI's calculated strategy to magnify psychological terror and propagate their extremist narrative digitally.

However, the attack has severely undermined Pakistan's false narrative of indigenous resistance. Kashmiris across religious and social lines unitedly condemned this savage act. Spontaneous protests, candlelight vigils and unequivocal denunciations from loudspeakers at mosques in Doda and neighbouring areas clearly indicate widespread rejection of Pakistan's claims. This local outcry unequivocally demonstrates that genuine resistance movements neither involve foreign militants nor target innocent civilians.Strategically, Pakistan continues supporting terror proxies like TRF to maintain pressure on India in Kashmir, internationalise the issue and divert attention from internal turmoil, including economic collapse and insurgencies in Balochistan and Khyber Pakhtunkhwa. Gen Munir's incendiary remarks further bolster this dangerous strategy, exacerbating regional instability and deepening Pakistan's international isolation.The global community, increasingly alert to Islamabad's deceit, must urgently confront the tangible threat posed by Pakistan's unabated state-sponsored terrorism. India's diplomatic strategy should be assertive and multifaceted. On the international stage, India must present comprehensive evidence at forums like the FATF and the UN Security Council, directly implicating Pakistan's ISI and military leadership, notably Gen Munir, in orchestrating and financing terror operations, thereby pushing for stringent sanctions and renewed FATF oversight.

Moreover, strengthening intelligence-sharing partnerships with strategic allies, including the US, UAE, Israel and the European Union, is imperative. Implementing technologically advanced surveillance systems, AI-driven monitoring, drone interception and fortified border security measures will significantly disrupt infiltration routes and weapon-smuggling networks.Economically, India and its strategic partners should intensify efforts to isolate Pakistan. Rerouting regional commerce through alternative trade routes, such as Iran's Chabahar port, reduces Pakistan's geopolitical leverage. Concurrently, aggressive countermeasures against narcotics trafficking networks funding Pakistan's terror infrastructure will severely constrain their operational capabilities.

Unchecked, Pakistan's terror proxies threaten regional and global stability, risking broader conflicts and empowering extremist forces throughout South Asia, including Afghanistan. The Pahalgam tragedy serves as an urgent clarion call. Collective resolve and decisive international actions are critical to dismantling this cycle of terror. The stakes — for regional stability and global security — have never been higher. In sum, the response this time round has to be multi-domain and decisive to comprehensively discredit the Pakistan Army that runs the country by proxy under Gen Munir.

Apple plans to make all US iPhones in India by 2026: Report

NEW DELHI. Apple plans to move all iPhone assemblies for the US market to India by the end of next year, said people familiar with the matter, reported the Financial Times.This move is part of Apple's long-term plan to reduce its dependence on China, especially after the recent tariff rules announced by US President Donald Trump.Over the past few years, Apple has been slowly building its manufacturing base in India, with support from contract manufacturers, Foxconn and Tata Electronics.In March alone, Foxconn shipped phones worth $1.31 billion, the highest ever in a single month. That's equal to what they exported in January and February combined. Tata also saw a strong jump, with iPhone exports rising 63% in March to $612 million.As soon as Trump's new tariffs on Chinese products were announced, Apple quickly started sending more India-made iPhones to

the US to avoid the higher import duties levied on China, mentioned the report.This push into India is not just about avoiding tariffs. Apple aims to make all iPhones for the US market, which is over 60 million a year, in India by 2026, doubling its current production in India after years of relying on China to build its products. But now, it seems India is set to become the next big iPhone factory.

Gold rate : MCX gold futures open higher at Rs 96,120 per 10 grams after dip

NEW DELHI. Gold rate today: MCX Gold June futures contracts increased by Rs 208 or 0.22%, starting at Rs 96,120/10 grams on Friday following a decline from peak levels earlier in the week. Silver May futures contracts started flat at Rs 97,440/kg, showing a minimal decrease of Rs 71 or 0.07%.Experts suggest that markets are factoring in heightened geopolitical uncertainties, primarily stemming from trade policy conflicts initiated by US President Donald Trump. These tensions, coupled with concerns about economic stagnation and inflation, could potentially sustain the upward trajectory of gold prices.Yesterday saw mixed settlements for gold and silver in domestic and international markets. Gold June futures finalised at Rs 95,912 per 10 grams, gaining 1.26%, whilst silver May futures concluded at Rs 97,511 per kilogram, declining 0.29%.Both precious metals displayed significant price fluctuations, with gold demonstrating robust recovery on Thursday following Wednesday's decline. Gold prices returned above $3,300 per troy ounce as investors capitalised on reduced prices, influenced by increased U.S. unemployment claims and China's indication of economic stimulus measures.U.S. unemployment claims increased to 2,22,000 from the previous 2,15,000, while existing home sales decreased to 4.02 million units from 4.27 million units.

Are Banks Closed Today Branches To Be Closed For 4 Days In THESE States Till April 30

New Delhi. Banks across the country will remain closed on various accounts for the next four days. It is however to be noted that all branches in all cities will not be closed for consecutively 4 days.

Bank branches will be closed in different cities for different regional festivities for the next 4 days.April 26 is a fourth Saturday. As per RBI guidelines banks across the country are closed on second and fourth Saturday of every month.

Furthermore, you must note that the banks will NOT be closed for all the days consecutively in all states or regions. This is the total number of days when banks in different parts of the country will remain closed for state-observed holidays. For instance banks will be closed for Bohag Bihu in Assam, but in other states it will NOT be closed for the same reason.Reserve Bank of India places its Holidays under three brackets --Holiday under Negotiable Instruments Act; Holiday under Negotiable

Instruments Act and Real Time Gross Settlement Holiday; and Banks' Closing of Accounts. However, it must be noted that the bank holidays vary in various states as well not observed by all the banking companies. Banking holidays also depend on the festivals being observed in specific states or notification of specific occasions in those states.

Ather Energy IPO: Check latest GMP as Rs 3,000 crore public listing to open soon

NEW DELHI. The initial public offering (IPO) of electric two-wheeler maker Ather Energy will open for subscription on April 28, 2025. This will mark the end of a gap of over two months in mainboard public listings. The issue has a total size of Rs 2,980.76 crore, and the company is valued at around Rs 11,955.66 crore based on market capitalisation.The IPO will be open for three days, starting on April 28 and closing on April 30.The Ather Energy IPO will be a book-built issue. It consists of a fresh issue of 8.18 crore equity shares worth Rs 2,626 crore and an offer for sale (OFS) of 1.11 crore shares worth Rs 354.76 crore. In the OFS, existing shareholders will sell part of their holdings, and the company will not receive the funds from that portion.

The price band for the IPO is set between Rs 304 and Rs 321 per share. The minimum bid lot for retail investors is 46 shares, which means investors will need at least Rs 13,984 to apply at the lower end of the price band. However, it is advised that investors bid at the cut-off price of Rs 321 to improve their chances of allotment. In that case, the minimum investment would be around Rs 14,766.For non-institutional investors (NIIs), the requirements are higher:Small NIIs (sNII) must apply for at least 14 lots (644 shares), needing Rs 2,06,724.

Big NIIs (bNII) must apply for at least 68 lots (3,128 shares), which comes to Rs 10,04,088.The lead managers for the issue are Axis Capital Limited, HSBC Securities and Capital Markets (India) Pvt Ltd, JM Financial Limited, Nomura Financial Advisory and Securities (India) Pvt LtdThe registrar for the IPO is Link Intime India Private Ltd, which will handle the allotment and refund process.

GREY MARKET PREMIUM (GMP)

As of April 25, 2025, the grey market premium (GMP) for Ather Energy IPO is Rs 5. This means the estimated listing price could be around Rs 326, based on the upper end of the price band at Rs 321. The

expected gain per share is around 1.56%, which is considered modest.

It is important to note that GMP values are unofficial and based on demand in the grey market. These figures can change quickly depending on investor interest and market trends.

USE OF FUNDS

Ather Energy plans to use the funds raised from the fresh issue for the following purposes:To spend on setting up a new electric two-wheeler (E2W) factory in Maharashtra.To repay or prepay certain borrowings taken by the company.To invest in research and development (R&D) activities.To spend on marketing efforts to support growth.These steps are expected to help Ather grow its manufacturing capacity, improve its balance sheet, and build a stronger presence in the electric vehicle market.

The allotment of shares for the Ather Energy IPO is likely to be finalised on Friday, May 2, 2025. Once allotments are done, refunds for unallocated shares will begin, and shares will be credited to demat accounts of successful applicants.

The company's shares are expected to be listed on both the Bombay Stock Exchange (BSE) and National Stock Exchange (NSE) on Tuesday, May 6, 2025.

Sensex, Nifty tank: Indo-Pak tensions trigger market crash. Check top losers

NEW DELHI. The stock market crashed, erasing early gains on Friday as investors were spooked by rising tensions between India and Pakistan.Dalal Street reacted to Pakistan's warning that it could scrap all bilateral agreements with India, including the 1972 Simla Agreement. It also issued a strong statement saying that any move to block or redirect water flows governed by the Indus Waters Treaty would be treated as an "act of war."Sensex plunged over 1,000 points, while Nifty tanked over 300 points, falling below 24,000 as uncertainty prevailed over geopolitical tensions.

Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Investments Limited, said that the potential headwind looming large on the horizon is the uncertainty regarding India's response to the terror attack

and its consequences.

TOP LOSERS/GAINERS ON SENSEX

Amid the widespread selling pressure, only four stocks managed to stay in the green.Infosys led the gainers with a 0.60% rise, followed by IndusInd Bank which added 0.31%. TCS showed some resilience with a 0.27% gain, and Tech Mahindra edged up 0.21%, completing the short list of stocks trading in positive territory.The carnage was much more pronounced among losers, with Axis Bank taking the worst hit, crashing 4.80%. Adani Ports tumbled significantly by 4.09%, while Bajaj Finserv plunged 3.59%. Power Grid dropped 3.18%, and Eternal fell 3.00%.

STOCKS ON NIFTY

Banking and Adani Group stocks led the massive selloff on Nifty50.

Among the top losers, Axis Bank took the worst hit, nosediving 4.71%, while Adani Enterprises tumbled 4.09%. Adani Ports slipped 3.83%, followed by Bajaj Finserv which fell 3.49%, and Trent declining 3.46%.Only a handful of stocks managed to buck the trend.SBI Life emerged as the standout performer, climbing 3.86% against the market tide. IT stocks showed relative resilience with Infosys gaining 0.59%, Tech Mahindra adding 0.35%, and TCS edging up 0.33%. IndusInd Bank also managed to stay afloat with a modest rise of 0.25%.

ED raids Gensol promoters, detains Puneet Jaggi from Delhi hotel: Report

New Delhi. The Enforcement Directorate has registered a case against the promoters of Gensol Engineering Ltd, and detained co-founder Puneet Jaggi, thereby stepping up its investigation into alleged financial irregularities at the company.

Jaggi, who is also the co-founder of EV cab service BluSmart, was detained from a Delhi hotel following searches by the probe agency at three offices of Gensol Engineering in Delhi, Gurugram and Ahmedabad, news agency PTI reported. These raids were carried out under the provisions of the Foreign Exchange Management Act (FEMA).Sources told India Today that the ED has invoked provisions under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA) following findings of fund diversion and misrepresentation flagged earlier by the Securities and Exchange Board of India (Sebi).

This comes amid mounting regulatory scrutiny of

the company's corporate governance practices.

Puneet Singh Jaggi, the co-promoter of Gensol, has been summoned for questioning by the ED. Officials said his statement will be crucial in determining the scale of alleged fund misuse and the role of other executives, if any.The federal agency has also conducted raids on the company's premises in Delhi, Gurugram, and Ahmedabad under the provisions of the Foreign Exchange Management Act (FEMA), according to news agency PTI.Gensol promoters Anmol Singh Jaggi and Puneet Singh Jaggi are now under the ED's scanner.As mentioned earlier, the ED's action is based on Sebi's findings that Gensol had secured loans from Power Finance Corporation and IREDA Ltd for electric vehicle procurement and EPC contracts, but allegedly diverted the funds.Instead of using the capital for the intended business purposes.

R&D services for cancer diagnosis not exempt from GST: Maharashtra AAR Ruling

MUMBAI. The Maharashtra Authority for Advance Ruling (AAR) has ruled that diagnostic services for conducting blood tests aimed at early cancer detection do not qualify for GST exemption under 'healthcare services'.

In the matter of Epigeneres Biotech Pvt. Ltd, the AAR concluded that these services fall under the Service Accounting Code (SAC) 998111, classified as 'Research and Experimental Development in natural sciences'.The AAR noted that the diagnostic tests provided by Epigeneres Biotech are still in the developmental stage and lack validation from medical regulatory bodies. Epigeneres Biotech provides laboratory, testing, and diagnostic services, utilizing algorithm-based technology with next-generation sequencing (NGS) data and real-time PCR (RT-PCR) machines for various tests, including whole genome sequencing.Epigeneres Biotech had claimed that its services should be classified under SAC 999316 as 'Medical laboratory and diagnostic-imaging services,' part of healthcare services. However, the AAR pointed

out the absence of a license or certificate from the Central Drugs Standard Control Organisation or approval from the Indian Council for Medical Research, determining that the tests are more akin to clinical research and development and do not qualify as a Health Care Service.

An 18% GST is applicable on research and experimental development services in natural sciences.According to Sandeep Sehgal, Partner, Tax, AKM Global, the Maharashtra AAR ruling highlights a crucial distinction between approved healthcare diagnostics and new, tech-driven testing methods.

"It clearly states that not all laboratory tests are automatically exempt from GST. If a test is still in the experimental stage and lacks approvals from regulatory bodies like ICMR or CDSCO, it will be treated as research and subject to GST. This is a key takeaway for diagnostic startups and labs using advanced technologies like genome sequencing or AI-based testing," he says.

Income tax: Under what conditions is the old tax regime still beneficial

The new tax regime was introduced in the Budget 2020 and it has already attracted a vast majority of the taxpayers to switch from the old system. However, there are a few conditions when it makes more sense for an individual to stick to the old tax reporting structure.

Kolkata. Almost a month has passed after the expiry of FY25. In another few weeks we have to file out income tax (without penalty, that is). One can file income tax returns (ITR) in any one of the two systems — the old tax regime and the new one. The chairman of Central Board of Direct Taxes Ravi Agarwal said that 75% of the taxpayers have adopted the new tax regime and the share of those switching to the new system will touch 95% before long.

However, there are a few conditions under which it makes more sense to stick to the old tax system, point out experts. While the new system has almost no deductions, its tax rates are lower and it is simple to file since there are hardly any investment records to furnish. Now, let's have a look at the exceptions when you can save more in the old tax regime.Old over new tax system in these conditions

Large HRA: If a taxpayer enjoys a huge HRA (house rent allowance) it makes more sense to stick to the old regime. The new tax system does not allow any deduction on HRA. Under the old tax regime, a salaried individual can claim exemption on HRA under section 10(13A) of the Income Tax Act 1961. The HRA considered under this section is not included in salary of the taxpayer.

Large home loan and interest outgo: Section 24(b) of the Income Tax Act allows one to claim tax deductions on interest paid up to Rs 2 lakh on self-occupied house/flat. However, if you want to claim tax deduction on the principal repayment, you have to abide by Section 80(c) of the Income Tax Act and is within the Rs 1.5 lakh ceiling per financial year.

Only those with big incomes

Himadri Mukhopadhyay, secretary, Income Tax Bar Association Calcutta told News9live.com that they have carried out necessary calculations and found that if an individual repays a huge amount of principal and interest component on home loan, and is also making significant use of the provisions of Sections 80C and 80D etc, it could be more profitable to remain in the old tax regime. "If a taxpayer has a big HRA component, it could save more taxes in the old tax system," said Mukhopadhyay. A few weeks ago, consultancy major Deloitte made these calculations and showed that those with big income — in excess of Rs 24 lakh a year — can remain in the old system only if they can claim deductions more than Rs 8 lakh a year.By the way section 80C includes a maximum investment of Rs 1.5 lakh a year and includes instruments such as tax saver FD, PPF, NSC, Sukanya Samriddhi Yojana, etc. Section 80D of the Income Tax Act deals with tax deductions on health insurance premiums for self, spouse, dependent children and dependent parents.

Delhi govt to survey beggars under SMILE scheme, focus on rehab and resettlement

Special focus on children, women, senior citizens and differently-abled; survey data to feed into national database for coordinated support

NEW DELHI. The Delhi government has invited Expressions of Interest (EoI) to conduct a survey aimed at identifying individuals involved in begging across the city. The goal is to rehabilitate, educate, and train them for employment, thereby enabling them to lead a life of dignity. Officials from the Social Welfare Department said special attention will be given to rescuing children forced into begging, as well as women, differently-abled individuals, senior citizens, and those struggling with substance abuse.This initiative is part of the Centre's SMILE (Support for Marginalised Individuals for Livelihood and Enterprise) scheme, managed by the Ministry of Justice and Social Welfare. The government has invited organisations experienced in addressing the issue of begging to conduct the survey.

According to a document accessed by this newspaper, a standardised survey format will be used to collect comprehensive data, which will then be entered into a national database accessible to various stakeholders, including state agencies, district authorities, and shelter homes. All data will be stored on a central online portal to facilitate easy access and coordination.

As part of the effort, the government plans to offer support through outreach programs, encouraging individuals involved in begging to avail themselves of services at shelter homes. Special focus will be placed on children, women, senior citizens, differently-abled individuals, and those addicted to drugs, with authorities aiming to rescue and rehabilitate them.

Children forced into begging will be referred to Child Care Institutions (CCIs), while women and other vulnerable individuals will be accommodated in separate shelter homes. The government also plans to connect young children (aged 0-6) with Anganwadi centers, which provide early childhood education and care.

Once individuals are placed in shelter homes, the focus will shift to their resettlement and long-term well-being. Children will be enrolled in government schools and adults will receive counseling and skill development training tailored to their capabilities and interests. The shelter homes will also assist in connecting individuals with vocational training centers, helping them gain skills for employment or to start income-generating activities on their own."It is suggested to motivate and counsel persons to seek help, and assess the actual reasons they got involved in begging through personal interviews—with the individuals and their family members—and through the use of standardized surveys.

Air India, IndiGo issue travel advisory after Pakistan bans its airspace

On Tuesday afternoon, five to six terrorists opened fire on a group of tourists in the Baisaran meadow, which is around 5 kms from Pahalgam. The meadow - also known as 'mini Switzerland' - is accessible only by foot or by horseback. The Pahalgam carnage was one of the deadliest civilian attacks in the Kashmir Valley in recent years.

New Delhi. International flights, especially from Delhi and other northern cities, will take a longer time to reach their destinations and fares are also likely to rise in the range of 8-12 per cent in the near term, with Pakistan closing its airspace to Indian airlines in retaliation for India's response to a deadly Pahalgam terror attack in which 26 tourists lost their lives.

Airlines like Air India and IndiGo have issued travel advisory for passengers and have warned them of service disruptions following Pakistan closing its airspace to Indian airlines.

Air India announced on X that due to newly imposed restrictions on Pakistani airspace for all Indian carriers, several of its flights to and from North America, the UK, Europe, and the Middle East may need to take longer, alternative routes. Passengers are advised to expect potential delays and plan accordingly.

"Due to the announced restriction of Pakistan airspace for all Indian airlines, it is expected that some Air India flights to or from North America, UK, Europe, and Middle East will take an alternative extended route. Air India regrets the inconvenience caused to our passengers due to this unforeseen airspace closure that is outside our control. We would like to reiterate that at Air India, the safety of our customers and crew remains top priority," Air India posted.Another Indian airline, IndiGo, also issued a travel advisory for their passengers.

"In view of the ongoing situation and Pakistan airspace closure, a few international flight schedules may be impacted. We're working to minimise the inconvenience," IndiGo posted on X.

Pakistan on Thursday closed its airspace to Indian-owned or operated airlines in retaliation for India's response to a deadly Pahalgam terror attack in which 26 tourists lost their lives.

With this decision, the Pakistani airspace cannot be used by India-registered aircraft as well as planes owned or leased by Indian operators.

PAHALGAM TERROR ATTACK

On Tuesday afternoon, five to six terrorists opened fire on a group of tourists in the Baisaran meadow, which is around 5 kms from Pahalgam. The meadow - also known as 'mini Switzerland' - is accessible only by foot or by horseback. The Pahalgam carnage was one of the deadliest civilian attacks in the Kashmir Valley in recent years.The Resistance Front (TRF), an offshoot of the Lashkar-e-Taiba, claimed responsibility for the attack.

Eyewitnesses said the terrorists emerged from the surrounding pine forests and fired at people picnicking, riding ponies, or eating at food stalls. Most of the victims were tourists, including two foreigners from the UAE and Nepal, and two locals.Jammu and Kashmir Chief Minister Omar Abdullah called the attack "much larger than anything we've seen directed at civilians in recent years".

PWD identifies 445 waterlogging spots in Delhi, assigns engineers for monsoon preparedness

NEW DELHI. In a strong move to prevent waterlogging during the upcoming monsoon, the Public Works Department (PWD) has identified 445 vulnerable spots across Delhi and assigned responsibility for each to specific engineers. Suspension orders will be issued in case of any negligence.PWD Minister Parvesh Verma said the government has adopted a "zero tolerance" policy this year, placing full responsibility on local officials. "Freeing Delhi from waterlogging is not just a goal; it is our duty. Engineers have been made accountable at every point, and any negligence will lead to suspension," Verma stated.In 2023, Delhi had 308 waterlogging points, which came down to 194 last year. However, according to new data from Delhi Traffic Police, the number has now risen to 445 in 2025, with 335 falling under the PWD's responsibility. The rest are managed by other agencies.

Assistant Engineers (AEs) and Junior Engineers (JEs) have been made in charge of the 335 PWD points. They will oversee drain maintenance, equipment readiness, and emergency response during rains. Seven critical spots will be monitored directly by the Engineer-in-Chief. For the first time, Project Engineers have been appointed as "Review Officers" for each location. They will supervise the work and submit regular reports. Pump operators will work in three shifts around the clock, and temporary shelters will be set up for them to ensure quick response during rainfall.

As part of a larger drainage upgrade, Delhi has been divided into 35 zones for desilting operations. So far, 50 kilometers of drains have been cleaned, with a target of 1,400 kilometers by May 31. Several civic agencies are working together on this. "Making sure people don't face any trouble is our top priority," Verma said.

He added that daily reports from vulnerable points will be sent directly to his office. The government is also giving special attention to seven locations that face regular waterlogging. Senior engineers will closely monitor these.

With monsoon preparations, the government hopes to prevent the usual flooding and traffic problems. Officials say that accountability, regular checks, and teamwork among agencies will be key to managing the situation this year.

Jamia's residential coaching academy helps 32 students clear UPSC civil services exam 2024

NEW DELHI. Turning aspirations into achievements, Jamia Millia Islamia's (JMI) Residential Coaching Academy (RCA) has once again emerged as a beacon of hope for civil service aspirants. A total of 32 students trained at RCA cleared the UPSC Civil Services Examination 2024, the results of which were declared on Wednesday.

According to a statement by JMI, 78 RCA candidates reached the interview stage, with 32 making it to the final selection. Among them, 12 are women, reflecting the academy's commitment to inclusive and gender-responsive education.

Alfred Thomas topped the RCA list with an All India Rank (AIR) of 33, followed by Iram Choudhary (AIR 40) and Ruchika Jha (AIR 51). Ruchika credited the academy's competitive and motivating environment for her success and shared that her first preference is the IAS in the AGMUT cadre.Many selected candidates are expected to join top services like the IAS, IPS, IRS, and IRTS.

DDA approves Rs 8,720 crore budget for FY26, with focus on civic infra, housing, and environmental projects

Budget highlights include major allocations for roads, parks, air quality, and a revenue surplus of Rs 840 crore, with significant funds for Yamuna rejuvenation and sports complexes.

NEW DELHI. The Delhi Development Authority (DDA), in a meeting chaired by Lieutenant Governor V.K. Saxena on Wednesday, approved its budget for the financial year 2025–26, outlining a significant push towards civic infrastructure, housing, environmental rejuvenation, and improved revenue mechanisms.With a total outlay of Rs 8,720 crore, this year's budget earmarks Rs 4,140 crore for capital expenditure, including the development of new roads, civic infrastructure, parks, and initiatives aimed at improving the city's air quality. DDA reported record housing receipts of Rs 3,176 crore in FY 2024–25—a 132% jump from the previous year—and aims to raise Rs 4,000 crore in FY 2025–26 through continued monetisation of unsold housing stock.

The budget projects a revenue surplus of Rs 840 crore, significantly higher than last year's Rs 372 crore. Revenue targets include Rs 1,000 crore from license fees, and overall estimated receipts stand at Rs 9,560 crore. Saxena lauded the authority's financial turnaround and called for continued efforts to make DDA financially self-sustainable.

Key highlights include Rs 4,140 crore allocated for civic infrastructure across Narela, Dwarka, Rohini and other areas. In transport, Rs 75 crore has been allocated for Delhi Metro Phase IV and Rs 38 crore for multi-level parking projects at Nehru Place, Bhikaji Cama Place and Netaji Subhash Place.

Environmental projects saw a major thrust, with Rs 82 crore allocated for rejuvenating Yamuna floodplains, including Asita East, Baansera and Vasudev Ghat. An additional Rs 100 crore is marked for the Bharat Vandana Park in Dwarka, while Rs 204 crore is set aside for upgrading green spaces across the city. Efforts to revive water bodies and improve STP infrastructure are also included.

The Dilli Gramodaya Abhiyan, aimed at modernising newly urbanised villages, gets Rs 357 crore. Projects to manage storm water and improve drainage infrastructure in Kirari, Dwarka, and Rohini have received Rs 145 crore. In sports, Rs 250 crore has been allocated for building new complexes in Dwarka, Rohini, and Narela, including a golf course. Housing development continues, with Rs 580 crore for ongoing projects, Rs 263 crore for TOD-compliant apartments in Karkardooma, and Rs 35 crore for in-situ slum rehabilitation.

To sustain revenue, DDA will dispose of land through licenses for new commercial projects, including hotels, hospitals, and sports complexes. Conversion charges from leasehold to freehold properties and pre-determined rates have been increased by 10% for the year.

Amid dhaplis and drums, JNUSU presidential debates focus on Pahalgam, Waqf Act

NEW DELHI. The political atmosphere at Jawaharlal Nehru University (JNU) was charged as the presidential debates for the JNUSU (Jawaharlal Nehru University Students' Union) elections took place ahead of voting on Friday. The campus was alive with drumbeats, flag-waving and slogans as rival camps clashed.

ABVP supporters shouted "Kashmir hamara hai" and "Hindu lives matter," while AISA supporters responded with chants of "Azadi" and "Lal Salam," alongside a Palestinian flag. From Pahalgam terror strike to Palestine and CAA-NRC to Waqf Act, the debates, which began around 11.30 pm and continued until 4 am, addressed both local and national issues. The candidates were given ten minutes each to speak. Prior to the speeches, a two-minute silence was held for the victims of the Pahalgam terror attack. ABVP's presidential candidate, Shikha Swaraj, referenced the attack, asking, "To those who say terrorism has no religion—were the victims not asked their faith?"She positioned ABVP as the "rising sun" of campus politics, criticising the Left with the slogan: "Andhera hai, raat hai… laal andhera chhantega."

SFI candidate Chaudhary Tayyaba Ahmad focused on Kashmir, questioning the central government's handling of violence in the region. She also criticised ABVP for "harassing female students" and called for the reinstatement of the Gender Sensitization Committee Against Sexual Harassment (GSCASH) and an increase in funding for labs and fellowships. NSUI's Pradeep Dhaka took a broader political approach, connecting issues like the farmers' protests and the Adani scandal, while AISA's Nitish Kumar emphasised JNU's electoral integrity, saying, "This is no mayoral election in Chandigarh to be rigged. This is JNU!"The political alliances in the election have shifted this year.

Amid tensions with Pakistan, what does India's 'Aakraman' exercise indicate?

India's frontline fighter jets and IAF's top pilots took part in a large-scale military exercise amid heightened tensions with Pakistan. History has ample proof to show that such exercises have preceded conflicts.

New Delhi. As the survivors of the horrific Pahalgam massacre picked up the pieces, India's frontline fighter jets and its top pilots took part in a large-scale military exercise and the Navy demonstrated its operational readiness amid heightened tensions with Pakistan. While official sources called it a routine drill, instances in the recent past have shown these exercises to be indicators of preparations for a broader conflict.That the IAF deployed its top-of-the-line fighter jets, the Rafale, for the exercise, called Aakraman (attack), and it involved some of the force's best "top guns" showed the magnitude and gravity of the drill.

What is noteworthy is the timing of the exercise, coming amid heightened tensions between India and Pakistan following the terror attack in Pahalgam that left 26 tourists dead. As part of the exercise, the IAF pilots rehearsed high-intensity ground strike operations across diverse landscapes, including mountainous terrain. The extensive drill also involved IAF's Su-30MKI squadrons.

The massive scale of the operation could be gauged by the fact that several assets of the IAF were moved from multiple airbases, including from the eastern side. The drills also involved extended-range sorties and precision bombing on distant targets, usually intended for deep-strike missions. The whole exercise was closely monitored by senior IAF leadership.

The IAF's offensive prowess was seen during the Balakot airstrikes in the aftermath of the Pulwama terror attack in 2019, where Mirage 2000 jets were deployed to flatten terror launchpads inside Pakistan. During the dogfight, the IAF even shot down a more advanced Pakistani F-16 jet.

Since then, the IAF has been bolstered by the addition of the Rafale, a 4.5 generation fighter aircraft. The S-400 air defence system, capable of neutralising aerial threats, is also there in India's arsenal.

At the same time, the Navy's guided-missile destroyer INS Surat successfully test-fired a medium-range surface-to-air missile in the Arabian Sea. It came as Pakistan issued a NOTAM to conduct a surface-to-surface missile test in the Arabian Sea.

The series of events have sparked panic in Pakistan, which has put its forces on alert and scrambled military aircraft to air bases near the Union Territory. Screenshots on X of flight tracking website Flightradar24 seem to show Pakistan Air Force (PAF) aircraft departing from Karachi for bases in the north near Lahore and Rawalpindi.

As the IAF's military drills sparked speculation on social media, it pointed out that it was a routine training exercise and was held regularly.

NEWS BOX

Trump To Offer Saudi Arabia Over $100 Billion Arms Package: Report

Washington. The United States is poised to offer Saudi Arabia an arms package worth well over $100 billion, six sources with direct knowledge of the issue told Reuters, saying the proposal was being lined up for announcement during U.S. President Donald Trump's visit to the kingdom in May.

The offered package comes after the administration of former President Joe Biden unsuccessfully tried to finalize a defense pact with Riyadh as part of a broad deal that envisioned Saudi Arabia normalizing ties with Israel.The Biden proposal offered access to more advanced U.S. weaponry in return for halting Chinese arms purchases and restricting Beijing's investment in the country. Reuters could not establish if the Trump administration's proposal includes similar requirements.The White House, Pentagon and Saui government communications office did not immediately respond to requests for comment. In his first term, Trump celebrated weapons sales to Saudi Arabia as good for U.S. jobs.Lockheed Martin Corp could supply a range of advanced weapons systems including C-130 transport aircraft, two of the sources said. One source said Lockheed would also supply missiles and radars.

RTX Corp, formerly known as Raytheon Technologies, is also expected to play a significant role in the package, which will include supplies from other major U.S. defense contractors such as Boeing Co, Northrop Grumman Corp and General Atomics, said four of the sources.All the sources declined to be named due to the sensitivity of the matter.

Lockheed Martin, RTX, Northrop and General Atomics declined to comment. Boeing did not immediately respond to a request for comment.

Reuters could not immediately establish how many of the deals on offer were new. Many have been in the works for some time, two of the sources said. For example, the kingdom first requested information about General Atomics' drones in 2018, they said. Over the past 12 months, a deal for $20 billion of General Atomics' MQ-9B SeaGuardian-style drones and other aircraft came into focus, according to one of the sources.Several executives from defense companies are considering traveling to the region as a part of the delegation, three of the sources said.

The U.S. has long supplied Saudi Arabia with weapons. In 2017, Trump proposed approximately $110 billion of sales to the kingdom.

Harvard Seeks To Sell $1 Billion In Private Equity Stakes, Says Report

New York. Harvard University's endowment is in advanced talks to sell private equity fund interests totaling about $1 billion amid financial uncertainty and President Donald Trump's threats to cut federal funding, according to Bloomberg News on Thursday.

Trump has threatened to withhold federal funding from colleges and universities over pro-Palestinian campus protests against U.S. ally Israel's military assault on Gaza, as well as a range of other issues, such as climate initiatives, transgender policies and diversity, equity and inclusion programs.

Harvard Management Company, which oversees the largest endowment in U.S. higher education, is being advised by Jefferies Financial Group to sell the portfolio to private equity firm Lexington Partners, the report added, citing sources familiar with the matter.The terms of the deal, which might be in a secondaries transaction, are not final and are subject to change, according to the report.Harvard Management, Jefferies and Lexington Partners did not immediately respond to a Reuters request for comment.Thursday's report comes after Harvard University said earlier in the month that it plans to borrow $750 million from Wall Street as part of contingency measures.The Trump administration has set conditions for Harvard to receive federal funds, including a ban on protesters wearing masks and other restrictions.Harvard has a $53 billion endowment, the largest of any U.S. university. Advocates, students and several faculty members had called on university leadership to resist the administration's demands.

US State Department Spokesperson Shuns Pak Journalist Over Pahalgam Attack

Washington.US State Department spokesperson Tammy Bruce shunned a Pakistani journalist's questioning over India-Pakistan border tensions following the terrorist attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam on April 22, which claimed the lives of 26 people while several others were injured.

When asked about the border tensions between India and Pakistan during the press briefing on Thursday (local time), Bruce responded, "I am not going to be remarking on it. I appreciate this, and perhaps, we will come back to you with another subject. I will say nothing more on that situation. The President and the Secretary have said things, as have the deputy secretary; they have made their positions clear. I will not continue with something of that manner."As many as 26 people were killed in India, and several others were injured after terrorists attacked tourists at Baisaran meadow in Pahalgam on Tuesday. It was one of the deadliest attacks in the valley since the 2019 Pulwama strike in which 40 CRPF jawans were killed.While addressing a press briefing on Thursday (local time), Bruce said that US President Donald Trump and US Secretary of State Marco Rubio have made clear that the US stands with India and strongly condemns all forms of terrorism. She said that the US prays for those who lost their lives in the attack and for the recovery of the injured.

"I Will Say Nothing More": US Spokesperson Shuns Pak Journalist's Pahalgam Question

Washington.US State Department Spokesperson Tammy Bruce on Friday shunned a Pakistani journalist during a press briefing for questioning her over border tensions between India and Pakistan following the Pahalgam terrorist attack in Jammu and Kashmir. US President Donald Trump and Secretary of State Marco Rubio have made it clear that the US stands with India and have strongly condemned all forms of terrorism, she said. Follow Live Update here"I am not going to be remarking on it. I appreciate this, and perhaps we will come back to you with another subject. I will say nothing more on that situation. The President and the Secretary have said things, as have the Deputy Secretary; they have made their positions clear. I will not continue with something of that manner," Ms Bruce said.She said that the US prays for those who lost their lives in the terror attack and for the recovery of the injured.On the terrorist attack in Pahalgam, she said, "As

President Trump and Secretary Rubio have made clear, the US stands with India, strongly condemns all acts of terrorism. We pray for the lives of those lost and pray for the recovery of the injured and call for the perpetrators of this heinous act to be brought to justice."President Trump had called Prime Minister Narendra Modi to offer condolences for the victims of the terror attack. PM Modi thanked Trump for his support and said India is determined to bring perpetrators and backers of this "cowardly and heinous terrorist attack" to justice.On April 22, terrorists killed 26 people, including tourists, at Baisaran, a popular tourist spot in South Kashmir's Pahalgam, known as "Mini Switzerland".Addressing a public meeting in Bihar's Madhubani yesterday, PM Modi vowed that India will "identify, track, and punish" every terrorist and their "backers" involved in the Pahalgam carnage and pursue the killers to the "ends of the earth".

"Friends, today from the soil of Bihar, I say to the whole world India will identify, track, and punish every terrorist and their backers. We will pursue them to the ends of the earth. India's spirit will never be broken by terrorism," he added.In its first retaliation, India announced punitive measures against Pakistan, including suspending the Indus Waters Treaty and downgrading diplomatic ties. India on Thursday announced revoking all visas issued to Pakistani nationals from April 27 and advised Indian nationals residing in Pakistan to return home at the earliest amid tensions between the two countries.

Trump-themed burger joint draws crowds in Texas

UPDATED. In a small Texas town northwest of Houston, a Trump-themed burger restaurant is attracting crowds with its mix of political flair and fast food. One of four such franchises in the state, the Bellville location opened in 2020 and has become a weekend hotspot for bikers, families, and supporters of President Donald Trump.Cardboard cutouts of Trump, 2024 campaign banners, and shelves of MAGA merchandise set the scene, while the menu offers items like the "Trump Burger" and the hefty two-patty "Trump Tower," priced at USD 16.99.Each burger bun is branded with the name "Trump." Also on the menu, at least in jest, is a "Biden Burger," described as being made with stale buns and old tomatoes, listed at USD 50.99 but marked "unavailable due to cheating and inflation."Despite the heavy branding, the franchise is not affiliated with the Trump Organization. Still, it serves as a gathering place for

political conversation, and praise for Trump's return to the White House.

Many customers expressed support for what they see as a productive start to Trump's second term. 47-year-old Jason Sullivan, who works in oil and gas, applauded the administration's push to revive fossil fuel projects.

"A lot of developments that were shelved under the previous administration are now moving forward," he said.

Kim Vanek, a 59-year-old retiree, also praised Trump's fast pace in his first 100 days back in office. "He's on the right path," she said, referencing the administration's mass layoffs of civil servants, tariffs targeting foreign imports, and a crackdown on undocumented immigration. "You're going to see a lot of good things come out of the next three years."34-year-old August Money, a Republican working in health care technology, criticized the administration's handling of tariffs and its deportation policies. "The rollout was chaotic, and the calculations didn't make much sense," he said. He also expressed concern about deportations of alleged gang members without court hearings. "That's a dangerous and slippery slope."Located in Austin County, where 80 percent of voters backed Trump in the last election, the Bellville eatery is a symbol of the former president's enduring appeal—and the divisions that come with it.

AI Can Help Save 122 Hours A Year In Administrative Tasks: Google

Britain could gain 400 billion pounds from AI-driven growth if it trained its workforce, Google said.

London. Britain could gain 400 billion pounds ($533 billion) from AI-driven growth if it trained its workforce, Google said, after a pilot scheme in the UK showed workers could save more than 120 hours a year by using AI in administrative tasks.Simple steps such as giving workers permission to use AI and a few hours of training to get them started could help double the adoption of the new technology, and in turn boost economic growth, Google said in a report on its pilot scheme, published on Friday.The U.S. tech giant, which developed the Gemini AI chatbot, said that according to analysis by Public First, its partner in the scheme, two thirds of workers - particularly older women from lower socio-economic backgrounds - had never used generative AI at work.Debbie Weinstein, Google's Europe, Middle East and Africa president, said the AI

Works pilots - conducted in a small business network, educational trusts and a union - showed workers could save on average 122 hours a year by using AI in administrative tasks.But one barrier stopping some from dipping a toe into the water was a concern that using AI in their job was not legitimate nor fair."People wanted 'permission to prompt'", Weinstein said in an interview. "'Is it okay for me to be doing this?' And so giving them that reassurance was really important."

Once they started, a few hours of AI training to build their confidence resulted in them using the technology twice as much, she said, and they were still using it several months later.These simple interventions helped to narrow the AI adoption gap amongst the participants in the pilot studies, Google said in its AI Works report.

Before training, for example, only 17% of women aged above 55 in its cohorts used AI weekly and only 9% daily.

Massachusetts Mom Dies in 75-foot fall at Purgatory Chasm during family hike

WORLD. A 49-year-old woman died after falling off a cliff while hiking with her children at Purgatory Chasm State Reservation in Sutton, Massachusetts, on Wednesday. The victim, identified as Carolyn Sanger of Topsfield, was on a family outing when the accident occurred, according to a press release by the Sutton Police Department.

Authorities said Sanger plunged approximately 50 to 75 feet (15 to 23 meters) into the canyon. The incident happened in a rugged section of the park known for its deep drops and treacherous terrain. Despite the quick response of medical workers who happened to be hiking nearby, Sanger died immediately from the fall.

According to the Associated Press, Sanger was hiking with three of her four children and other family members when the accident occurred.Although the chasm trail usually closes in winter because of slippery and hazardous conditions, state officials indicated Wednesday's

weather was not wet. The ground, though, remains hazardous with steep overhangs and unstable edges.

"There are paths above the chasm you can follow, and hazardous overhangs if you're walking out to the edge to peer

Carolyn Sanger, 49, died after falling 75 feet while hiking with her children at Purgatory Chasm in Massachusetts. The tragedy highlights the dangers of rugged trails and prompts renewed safety warnings.

down," hiker Andy Spears explained to WCVB-TV.The tragedy has reignited conversations around hiking safety, particularly in areas with cliffs or exposed drop-offs. Officials are urging hikers to exercise extreme caution, especially when accompanied by children.

Rewrite the Rules': Trump Store sells 2028 hats, teasing third presidential term

Trump's new "Trump 2028" hat, sold via his family's online store, stirs controversy by hinting at a potential third term, challenging constitutional norms and energizing his political base.

WORLD. The Trump Organization's online store has launched a new $50 red cap boldly embroidered with "Trump 2028", fueling speculation — and controversy — over Trump's repeated hints at seeking a third term in office.The future looks bright! Rewrite the rules with the Trump 2028 high crown hat," read the initial product description on the website before it was later toned down. The revised listing now calls it: "A statement piece... made in America... your new go-to hat," reports New York Post.The hats are not being sold by Trump's official campaign but through the Trump Organization, his family-run business.A photo posted by the Trump campaign's Trump War Room account showed Eric Trump proudly sporting the cap.The message behind the merchandise appears to riff on the 22nd Amendment of the US Constitution, which states unequivocally:"No person shall be elected to the office of the President more than twice."However, in a March interview on NBC's "Meet the Press" Trump said that he's "not joking" about a possible third term."A lot of people want me to do it," he

told the interviewer. "We have a long way to go it's very early in the administration."That statement came shortly after he returned to the White House for a second term following his 2024 election win.From "Make Greenland Great Again" tees to Trump-branded Bibles, sneakers, and cologne, Trump's commercialization of political branding has become a hallmark of his movement. The new "Trump 2028" hat is just the latest item in what critics say is a merchandising blitz that sometimes blurs the line between satire and serious intent. According to Axios, the Trump campaign has leaned heavily on thematic merch to energize its base — with references to crypto ("DOGE"), foreign policy ambitions ("Gulf of America"), and now, potential constitutional revisions.

Political analysts interpret the 'Trump 2028' hat not just as merchandise, but as a signal to supporters who believe he could or should challenge the presidential two-term limit—a feat only achieved by Franklin D. Roosevelt.

NEWS BOX

Tennis legend Roger Federer named honorary starter for Le Mans

New Delhi. Tennis legend Roger Federer has been named the official starter for the 93rd edition of the 24 Hours of Le Mans, one of the most iconic events in motorsport. The race will take place on June 14, 2025, at the historic Sarthe circuit in northwest France, where Federer will have the honour of waving the flag to kick off the race at 4 p.m. local time.

Each year, the Automobile Club de l'Ouest (ACO) selects a prominent international figure to begin the world-famous endurance race. Last year, that privilege went to French football icon Zinedine Zidane. This year, it's Federer's turn to bring his own touch of greatness to the start line-a moment sure to blend sporting excellence with emotional resonance."It will be a tremendous privilege to welcome Roger Federer as the official starter of the 24 Hours of Le Mans," said ACO President Pierre Fillon. "His impact goes well beyond tennis. Roger is not just a champion, but a symbol of elegance, humility, and resilience-qualities that mirror the very spirit of Le Mans."

Federer, who retired with 20 Grand Slam titles and a record 310 weeks as world No. 1, was humbled by the invitation. "It's a huge honour to be asked to start the 24 Hours of Le Mans, such an iconic and demanding race," he said. "I've always been fascinated by the commitment, precision, and resilience it takes to compete here. To be part of something this special is a remarkable experience."His presence continues a long-standing Le Mans tradition of inviting global cultural and sports icons to open the race. With Federer now part of that legacy, excitement around this year's edition has only grown.Recent races have seen Ferrari dominate, while Swiss drivers like Sbastien Buemi, Neel Jani, and Marcel Fssler have all tasted victory at Le Mans-further deepening the Swiss connection to the event this year.

IPL 2025: Dewald Brevis to make CSK debut against SRH? Stephen Fleming reacts

New Delhi. Chennai Super Kings head coach Stephen Fleming said that Dewald Brevis is one of the players in consideration for making his CSK debut against SRH on Friday, April 25. Brevis, who went unsold during the IPL 2025 auction, was roped in by Chennai for the remainder of the season as a replacement for the injured Gurjapneet Singh.Brevis has played 10 matches in his IPL career and scored 230 runs. Fleming was asked if the South African could make his debut on Friday, and the CSK coach admitted that he is one of the options they're considering.

Fleming said that there are some other players who have been with the squad from the start of the season and they will have to put out the best team for the match against Hyderabad. The CSK coach said that they will need to look at the impact Brevis can have on the game.

"He's one of the options that we'll look at. We've got other players as well who have been with us for the whole tournament. Brevis is a good addition to the squad, but we just have to manage what we think would be the best team, given the players that have been working away with us, and also look at the impact that Brevis can have. So that's part of the discussion," said Fleming.'Low confidence reason for poor form of middle-order.'

Speaking about the poor form of the middle order, Fleming said that the players may be low on confidence and they haven't been able to convert the starts into big scores. The CSK coach said that the batting hasn't clicked this season."It's a mix of things - maybe confidence is low. The IPL is tough. Players are getting starts - 20s and 30s - but we haven't converted those into big scores. We're missing that one 75+ innings that sets up the rest of the team. So the batting order hasn't quite clicked, and we haven't had a single performance worthy of our "honours board" this year," said Fleming.

Arshad Nadeem competing in India out of question: Neeraj Chopra on row over invite

Neeraj Chopra issued a statement clarifying that the invitation to Arshad Nadeem for the NC Classic event was extended well before the Pahalgam terror attack. Expressing deep pain, Neeraj said he and his family have been deeply hurt by the wave of hate and abuse they've faced since the

New Delhi. Two-time Olympic medallist Neeraj Chopra has issued a clarification addressing the recent controversy surrounding the invitation extended to Pakistani javelin thrower Arshad Nadeem for the NC Classic event.Neeraj said that the invitation was sent well before the tragic terrorist attack in Pahalgam and expressed deep anguish over the wave of hate and abuse directed at him and his family since then. "It has been incredibly painful," he wrote, urging people to understand the context and show compassion.

Neeraj, who revealed that he and his family have faced significant backlash over the issue, stated that Arshad's participation is now "completely out of the question" following the terror attack in Pahalgam, which claimed 26 lives and left several others injured.

In his post, Neeraj Chopra said, "I am usually a man of few words, but that doesn't mean I will stay silent when I see something wrong—especially when my love for the country and the honour of my family are being questioned."Chopra shared that he has received an overwhelming amount of hate and abuse for inviting Arshad Nadeem to the Neeraj Chopra Classic, and that his family has been unfairly dragged into the controversy.

"There has been so much talk about my decision to invite Arshad Nadeem to compete in the Neeraj Chopra Classic, and most of it has been hate and abuse," Neeraj said.Earlier this week, Neeraj Chopra addressed a press conference where he announced the initial list of participants for the NC Classic and confirmed that the

event had been shifted from his home state of Haryana to Bengaluru. He mentioned that invitations had been extended to several top javelin throwers, including Paris Olympic silver medalist Arshad Nadeem."Yes, I have spoken to Arshad Nadeem.

He said he would discuss it with his coach and confirm. But as of now, he hasn't confirmed. Once the athletes confirm, I'll be able to share the final list. Every top athlete has been invited, and Arshad has also been invited. (If he competes), it will involve the government, so once everything is confirmed, we will know the final list," Neeraj Chopra had said in the press conference.

Arshad Nadeem later declined Neeraj Chopra's invitation to participate in the NC Classic javelin event, scheduled for May 24 in Bengaluru. While Nadeem shares a strong camaraderie with Neeraj on the field, he cited a scheduling conflict with his training for the upcoming Asian Athletics Championships as the reason for his absence. On Thursday night, the organisers released the final list of international participants, and Arshad's name was notably absent.Addressing the online hate, Neeraj clarified that his aim was only to bring the best athletes to India. He also called out people for questioning his integrity and targeting his family."They haven't even spared my family.

The invitation I extended to Arshad was from one athlete to another-nothing more, nothing less. The aim of the NC Classic was to bring the best athletes to India and make our country a hub for world-class sporting events. Invitations had gone out on Monday, two days before the terrorist attacks in Pahalgam. After everything that has happened in the past 48 hours, Arshad's presence at the NC Classic is completely out of the question."

Virat Kohli took early retirement from T20Is, could have played till 2026: Raina

New Delhi. Former India cricketer Suresh Raina believes that Virat Kohli retired from T20 Internationals too early and could have played until the 2026 T20 World Cup, which will be held in the subcontinent. Raina made the remark after Kohli produced a vintage knock of 70 off 42 balls against the Rajasthan Royals at the M. Chinnaswamy Stadium on Thursday.Raina further added that Kohli still had plenty left in the tank and could have continued contributing at the highest level. Notably, Kohli ended his T20I career on a high note after guiding India to a title win at the 2024 T20 World Cup in Barbados.

"I still think that Virat Kohli retired early from T20I cricket. He could have played until 2026, based on the rhythm with which he is playing right now, and the rhythm during the 2025 Champions Trophy as well. The way he has maintained his fitness, he looks like he is at his peak still," Raina said on Star Sports.

The 35-year-old delivered a match-winning performance in the final and bowed out with 125 T20Is to his name, scoring 4,188 runs at an average of 48.69. His record includes one century, 38 fifties, and a wealth of crucial knocks that shaped India's T20 journey over the years.

A true giant in World Cup history, Kohli remains the leading run-scorer in T20 World Cup history with 1,292 runs. He also holds the record for most runs in a single edition (319 in 2014) and most 50-plus scores (15). Over the course of his career, he featured in six T20 World Cups.

As India gears up to defend their T20 World Cup title next year with a youthful squad, the absence of stalwarts like Kohli, Rohit Sharma, and Ravindra Jadeja will be keenly felt.The Royal Challengers Bengaluru opener produced a classy 70 against Rajasthan Royals on a challenging pitch, moving from eighth to second in the Orange Cap standings. With five half-centuries and 392 runs in nine matches, Kohli trails only Gujarat Titans' Sai Sudharsan, who has 417 runs in eight games.In yet another record-breaking feat, Kohli became the first player in IPL history to score over 3,500 runs at a single venue—the M. Chinnaswamy Stadium—further cementing his legendary status in the game.

Sanjay Bangar backs CSK to push SRH on last spot with win in spin-friendly Chennai

New Delhi. Former India cricketer-turned commentator Sanjay Bangar has backed Chennai Super Kings (CSK) to beat Sunrisers Hyderabad (SRH) in Match 43 of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025). Both CSK and SRH are reeling at the last two spots on the points table with just two wins from eight matches. Both teams started their campaign with victories but failed to continue their winning momentum as the squad failed to perform collectively.Ahead of their fixture, Sanjay Bangar feels Chennai will easily roll over Hyderabad, given their spin strength. He also mentioned how the management is moving away from their earlier pattern and is more focused on giving chances to youngsters.

"I believe CSK will win against SRH. CSK's spin strength, backed by MSD, will be key, and they'll ensure there's assistance for the spinners. The team is evolving, moving away from their earlier pattern with more focus on youngsters. SRH, on the other hand, has been inconsistent," said Bangar on JioHotstar.

Both Chennai and Hyderabad are coming into the fixtures having lost their previous games against the Mumbai Indians (MI). CSK lost to MI by nine wickets, while SRH lost both of their last two fixtures against Mumbai. Hence, both teams are carrying poor recent form into the upcoming match.

CSK hold the edge over SRH in IPL history, having beaten them 16 times out of the 22 matches played between the two teams. Moreover, the five-time champions hold a clean record against Hyderabad at home, having beaten them in all five matches played at the MA Chidambaram Stadium in Chennai.

Hence, CSK are firm favourites to win the upcoming game with history being in their favour. However, SRH are capable of springing a surprise as their explosive batting lineup is capable of dismantling any bowling attack on their day.

Disgrace: Danish Kaneria to Pakistan Deputy PM over 'freedom fighters' remark

New Delhi. A day after calling out Pakistan Prime Minister Shehbaz Sharif for his silence over the Pahalgam terror attack, former Pakistan cricketer Danish Kaneria has now slammed his nation's deputy Prime Minister Ishaq Dar for calling the terrorists 'freedom fighters'. The terrorists launched a deadly attack on a popular tourist spot in Pahalgam on Tuesday (April 22), killing 26 people. The assault marked the deadliest in the Kashmir Valley since the 2019 Pulwama attack.

The Resistance Front (TRF), an affiliate of the banned Lashkar-e-Taiba (LeT), has claimed responsibility for the massacre. The incident has received widespread condemnation, with top leaders of the world raising their voices against terrorism.

However, much to everyone's surprise, Ishaq Dar has bizarrely called them 'freedom fighters'. The comment wasn't received well by Kaneria, who termed his statement 'disgraceful' and stated that it

was an open admission of harbouring terrorists.

When the Deputy Prime Minister of Pakistan calls terrorists "freedom fighters," it's not just a disgrace — it's an open admission of state-sponsored terrorism," wrote Kaneria on his X account.

Speaking to reporters in Islamabad, Dar had said, "Those who carried out attacks in Jammu and Kashmir's Pahalgam district on April 22 might be freedom fighters". Earlier, Kaneria also called out the Pakistan PM Shehbaz Sharif's silence on the matter and accused him of 'sheltering and nurturing terrorists.'The former cricketer has been quite vocal about his country's government stance towards terrorism and has openly criticised them for protecting and sheltering them.

"I am not speaking against Pakistan or its people. The Awam of Pakistan have suffered the most at the hands of terrorism. They deserve leadership that stands for peace, not one that shelters terrorists or stays silent when innocents are murdered. I once wore Pakistan's jersey with pride. I gave my sweat and blood on the cricket field.

But in the end, I was treated no differently than the victims of the Pahalgam attack — targeted simply for being Hindu. Shame on those who justify terror. Shame on those who protect killers. I stand with truth. I stand with humanity. And I believe the people of Pakistan do too. Don't mislead them. Don't stand with evil," wrote Kaneria in another X post.

No More India vs Pakistan In World Cup Group Stage After Pahalgam Terrorist Attack? Report Claims, "BCCI..."

The BCCI has also made its stance clear regarding playing Pakistan on the cricket field after the Pahalgam terrorist attack

New Delhi. In the aftermath of the Pahalgam terrorist attack that claimed the lives of 26 people in Kashmir on April 22, the heinous act has been condemned worldwide. Reactions have strong from all quarters, including sports organisations. Twenty six people died as terrorists from a Lashkar-e-Taiba offshoot opened fire on a group of unsuspecting tourists in the scenic meadows of Baisaran in Pahalgam, resulting in one of the worst face-offs with Pakistan. Cricket between the two countries has also come under focus after the Pahalgam terrorist attack.

India and Pakistan, for the last decade, have been playing each other only in ICC (International Cricket Council) and continental cricket events. The last time the two teams played a bilateral series between themselves was in 2012-13. India vs Pakistan cricket clashes always draw huge crowd in any part of the world. Almost always the two teams are drawn together in the group stages of all ICC and continental events to grab maximum eyeballs. But after the Pahalgam terrorist attack, some speculative reports claimed that the Board of Control for Cricket in India (BCCI) has written to the ICC, so

that India and Pakistan are not clubbed in the same group in future global events (like World Cup and the Champions Trophy).

A report in Cricbuzz, however, said it was not the case. "A top BCCI office-bearer also told that such a development is news to him. The BCCI authorities are sensitive to the prevailing national mood but as things stand, there is no truth to the speculation," it said.

There is no big men's ICC event this year. The Women's World Cup will be played in India in September-October. Pakistan have qualified for it and as per earlier agreements, it will play its matches at a neutral venue. Before that there is the men's Asia Cup, where India are the designated hosts. That tournament will also be held at a neutral venue.

The BCCI has also made its stance clear regarding playing Pakistan on the cricket field. "We are with the victims and we condemn it. Whatever our government will say, we will do. We don't play with Pakistan in bilateral series because of the government stand. And we will not play with Pakistan in bilaterals going forward. But when it comes to ICC event we play due to ICC engagement. ICC is also aware whatever is happening they will to it (sic)," Rajeev Shukla, BCCI vice-president, told Sports Tak.

Nushrrat Bharuccha

Was Told She's 'Too Pretty' For Frieda Pinto's Role In Slumdog Millionaire: 'Yeh Kya Hai?'

Nushrrat Bharuccha was almost cast as Latika in Slumdog Millionaire but was considered too pretty. She understood the decision after watching the film, which won eight Oscars.

Nushrrat Bharuccha almost debuted in Slumdog Millionaire. Yes, the 2008 Oscar-winner could've had her in the role of Latika, the slum girl eventually played by Freida Pinto. But get this—she was told she was too pretty for the part! In a recent chat with Bollywood Bubble, Nushrrat revealed that she was totally confused when the casting team broke the news. "When I was told this on the phone, I wasn't understanding what it meant. But I said, 'Okay,' because they're people working at a different level and their thought is very different. Maine kaha theek hai hoga bhai kuch, kuch toh socha hoga aapne (There must be something there, they must have thought of something). No problem, sure. But ya, it was a little difficult to hear ki yeh

kya hota hai, yeh kya hai (what kind of a reason is that)," she recalled.

Nushrrat said she understood why she wasn't cast in Slumdog Millionaire after watching the film. She said, "There was no way I'd have been able to play that. Jo do chhoti bachchiyan bhi thi, aap logic hi nahi bitha sakte ki wo grow kar ke ye banengi (you can't find it logical that the two little girls shown in the film would grow up to become me)."

About Slumdog Millionaire

Slumdog Millionaire is a 2008 British-Indian drama film directed by Danny Boyle and based on the novel Q & A by Vikas Swarup. The story follows Jamal Malik, a young man from the slums of Mumbai, who becomes a contestant on the Indian version of Who Wants to Be a Millionaire?. As he answers each question, the film takes viewers through flashbacks of his life, showing how his experiences led him to the right answers. It went on to win eight Academy Awards, including Best Picture and Best Director, and helped launch the global careers of several of its cast members, including Freida Pinto and Dev Patel.

Arjit Taneja, Sriti Jha's Kaise Mujhe Tum Mil Gaye to Air Final Episode on THIS Date, Fans Get Emotional

Arjit Taneja and Sriti Jha's romantic drama Kaise Mujhe Tum Mil Gaye will soon go off air. The show is all set to air its final episode and it will premiere on May 11. Today, Arjit Taneja has confirmed leaving all fans teary-eyed and nostalgic. He even shared a series of photos from the set with Sriti Jha.Taking to his X handle, Arjit wrote, "Last episode on the 11th of May ... #KaiseMujheTumMilGaye." As soon as he made the announcement, fans reacted. One of the fans wrote, "We're going to miss this show so bad but as heavy our hearts are that it's ending, I'm so grateful that it happened! This will forever be the best show I've ever seen.' Another wrote, "KMTMG will rule in our hearts for forever and ever." This show and all of you guys will be missed so very much, Arjit I wish it was not ending, but I am so grateful that no character was butchered for TRPs You guys have made an excellent show, and you should be so, so proud. #KaiseMujheTumMilGaye is definitely for the history books," read another comment.

Sriti Jha and Arjit Taneja are paired opposite each other in Kaise Mujhe Tum Mil Gaye. Sriti portrays the character of Amruta and Arjit plays the role of Virat. Kaise Mujhe Tum Mil Gaye premiered on November 27 last year and has engaged viewers with an intriguing storyline. The show revolves around the lead characters who have drastically different personalities in terms of their thoughts on relationships. Interestingly, fans refer to Sriti and Arjit as #AmVira on social media.

The Free Press Journal mentioned that Kaise Mujhe Tum Mil Gaye TRP wasn't great. In week 15, the show got TRP of 0.5 which quite less. Before Kaise Mujhe Tum Mil Gaye, both the actors had worked together in Kumkum Bhagya.

The show, which brought together two popular television faces—Arjit and Sriti—for the first time, struck a chord with viewers through its heartfelt storytelling, strong chemistry between the leads, and layered character arcs. From awkward first meetings to intense emotional confrontations, Kaise Mujhe Tum Mil Gaye offered a fresh take on love, trust, and companionship.

Nani's Fan Approaches Him With A Film Script At HIT 3 Kochi Event; Here's What Happened Next

At HIT 3's Kochi press conference, Nani received a script from a fan and promised to read it, encouraging the fan to follow his passion. The video is going viral.

Nani is gearing up for the release of HIT 3. At the film's press conference in Kochi, the actor received a sweet surprise from a fan who approached him with a script. The actor asked his fan to come to the stage, took the script from him and promised to read it on his way back. He also encouraged him to follow his passion and imparted pearls of wisdom. The actor's sweet gesture is going viral on social media.Nani, accompanied by his HIT 3 co-star Srinidhi Shetty at the film's Kochi event, politely requested his fan to come to the stage. "Do you have a synopsis?", the actor asked him. When he nodded in affirmation, the fan walked up to the stage and handed him a printed copy of his script, along with a link to his YouTube short film.

Receiving it, Nani made a promise to the fan. He said, "Today, on my way, I will read it. Or once I get on the flight, I will spend some time. I will watch the YouTube short also. This is my job. This is my responsibility – not for you, I'll do it for me." The fan look overwhelmed and asked if he could hug him. "Yes, of course," the actor said, without any second thoughts.Nani then told him, "Good luck, all the very best. Be with the same passion. I can see your heart is beating fast. I can see your love for cinema. If you continue this, if not for me, someone will [okay your script]. You will reach the place you want to reach." The video is winning hearts for the volume of empathy and love Nani has for his fans. Check it out here:

Nani takes on the baton from Vishwak Sen and Adivi Sesh, as he enters the HIT 3 franchise. Directed by Sailesh Kolanu, HIT: The Third Case is being produced by Prashanti Tipirneni under the banner of Wall Poster Cinema. The music for the film is composed by Mickey J Meyer. The cinematographer is Sanu John Varghese, while Karthika Srinivas is the editor.

Madhuri Dixit's

Husband Dr Sriram Nene Opens Up About 'Accidental' Fame: 'Everyone Wants A Selfie With Me'

Madhuri Dixit's husband, Dr Sriram Nene, has opened up about his newfound fame after marrying one of Bollywood's top actresses and moving to India. Dr Nene said that while he was used to treating celebrities in the US, he has become a celebrity by association in India and is often asked for selfies. Although he feels like an impostor, he acknowledges that this stardom comes with responsibility.Dr Nene told Dr Deepak Chopra, "I'm the accidental Yankee in King Arthur's court, and the incidental tourist, if you will. My wife's the famous one, I'm just here for the ride. But, other than the impostor syndrome that all of us face on the spectrum, it's the power of one to make a difference in the lives of many. Don't ever underestimate how powerful each of you is."

He added, "The idea of using fame to other people's benefit is what we were thinking about. I was at UCLA, I took care of a lot of celebrities. This was even before I was married. The only thing they wanted was anonymity. They only wanted to put their pants on one leg at a time, and not be addressed. Now I'm facing the opposite of that. Everyone wants a selfie with me. How do I deal with this? Honestly, I want to have a conversation with them, but it becomes challenging."

In an earlier conversation with YouTuber Ranveer Allahbadia, Dr Nene opened up about his fame and its downsides. He said, "Sometimes, it gets me down… The

hardest part for me, and I'll be honest, I've never confessed this… My wife and I are independent, living beings.

And yet, sometimes, they just see me as her lesser half. I joke about that, because she's certainly the better half, she's the love of my life. Everyone I know should be given respect, top to bottom. There is no 'sir' in my house, in my office, or anywhere."